राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

गौरवशाली भारत

दिल्ली से प्रकाशित

R.N.I. NO. DELHIN/2011/38334 वर्षः 11 अंकः 203 पृष्ट : 08, नई दिल्ली, शुक्रवार, 04 फ़रवरी 2022 मूल्यः 1.50/-

लोकतंत्र को बचाने के लिए समाजवादियों के साथ आएं आंबेडकरवादी : अखिलेश

संवाददाता

बुलंदशहर । समाजवादी पार्टी (सपा) अध्यक्ष अखिलेश यादव ने बृहस्पतिवार को अपील की कि संविधान और लोकतंत्र को बचाने के लिए आंबेडकरवादी भी समाजवादियों के साथ आएं और उनकी लड़ाई को मजबूत करें। अखिलेश ने अपने गठबंधन के सहयोगी राष्ट्रीय लोकदल के अध्यक्ष जयंत चौधरी के साथ संयुक्त प्रेस सम्मेलन में बसपा (बहुजन समाज पार्टी) अध्यक्ष मायावती द्वारा अपना चुनाव अभियान शुरू किए जाने के बारे में पूछे गए एक सवाल पर कहा, ष्मैंने तो कहा है कि समाजवादियों के साथ आंबेडकरवादी भी आएं... क्योंकि संविधान बचाना है, लोकतंत्र बचाना है। अगर यह नहीं बचेंगे तो सोचो हमारे अधिकारों का क्या होगा। उन्होंने कहा, मैं फिर अपील करता हूं कि हम सब बहुरंगी लोग हैं। लाल रंग हमारे साथ है। हरा, सफेद, नीला3 हम चाहते हैं कि आंबेडकरवादी भी साथ आएं और इस लड़ाई को मजबूत करें। अखिलेश से सवाल किया गया था कि वर्ष 2019 में हुए पिछले लोकसभा चुनाव में सपा और बसपा का गठबंधन था और इस बार बसपा अलग चुनाव लड़ रही है। क्या विधानसभा चुनाव में इसका कुछ असर पड़ रहा है, खासकर पश्चिमी उत्तर प्रदेश में सपा अध्यक्ष ने गर्मी वाले बयान को लेकर उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ पर निशाना साधते हुए कहा, ष्प्रदेश में जो हवा चल रही है उसे देखकर लगता है कि भाजपा और खासकर मुख्यमंत्री को कुछ समझ में नहीं आ रहा है कि क्या कहा जाए। उन्होंने चुटकी लेते हुए कहा, ष्वह हमारे मुख्यमंत्री हैं। वह कोई कंप्रेशर थोड़े ही हैं कि हमें ठंडा कर देंगे। बहुत सारे लोग हैं जो यह जानते होंगे कि फ्रिज में चीज ठंडी रखने के लिए कंप्रेशर होता है, तो क्या हमारे मुख्यमंत्री जी कंप्रेशर हैं? गौरतलब है कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने पिछले दिनों हापुड़ में एक जनसभा में कैराना से सपा उम्मीदवार नाहिद हसन पर हमला करते हुए कहा था, ये गर्मी जो अभी कैराना और मुजफ्फरनगर में दिखाई दे रही है न, मैं मई और जून की गर्मी में भी शिमला बना देता हूं।

हम 10 मार्च के बाद इनकी गर्मी शांत कर देंगे। अखिलेश ने कहा, हम भरोसा दिलाना चाहते हैं कि जब प्रदेश में सपा गठबंधन की सरकार बनेगी तो गर्मी नहीं बल्कि भर्ती खोली जाएगी और नौजवानों को नौकरी देने का काम किया जाएगा। जिस तरीके से सरकार ने नौकरियां और रोजगार छीने हैं, इस बार हर यूथ अपने बूथ पर भाजपा को हराएगा।

सपा अध्यक्ष ने केंद्र सरकार द्वारा पेश किए गए आम बजट पर व्यंगात्मक अंदाज में कहा, सुना है कि इस बजट से हीरा सस्ता हो जाएगा.... तो देखो सरकार ने गरीबों का कितना ख्याल रखा है। आगामी विधानसभा चुनाव को भाईचारा बनाम भाजपा का चुनाव करार देते हुए अखिलेश ने कहा, एक बात तो तय है कि इस बार बाबा (योगी आदित्यनाथ) मुख्यमंत्री नहीं बनने जा रहे हैं। उन्हें अपनी चिंता करनी चाहिए। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ द्वारा आज प्रेस वार्ता में अपनी सरकार का रिपोर्ट कार्ड पेश किए जाने के बारे में पूछे गए एक सवाल के जवाब में सपा प्रमुख ने कहा, सिर्फ झूठ बोलना ही भाजपा की उपलब्धि है। राष्ट्रीय लोकदल के अध्यक्ष जयंत चौधरी ने इस मौके पर आरोप लगाया, सत्ताधारी लोग यह कोशिश कर रहे हैं कि किसी तरह हमारे बीच की एकता को खत्म किया जाए। बड़ी संख्या में लोग हमारे कारवां से जुड़ रहे हैं।

इससे भाजपा के लोगों की बौखलाहट सामने आ रही है। मुख्यमंत्री ऐसी भाषा का प्रयोग कर रहे हैं जो पहले कभी इस पद पर बैठे किसी भी व्यक्ति की जबान से नहीं सुनी गई।

संक्षिप्त समाचार

सुप्रीमकोर्ट ने 5 फरवरी को होने वाली गेट परीक्षा स्थगित करने से किया इनकार

नयी दिल्ली (एजेंसी)। सुप्रीमकोर्ट ने कोविड-19 संबंधी पाबंदियों के चलते 5 फ़रवरी को होने वाली इंजीनियरिंग परीक्षा में स्नातक योग्यता परीक्षा (गेट) को स्थगित करने से बृहस्पतिवार को इनकार कर दिया। जस्टिस डीवाई चंद्रचूड़, जस्टिस सूर्यकांत और जस्टिस विक्रम नाथ की पीठ ने कहा कि निर्धारित परीक्षा से 48 घंटे पहले गेट परीक्षा को स्थगित करने से अराजकता एवं अनिश्चितता की स्थिति उत्पन्न होगी और वह उन छात्रों के भविष्य के साथ खिलवाड़ नहीं कर सकते, जिन्होंने इसके लिए तैयारी की है। पीठ ने कहा कि यह शिक्षण नीति का मामला है कि कब परीक्षा होनी चाहिए और अदालत इसमें हस्तक्षेप नहीं कर सकती। पीठ ने कहा कि 9 लाख छात्र यह परीक्षा देने वाले हैं और करीब 20,000 छात्रों ने इसे स्थगित करने के संबंध में ऑनलाइन याचिका का समर्थन किया है। पीठ ने कहा, 'छात्रों ने इसके लिए तैयारी की है और अदालत परीक्षा स्थगित करके उनके भविष्य के साथ खिलवाड़ नहीं कर सकती।

पंजाब में लोग 'आप' की सरकार चाहते हैं : भगवंत मान

एजेंसी, धुरी । पंजाब विधानसभा चुनाव में आम आदमी पार्टी (आप) के मुख्यमंत्री पद के उम्मीदवार भगवंत मान ने कहा कि राज्य के लोग पिछले 44 वर्ष में कांग्रेस और शिरोमणि अकाली दल (शिअद) को मौका देते-देते थक गए हैं और इस बार उनकी पार्टी की सरकार चाहते हैं। मान (48) धुरी विधानसभा सीट से चुनाव लड़ रहे हैं, जो संगरूर लोकसभा क्षेत्र में आती है। मान संगरूर से दो बार के सांसद हैं। उन्होंने कहा कि राज्य में उनकी पार्टी सत्ता में आने पर माफ्िया राज, बेरोजगारी, महंगाई, मादक पदार्थों की समस्या और कृषि संकट जैसे कुछ प्रमुख मुद्दे से निपटने के लिए काम करेगी। पंजाब में पार्टी द्वारा पिछले महीने अपनी तरह का पहला 'जनता चुनेगी अपना सीएम' अभियान चलाने के बाद मान को 'आप' का मुख्यमंत्री पद का उम्मीदवार घोषित किया गया था। पार्टी के मुख्यमंत्री पद के उम्मीदवार को चुनने के लिए 'आप' के सर्वेक्षण में, पार्टी नंबर पर फोन करने या संदेश भेजने वालों में से 93 प्रतिशत ने मान को चुना था। मान ने कहा, '' लोगों ने कांग्रेस को 25 साल और बादल परिवार को 19 साल दिए। ये पार्टियों पिछले 44 साल में कुछ नहीं कर पाईं और अब भी एक और मौका चाहती हैं।

भारतीय कामगारों की खाड़ी देशों में वापसी के लिए सरकार प्रयासरत : जयशंकर

नयी दिल्ली (एजेंसी)। विदेश मंत्री एस जयशंकर ने बृहस्पतिवार को राज्यसभा में कहा कि सरकार यह सुनिश्चित करने के लिए प्रयास कर रही है कि भारतीय कामगार खाड़ी देशों में अपने काम पर वापस लौट सकें। उन्होंने कहा कि इस मुद्दे को क्षेत्र में उच्चतम स्तर पर उठाया जा रहा है। जयशंकर ने उच्च सदन में प्रश्नकाल के दौरान पूरक सवालों के जवाब में यह जानकारी दी। उन्होंने कहा कि खाड़ी देशों में आर्थिक स्थिति में सुधार और कोविड मामलों में कमी के बाद यात्रा प्रतिबंधों में रियायत के साथ ही कई भारतीय कामगार अब वहां वापस लौट रहे हैं। सरकार के अनुमानों के अनुसार, वंदे भारत मिशन के तहत छह खाड़ी देशों- संयुक्त अरब अमीरात, सऊदी अरब, कुवैत, ओमान, कतर और बहरीन से 7,16,662 श्रमिक भारत लौटे। जयशंकर ने कहा, '' ... हमने खाड़ी देशों की सरकारों के साथ बातचीत की है। इस बातचीती का नेतृत्व खुद प्रधानमंत्री ने किया है।

मोदी सरकार पर गरजे राहुल गांधी

कहा, हम बीजेपी को एक सच्चा हिन्दुस्तान दिखाएंगे

❑ राहुल गांधी ने की राजीव गांधी ग्रामीण भूमिहीन कृषि मजदूर न्याय योजना की शुरुआत

एजेंसी

रायपुर । छत्तीसगढ़ में अपने एक दिवसीय दौर पर पहुंचे कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने भारतीय जनता पार्टी पर हमला किया। एक कार्यक्रम को संबोधित करने के दौरान कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष ने राहुल गांधी ने कहा कि हिन्दुस्तान अलग-अलग विचारधारा, संस्कृति, भाषाओं का गुलदस्तां है। लेकिन वे (बीजेपी) चाहते हैं कि इस पर एक विचारधारा का ही शासन रहे। कांग्रेस नेता ने आगे कहा, मैंने कल संसद में कहा था कि हम ऐसा नहीं होने देंगे। हम बीजेपी को एक सच्चा हिन्दुस्तान दिखाएंगे। जब ये सवाल पूछते हैं कि 70 सालों में देश में क्या हुआ। तब ये हमारे किसान, उनके माता-पिता, मजदूरों, कारीगरों, हमारे छोटे व्यवसायियों का अपमान करते हैं। कांग्रेस पार्टी का अपमान नहीं करते हैं। भारत की गरीब जनता ने खून-पसीना देकर बदलाव किया है। आज ये चाहते हैं कि जिन करोड़ों लोगों ने इस देश को बनाया है उन्हें परे कर दिया जाए और 100-200 लोगों को देश का पूरा धन पकड़ा दिया जाए। भारत में 100 सबसे अमीर लोगों के पास देश की 40 प्रतिशत आबादी से ज्यादा धन है। राहुल गांधी ने राजीव गांधी ग्रामीण भूमिहीन कृषि मजदूर न्याय योजना की शुरुआत की। कांग्रेस सांसद राहुल गांधी ने बृहस्पतिवार को रायपुर के साइंस कॉलेज मैदान में राजीव गांधी ग्रामीण भूमिहीन कृषि मजदूर न्याय योजना की शुरुआत की। इस योजना के तहत ग्रामीण भूमिहीन कृषि मजदूर परिवार को तीन किश्तों में प्रति वर्ष छह हजार रुपए की आर्थिक मदद दी जाएगी। गांधी ने इस अवसर पर योजना के तीन लाख 55 हजार हितग्राहियों के खाते में पहली किश्त के रुप में दो हजार रुपए की राशि जारी की। इस योजना के लिए बजट में 200 करोड़ रुपए का प्रावधान किया गया है। कार्यक्रम के दौरान भूमिहीन कृषि मजदूर परिवार को चेक प्रदान किया गया। राज्य के जनसंपर्क विभाग के अधिकारियों ने बताया कि योजना के हितग्राहियों में बड़ा तबका अन्य पिछड़ा वर्ग में आता है। राज्य सरकार अन्य वर्गों को भी पात्रतानुसार योजना में शामिल करेगी। इस योजना में ऐसे लोगों को पात्र बनाया गया है, जिनके पास आवासीय भूमि तो है, लेकिन कृषि भूमि नहीं है।

ओवैसी के काफिले पर फायरिंग, दो गिरफ्तार, पुलिस की पूछताछ जारी

एजेंसी, नयी दिल्ली। उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव को लेकर प्रचार का दौर जारी है। 10 तारीख को पहले चरण का मतदान होना है। इन सब के बीच आज मेरठ से एक कार्यक्रम को संपन्न कर दिल्ली लौट रहे एआईएमआईएम के प्रमुख असदुद्दीन ओवैसी के काफिले पर हमला किया गया। खुद ओवैसी ने घटना की जानकारी दी और दावा किया कि मैं किठौर, मेरठ (उ.प्र.) में एक चुनावी कार्यक्रम के बाद दिल्ली जा रहा था। छिजारसी टोल प्लाजा के पास 2 लोगों ने मेरी गाड़ी पर 3-4 राउंड गोलियां चलाईंय वे कुल 3-4 लोग थे। मेरी गाड़ी के टायर पंक्चर हो गए, मैं दूसरी गाड़ी में वहां से निकला। तेलंगाना के हैदराबाद से सांसद ओवैसी ने कहा कि वह मेरठ औरकिठौर में चुनाव से जुड़े कार्यक्रमों के लिए सुबह में दिल्ली से रवाना हुए थे। इन कार्यक्रमों में उन्होंने दोपहर साढ़े तीन बजे पैदल मार्च किया था। इन सबके बीच खबर है कि असदुद्दीन ओवैसी के हमलावरों को गिरफ्तार कर लिया गया है। उनसे लगातार पूछताछ की जा रही है। सूत्रों की मानें तो पूछताछ में पता चला है कि दोनों युवक असदुद्दीन ओवैसी के हिंदू विरोधी बयानों से आहत थे तभी यह हमला किया गया है। उत्तर प्रदेश के एडीजी लॉ एंड ऑर्डर प्रशांत कुमार ने बताया था कि मामले की जांच के लिए वहां आईजी मेरठ रेंज स्वयं मौजूद हैं। 5 टीमें बनाई गई हैं, आवश्यकता पड़ने पर और टीमों का भी गठन किया जाएगा। सभी साक्ष्यों को चिंहित किया गया है। पूरा मामला अभी जांच का विषय है। एआईएमआईएम के सांसद इम्तियाज जलील ने ओवैसी की कार पर कथित तौर पर गोलीबारी किए जाने का विषय लोकसभा में उठाया और दोषियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की मांग की।

आजम और मुख्तार पर एक्शन से अखिलेश के पेट में दर्द होता है, सपा का शासन होगा तो गुंडों का राज होगा : शाह

संवाददाता

बुलंदशहर । गृह मंत्री अमित शाह गुरुवार को बुलन्दशहर के अनूपशहर विधानसभा क्षेत्र में पहुंचे, जहां उन्होंने कार्यकर्ताओं से संवाद करते हुए कहा कि मैं यहां 2022 के चुनाव में जिताने की अपील करने आया हूं। कोरोना के कारण प्रोटोकाल है इसलिए हमने तय किया है कि हम इस बार छोटी-छोटी बैठकों से लोगों तक पहुंचे। वही, शाह ने इस दौरान अखिलेश यादव पर हमला बोलते हुए कहा कि राजनीति के अंदर जातिवाद और परिवारवाद होना चाहिए क्या? पहले की सरकारें जातिवाद के आधार पर चली भ्रष्टाचार का विकास हुआ। शाह ने कहा योगी जी की सरकार में राहुल बाबा भी भ्रष्टाचार का आरोप नहीं लगा सकते हमने पारदर्शी सरकार देने का काम किया है। उन्होंने कहा कि पहले बाहुबली से पुलिस डरती थी अब वे सरेंडर कर रहे है। आजम और मुख्तार जैसे माफ्ियाओं पर गाज गिरती है तो अखिलेश के पेट में दर्द होता है। दो हजार करोड़ की संपत्ति जो माफ्ियाओं ने हड़प रखी थी योगी सरकार ने उसे खाली कराया है। अखिलेश कानून व्यवस्था का सवाल उठाते हैं यूपी में हत्या, अपहरण, लूट के मामलों में बड़ी कमी हुई है में पूरा रिकॉर्ड लेकर आया हूं एक बार और मौका दे दो हम यूपी को देश की नम्बर एक अर्थव्यवस्था बना देंगे। पिछली सरकारों में सरकारी खजाना खाली था 100 रुपए की मटकी को टकोरा लगाकर लेते हैं। यदि पांच साल की सरकार के लिए वोट देते समय टकोरा लगाओगे तो जवाब भाजपा की सरकार का होगा। पहले बिजली नहीं आती थी अब 24 घंटे मिल रही है हमने गुंडाराज से मुक्त, दंगों से मुक्त सरकार दी है। शासन अखिलेश के हाथ में होगा तो गुंडों का राज होगा।उन्होंने कहा हमने धारा 370 को उखाड़कर फेंक दिया आज कश्मीर भारत माता का मुकूट बना मित्रों पहले देश की सुरक्षा को कांग्रेस, सपा ताक पर रखते थे सपा नेता ने कहा-बॉर्डर पर फेंसिंग की क्या जरूर एक जमाना था हमारे जवानों के सिर काटकर ले जाते थे मोदी जी की सरकार ने आतंकियों के सफाए का काम किया सिर्फ भाजपा देश की सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता देती है।

योगी ने किया अपनी सरकार का बखान, बोले, 5 साल में नहीं हुई कोई आतंकी घटना

संवाददाता

लखनऊ। यूपी विधानसभा चुनाव के पहले चरण की तारीख करीब है, ऐसे में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने वोटरों को लुभाने के लिए अपनी सरकार की उपलब्धियां गिनवाईं। सीएम योगी ने कहा कि पिछले दो साल से कोरोना वायरस महामारी सरकार के लिए चुनौती बनी हुई है। उन्होंने दावा किया कि एनसीआरबी के आंकड़ों के मुताबिक, डकैती में 58, लूट के मामलों में 64, हत्या में 3, फिरौती एवं अपहरण में 53 सहित दहेज व बलात्कार के मामलों में 47 परसेंट गिरावट दर्ज की गई है। सीएम योगी ने कहा कि बीते पांच साल में प्रदेश में कोई आतंकी घटना और दंगा नहीं हुआ है। उन्होंने कहा कि 'लव जिहाद' और धर्मांतरण रोकने के लिए कानून बनाया गया। उन्होंने कहा कि उत्तर प्रदेश पहला राज्य है जिसने सीमावर्ती राज्यों में ज्वाइंट पेट्रोलिंग की कार्रवाई की। उत्तर प्रदेश पहला राज्य है जिसमें पिछले पांच सालों में एक भी दंगा नहीं हुआ है। हमने पुलिस रिफार्म को लेकर कोई कसर नहीं छोड़ी। हमने 4 पुलिस कमिश्नरेट स्थापित की। उन्होंने कहा कि जिस उत्तर प्रदेश में पुलिस रिफार्म एक सपना था, क्योंकि कोई सोचता ही नहीं था। सत्ता में आने के बाद पुलिस राजनीतिक एजेंडा का हिस्सा हो जाता था। हमने डेढ़ लाख पुलिस की निष्पक्ष तरीके से भर्ती का काम पूरा किया। सीएम योगी ने कहा कि लखनऊ में एडवांस ब्रह्मोस मिसाइल बन रही है। वहीं एंटी भूमाफ्िया स्क्वाइड ने 66 हजार हेक्टेयर जमीन माफ्ियाओं के खाली कराई है। इस जमीन को कॉलेज और अन्य विकास कार्यों में उपयोग किया जा रहा है। वहीं प्रदेश सरकार ने सिचाई की लंबी समय से लंबित पड़ी योजनाओं पर काम शुरू किया। हमने अभी प्रधानमंत्री के हाथों से सरयू नहर परियोजना का उद्घाटन कराया। इसी के साथ 18 लंबित परियोजनाओं को पूरा कर लिया है। योगी आदित्यनाथ ने कब्रिस्तान का जिक्र करते हुए समाजवादी पार्टी पर हमला किया और आरोप लगाया कि पिछली सरकारों के शासनकाल के दौरान विकास कार्यों के धन की बंदरबांट होती थी। योगी ने संवाददाता सम्मेलन में यह बात कही। उन्होंने कहा, पिछली सरकारों में विकास के नाम पर पैसे की बंदरबांट होती थी। अगर आप सपा का विकास कार्य देखना चाहते हैं तो यह कहीं और नहीं दिखाई देगा, बस कब्रिस्तान की चारदीवारी में ही दिख सकता है।'' मुख्यमंत्री ने कहा, ष्अगर अब आपको विकास देखना है तो यह अयोध्या में नजर आएगा जिसे एक आधुनिक नगर के रूप में विकसित किया जा रहा है। इसके अलावा काशी विश्वनाथ धाम, मां विंध्यवासिनी धाम और चित्रकूट धाम की परियोजनाओं में भी आप विकास देख सकते हैं। उन्होंने कहा कि तीर्थ विकास परिषद के माध्यम से मथुरा, वृंदावन, बरसाना, गोकुल और गोवर्धन में भी विकास परियोजनाएं जारी हैं, पिछले पांच वर्षों के दौरान भाजपा सरकार ने 700 प्रमुख तीर्थ स्थलों और पर्यटन स्थलों के विकास का काम किया है। योगी आदित्यनाथ ने राज्य की पिछली सरकारों पर अपने-अपने शासनकाल में पुलिस को व्यक्तिगत उपयोग की चीज बना लेने का आरोप लगाते हुए बृहस्पतिवार को दावा किया कि उनकी सरकार ने पुलिस सुधार की दिशा में ठोस कार्य किए हैं। पिछली सरकारें पुलिस सुधार करने में विफल थीं क्योंकि वे पुलिस को अपना व्यक्तिगत औजार बना कर उसका दुरुपयोग करना चाहती थीं। भाजपा की सरकार ने पुलिस सुधार में कोई कोताही नहीं बरती। हमने चार पुलिस कमिश्नरेट बनाए हैं। हर थाने और पुलिस लाइन में पुलिस कार्मिकों के लिए आवासीय व्यवस्था की गई है। उन्होंने आरोप लगाया '' पहले, सत्तारूढ़ दल द्वारा पुलिस को अपने व्यक्तिगत स्वार्थों का एजेंडा बना लिए जाने की वजह से पुलिस बल में भर्तियां नहीं हो पाती थीं। मगर भाजपा की सरकार ने पुलिस के लगभग डेढ़ लाख पदों पर पूरी पारदर्शिता के साथ भर्ती की हैं। इसके अलावा 86,000 पुलिसकर्मियों की पदोन्नति लंबित थी जो उन्हें दी गई है। तकनीक का इस्तेमाल कर पुलिस को अत्याधुनिक सुविधाओं से लैस किया गया है।'' मुख्यमंत्री ने कहा कि भाजपा के शासनकाल में पुलिस में महिलाओं को वाजिब हिस्सेदारी दी गई है। उन्होंने दावा किया ''उत्तर प्रदेश देश का पहला राज्य है जिसने हर ग्राम पंचायत में महिला बीट पुलिस अधिकारी की तैनाती की है। साथ ही ई-अभियोजन में सर्वाधिक कार्यवाही की गई। उत्तर प्रदेश में 1535 थानों में एंटी रोमियो स्क्वाड और महिला हेल्प डेस्क पहले से ही स्थापित हैं। '' योगी ने तुलनात्मक आंकड़े पेश करते हुए दावा किया'' वर्ष 2007 से 2012 के बीच सत्तारूढ़ बसपा सरकार के समय दंगे की 364 घटनाएं हुई थीं।

विधानसभा क्षेत्र बी के टी से भाजपा प्रत्याशी योगेश शुक्ला ने हनुमान सेतु मंदिर, मां चंद्रिका देवी मंदिर में आशीर्वाद लिया

लखनऊ। विधानसभा क्षेत्र बख्शी का तालाब से भाजपा प्रत्याशी योगेश शुक्ला ने नामांकन से पहले हनुमान सेतु मंदिर उसके बाद मां चंद्रिका देवी मंदिर बक्शी का तालाब में दर्शन पूजन अर्चन कर आशीर्वाद लिया इस अवसर पर भारी संख्या में उनके समर्थक साथ रहे। भाजपा प्रत्याशी बीकेटी योगेश शुक्ला का संक्षिप्त परिचय-किसान परिवार में जन्मे। बक्शी का तालाब के पास पहाड़पुर गांव में जन्म। पिता का नाम स्वर्गीय श्री दुर्गा शंकर शुक्ल और माता श्रीमती प्रमिला शुक्ला। अपने गांव के कई बार प्रधान चुने गए। राजनितिक सफ्र भारतीय जनता पार्टी से शुरु किया। पिछले 30 साल से भारतीय जनता पार्टी से जुड़े रह कर समाजसेवा की। भारतीय जनता युवा मोर्चा के जिला अध्यक्ष रहे। भाजपा के अन्य दायित्वों से भी जुड़े रहे। बख्शी का तालाब क्षेत्र के भाजपा प्रत्याशी योगेश शुक्ला ने पत्रकारों से कहा कि इस बार फ्र प्रदेश में भाजपा की सरकार बनेगी। लखनऊ की सभी 9 सीटें भारतीय जनता पार्टी जीतेगी और पूरे प्रदेश में 325 सीट भारतीय जनता पार

गोवा के भविष्य के लिए इस बार 'आप' को वोट दे : केजरीवाल

एजेंसी

पणजी । आम आदमी पार्टी (आप) के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल ने बृहस्पतिवार को भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) और कांग्रेस सहित अन्य दलों के समर्थकों व कार्यकर्ताओं से न सिर्फउनके खुद के, बल्कि तटवर्ती राज्य के भविष्य के लिए भी गोवा विधानसभा चुनाव में 'आप' के पक्ष में मतदान करने की अपील की। केजरीवाल ने कहा कि वे पार्टी से अपनी संबद्धता को बदले बिना 'आप' को वोट दे सकते हैं। गोवा की सभी 40 विधानसभा सीटों पर 14 फ़रवरी को मतदान होना है। नतीजों की घोषणा दस मार्च को की जाएगी। 'आप' राज्य की सभी सीटों पर चुनाव लड़ रही है। केजरीवाल ने संवाददाताओं से बातचीत में कहा, 'मैं यहां उन लोगों को संबोधित करने आया हूं, जो भाजपा, कांग्रेस या किसी अन्य पार्टी के समर्थक या कार्यकर्ता हैं। मैं आपसे आम आदमी पार्टी से जुड़ने के लिए नहीं कह रहा हूं। आप अपनी पार्टी में बने रह सकते हैं, लेकिन अपनी खुद की भलाई, गोवा के भविष्य और अपने परिवार के भविष्य के लिए इस बार 'आप' को वोट दें।' 'आप' नेता ने आरोप लगाया कि भाजपा गोवा में पिछले 15 वर्षों से सत्ता में है, लेकिन उसने राज्य के लिए कुछ भी नहीं किया। उन्होंने कहा, 'इस बार 'आप' के लिए वोट करें और आपको राज्य में बदलाव दिखेगा।' दिल्ली के मुख्यमंत्री ने कहा कि कांग्रेस ने कई वर्षों तक गोवा पर शासन किया, लेकिन पार्टी अब भाजपा के लिए 'कैडर फीडर' में तब्दील हो गई है। उन्होंने कहा, 'लोग नेता बनने के लिए कांग्रेस में शामिल होते हैं और फ्र भाजपा में चले जाते हैं।' केजरीवाल ने आरोप लगाया कि गोवा के लिए कांग्रेस के पास कोई एजेंडा नहीं है।

उन्होंने कहा, 'इसी तरह, महाराष्ट्रवादी गोमांतक पार्टी (एमजीपी) और गोवा फॉरवर्ड पार्टी (जीएफपी) के कार्यकर्ताओं व समर्थकों को पता होना चाहिए कि राज्य में उनकी पार्टियों की सरकार नहीं बनने जा रही है। लिहाजा ऐसी पार्टी को वोट देने का क्या फायदा? मतों का विभाजन न होने दें।'

अमेरिकी सेना टीका लेने से इनकार करने वाले कर्मियों को सेवामुक्त करेगी

वाशिंगटन । अमेरिकी थल सेना ने बृहस्पतिवार को कहा कि वह उन सैनिकों को तत्काल सेवामुक्त करना शुरू करेगी, जिन्होंने कोविड-19 टीका लेने से इनकार कर दिया है। इस कदम से सेना से 3,300 से अधिक कर्मियों को जल्द ही बाहर किए जाने की आशंका है। मरीन कॉर्प्स, वायु सेना और नौसेना पहले ही टीका लेने से इनकार करने वाले सैनिकों या प्रवेश स्तर के कर्मियों को ड्यूटी से हटा चुकी है। अब तक थल सेना ने किसी को सेवा से नहीं हटाया है। थल सेना की ओर से पिछले हफ्ते जारी आंकड़ों के मुताबिक 3,300 से ज्यादा जवानों ने टीका लेने से इनकार कर दिया है। सेना ने कहा है कि 3,000 से अधिक सैनिकों को कड़ी टिप्पणी वाले आधिकारिक पत्र भेजे गए हैं। इससे पता चलता है कि अनुशासनात्मक प्रक्रिया में ऐसे कर्मियों की पहचान की जा चुकी है और उनमें से कुछ को सबसे पहले सेवा से हटाया जा सकता है। अमेरिकी रक्षा विभाग के मुख्यालय पेंटागन ने ड्यूटी पर तैनात जवानों, नेशनल गार्ड और रिजर्व में रखे गए जवानों समेत सभी सैनिकों को टीका लेने का आदेश दिया है। देश भर में कोविड-19 के मामलों में वृद्धि जारी है। अनुमान के मुताबिक सेना के 97 प्रतिशत सैनिकों को टीके की कम से कम एक एक खुराक लग चुकी है। वहीं, 3,000 से अधिक कर्मियों ने चिकित्सा या धार्मिक आधार पर छूट का अनुरोध किया है। सैन्य सचिव क्रिस्टीन वर्मुथ ने बुधवार को निर्देश जारी कर कमांडरों को ऐसे कर्मियों के खिलाफ कार्यवाही शुरू करने का आदेश दिया, जिन्होंने खुराक लेने से इनकार कर दिया है।

भारतीय शीतकालीन ओलंपिक दल के मैनेजर दोबारा कोरोना जांच में नेगेटिव

बीजिंग, 03 फरवरी (वेब वार्ता)। कोरोना जांच में पॉजिटिव पाये जाने के एक दिन बाद भारत के शीतकालीन ओलंपिक दल के मैनेजर मोहम्मद अब्बास की पिछले 24 घंटे में दोबारा की गई दो जांच में रिपोर्ट नेगेटिव आई है।

भारतीय ओलंपिक संघ ने बृहस्पतिवार को यह जानकारी दी।

वानी को बीजिंग हवाई अड्डे पर हुई जांच में पॉजिटिव पाया गया था। आईओए अध्यक्ष नरिंदर बत्रा ने कहा कि पिछले 24 घंटे में दो बार उनकी जांच की गई और नतीजा नेगेटिव आया है।

बत्रा ने कहा, ''भारतीय टीम के मैनेजर मोहम्मद अब्बास वानी की पिछले 24 घंटे में दो बार कराई गई जांच की रिपोर्ट नेगेटिव आई है। बीजिंग में भारत का पूरा दल अब कोरोनामुक्त है।''

उन्होंने कहा, ''दल प्रमुख हरजिंदर सिंह, चीन में भारतीय दूतावास और खेल मंत्रालय को सभी का ख्याल रखने के लिये धन्यवाद।''

अब्बास वानी छह सदस्यीय भारतीय दल का हिस्सा है जिसमें एकमात्र खिलाड़ी कश्मीर के स्कीअर आरिफ खान है। आरिफ स्लालोम और जाइंट स्लालोम वर्ग में भाग लेंगे।

भारत के दल प्रमुख हरजिंदर सिंह है और एल सी ठाकुर अल्पाइन कोच, पूरन चंद तकनीशियन और रूप चंद नेगी टीम अधिकारी है।

जॉर्डन के विदेश मंत्री, अरब लीग प्रमुख ने क्षेत्रीय संकट से निपटने के प्रयासों पर चर्चा की

अम्मान। जॉर्डन के विदेश मंत्री अयमान सफादी और अरब लीग के महासचिव अहमद अबुल-घित ने बुधवार को संयुक्त अरब कार्रवाई और क्षेत्रीय विकास को आगे बढ़ाने के प्रयासों पर बातचीत की।

समाचार एजेंसी सिन्हुआ ने राज्य द्वारा संचालित मीडिया रिपोर्ट का हवाला देते हुए, संकट को हल करने और क्षेत्रीय सुरक्षा और स्थिरता को बढ़ाने के लिए व्यापक संयुक्त अरब कार्रवाई और सामूहिक अरब भूमिका का आह्वान किया। सफादी के हवाले से कहा गया है कि अरब लीग को अपनी भूमिका को मजबूत करने की जरूरत है और जॉर्डन इस संबंध में लीग का समर्थन करने के लिए प्रतिबद्ध है।

उन्होंने दो-राज्य समाधान के आधार पर वार्ता को पुनर्जीवित करने के लिए अंतरराष्ट्रीय और क्षेत्रीय प्रयासों को तेज करने का आह्वान किया, जो एक निष्पक्ष शांति तक पहुंचने का एकमात्र तरीका है।

अबौल-घेट ने क्षेत्रीय सुरक्षा और स्थिरता को बढ़ाने के लिए लीग और अरब कार्रवाई प्रणाली के भीतर जॉर्डन की सक्रिय भूमिका की सराहना की।

पुतिन ने जॉनसन के साथ मास्को की सुरक्षा चिंताओं पर चर्चा की

मॉस्को। रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने यूक्रेन संकट और मॉस्को के सुरक्षा प्रस्तावों पर ब्रिटेन के प्रधानमंत्री बोरिस जॉनसन से टेलीफोन पर बातचीत में चर्चा की है। समाचार एजेंसी सिन्हुआ ने क्रेमलिन के हवाले से कहा कि दोनों नेताओं ने यूक्रेन की स्थिति पर विचारों का आदान-प्रदान किया, पुतिन ने 2015 के मिन्स्क समझौते के कीव के गैर-अनुपालन पर ध्यान आकर्षित किया। पुतिन ने रूस के सुरक्षा प्रस्तावों के लिए पर्याप्त प्रतिक्रिया तैयार करने के लिए उत्तरी अटलांटिक संधि संगठन की अनिच्छा की ओर इशारा करते हुए कहा कि गठबंधन खुले दरवाजे की नीति के प्रति अपनी प्रतिबद्धता को पीछे छिपा रहा है, जो अविभाज्य सुरक्षा के सिद्धांत का खंडन करता था। ब्रिटिश सरकार की वेबसाइट पर प्रकाशित एक बयान के अनुसार, नेताओं ने सहमति व्यक्त की कि स्थिति का बढ़ना किसी के हित में नहीं है। बयान में कहा गया है कि प्रधानमंत्री ने वार्ता और कूटनीति के महत्व और यूक्रेन को वार्ता में शामिल करने की आवश्यकता पर बल दिया। अमेरिकी रक्षा विभाग द्वारा जर्मनी, पोलैंड और रोमानिया में 3,000 अतिरिक्त सैनिकों को तैनात करने की घोषणा के तुरंत बाद बातचीत हुई।

गिनी-बिसाऊ सरकार ने तख्तापलट के असफल प्रयास के बाद 11 लोगों की मौत की पुष्टि की

बिसाऊ,। गिनी-बिसाऊ सरकार के पर्यटन मंत्री और प्रवक्ता फर्नांडो वाज ने पुष्टि करते हुए कहा कि इस सप्ताह के शुरू में हुए तख्तापलट के असफल प्रयास के दौरान 11 लोगों की मौत हो गई।समाचार एजेंसी सिन्हुआ की रिपोर्ट के अनुसार, एक प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान, उन्होंने कहा कि मृतकों में नागरिक, सुरक्षा गार्ड और सैनिक शामिल हैं, मंगलवार के असफल प्रयास को हिंसक और बर्बर बताया।

बलूच लड़ाकों ने पाकिस्तानी सेना की नाक में किया दम, इमरान ने बढ़ाया हौसला

इस्लामाबाद। पूरी दुनिया में आतंकवाद की सरपरस्ती के लिए कुख्यात पाकिस्तान की सेना बलूच लड़ाकों का सामना करने में मुश्किलें झेल रही है। एक सप्ताह में चार हमले करके बलूच लड़ाकों ने पाकिस्तानी सेना की नाक में दम कर रखा है। उधर, पाकिस्तानी प्रधानमंत्री ने बलूच लड़ाकों के हमले में मारे गए पाकिस्तानी शहीदों को श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए अपनी सेना का हौसला बढ़ाया है।

पाकिस्तान के बलूचिस्तान में बलूच लड़ाकों के हमले लगातार जारी हैं। एक सप्ताह पूर्व बलूच लड़ाकों ने पाकिस्तान सेना की टुकड़ी पर हमला कर दस सैनिकों की हत्या कर दी थी। इस हमले की जिम्मेदारी बलूचिस्तान लिबरेशन फ्रंट ने ली थी। इसके बाद पांच दिन पूर्व बलूचिस्तान के डेरा बुगती में दो बम धमाके किये गए गए थे। इन धमाकों की चपेट में आकर चार लोगों की मौत हो गयी थी और आठ लोग घायल हो गए थे। तीन दिन पहले बलूच लड़ाकों ने बलूचिस्तान के जाफराबाद जिले के भीड़ भरे बाजार में ग्रेनेड फेंककर अपना आक्रोश जाहिर किया था, जिसमें दो पुलिसकर्मियों सहित 17 लोग घायल हुए थे।

अब बलूच लिबरेशन आर्मी (बीएलए) की मजीद ब्रिगेड ने बलूचिस्तान प्रांत में पांजगुर और नूशकी इलाके में फ्रंटियर कोर और सेना के एक ठिकाने पर भीषण हमला कर सौ से अधिक पाकिस्तानी सैनिकों के मारे जाने का दावा किया है। पाकिस्तान के प्रधानमंत्री इमरान खान ने ट्वीट कर बलूचिस्तान के पांजगुर और नूशकी इलाकों में सेना के शिविरों पर आतंकी हमलों का सामना करने वाले सैनिकों को सलाम किया है। उन्होंने लिखा है कि देश बहादुर सैनिकों के साथ खड़ा है।

बलूच लड़ाकों का पाकिस्तानी सेना पर हमला, सौ सैनिक मारे

इस्लामाबाद। पाकिस्तान के लिए लगातार मुसीबत बन रहे बलूच लड़ाकों ने पाकिस्तानी सेना पर जोरदार हमला किया है। बलूच लड़ाकों का दावा है कि इस हमले में सौ पाकिस्तानी सैनिक मारे गए हैं। हालांकि पाकिस्तानी सेना ने महज एक सैनिक के मारे जाने और चार आतंकियों को मारकर हमले को विफल करने की बात कही है। बलूच लिबरेशन आर्मी ने हमले की जिम्मेदारी ली है। बलूच लिबरेशन आर्मी (बीएलओ) ने प्रेस विज्ञप्ति जारी कर दावा किया कि बीएलए की मजीद ब्रिगेड ने बलूचिस्तान प्रांत में पांजगुर और नूशकी इलाके में फ्रंटियर कोर और सेना के एक ठिकाने पर भीषण हमला किया है। बलूच लड़ाकों का दावा है कि बलूच फिदायीन दस्ते (आत्मघाती लड़ाकों) ने सफलतापूर्वक सेना के ठिकानों में प्रवेश कर इस हमले को अंजाम दिया है। दावा किया गया है कि हमले में 100 पाकिस्तानी सैनिक मारे गए हैं। बीएलए की विज्ञप्ति में कहा गया है कि हमले के चार घंटे बाद भी बलूच लड़ाके सफलता के साथ पाकिस्तानी सेना का सामना कर रहे हैं।

उधर, पाकिस्तानी सेना ने केवल एक सैनिक के मारे जाने की पुष्टि करते हुए चार आतंकियों को मार कर हमले को विफल करने का दावा किया है। पाकिस्तानी सेना ने एक बयान जारी करके दावा किया कि ठीक समय पर की गई जवाबी कार्रवाई में विद्रोहियों को भारी नुकसान उठाना पड़ा है। उसने बताया कि पांजगुर इलाके में आतंकियों ने सुरक्षा बलों के कैंप में घुसने का प्रयास किया था। फ्रंटियर कोर ने भी माना है कि उसके कैंप के पास दो विस्फोट हुए हैं और गोलीबारी जारी है।

पाकिस्तान में हिंदू कारोबारी की जमीन विवाद मामले में सिंध में गोली मार कर हत्या

कराची।

पाकिस्तान में एक हिंदू कारोबारी की जमीन विवाद को लेकर सिंध प्रांत में दहार समुदाय के कुछ लोगों ने गोली मार कर कथित तौर पर हत्या कर दी। मीडिया की एक रिपोर्ट में यह जानकारी दी गयी।

समाचार पत्र 'एक्सप्रेस ट्रिब्यून' ने अपनी खबर में बताया कि कारोबारी सतन लाल की घोटकी जिले में सोमवार को गोली मारकर हत्या कर दी गयी। हत्या की इस घटना के बाद जिले के कई कस्बों में विरोध प्रदर्शन हुए। लाल की हत्या के विरोध में बड़ी संख्या में लोगों ने राष्ट्रीय राजमार्ग को अवरुद्ध किया।

खबर के अनुसार इन धरना प्रदर्शनों के बाद पुलिस ने लाल की हत्या के आरोपी बचल दहार और उसके सहयोगियों को गिरफ्तार कर लिया। इससे पहले स्थानीय लोगों ने आरोपियों की गिरफ्तारी की मांग को लेकर दहारकी पुलिस थाने के समक्ष भी प्रदर्शन किया था।

उन्होंने कहा, '' हमें पहले लगा कि दहार समुदाय के धार्मिक नेता सीन साधराम साहेब के स्वागत में हवा में गोलियां चलायी गईं हैं।''

पुलिस उप महानिरीक्षक सुक्कूर ने बताया कि आरोपियों को गिरफ्तार किया जा चुका है और प्रदर्शनकारियों ने राजमार्ग से जाम समाप्त कर दिया है।

दहार सिंध में एक जाति है। इस जाति के लोग घोटकी सहित प्रांत के अनेक इलाकों में रहते हैं।

खबर में लाल के मित्र मुखी अनिल कुमार के हवाले से कहा गया ,'' सतन लाल की जमीन पर कपास की फैक्टरी और आटा मिल का उद्घाटन समारोह था, उसी दौरान कुछ लोगों ने लाल की गोली मार कर हत्या कर दी और।'' इससे पहले भी लाल की हत्या की कोशिश की जा चुकी थी।

स्थानीय पत्रकार शाबिर अरबानी के मुताबिक ,'' दो एकड़ जमीन के लिए घटना को अंजाम दिया गया। करीब आठ वर्ष पहले कुछ लोगों ने सतन लाल पर गोली चलाई थी, जिसमें वह घायल हो गए थे। कुछ माह पहले भी उन पर हमला किया गया था।''

कुछ माह पहले सार्वजनिक हुए एक वीडियो में लाल ने कहा था,'' वे मुझे मारने की धमकी दे रहे हैं, मेरी आंखे फोड़ने और मेरे हाथ, पैर काटने की धमकी दे रहे हैं। वे मुझे पाकिस्तान छोड़ने को कह रहे हैं। मैं इसी देश का हूं और यहीं मरना पसंद करूंगा लेकिन हार नहीं मानूंगा।''

एफबीआई ने किया पेगासस की क्षमता का परीक्षण

वाशिंगटन। अमेरिका के फेडरल ब्यूरो ऑफ इनवेस्टिगेशन (एफबीआई) ने यह पुष्टि की है कि इजरायल की कंपनी एनएसओ के पेगासस स्पाईवेयर के इस्तेमाल का लाइसेंस है और उसने इस सॉफ्टवेयर की क्षमता का परीक्षण किया है।

वाशिंगटन पोस्ट में प्रकाशित खबर के अनुसार एफबीआई ने स्पष्ट किया है कि इस सॉफ्टवेयर का इस्तेमाल किसी भी जांच में मदद के लिए नहीं किया गया है। रिपोर्ट के मुताबिक एफबीआई और कानून मंत्रालय के बीच इस बात को लेकर चर्चा हुई है कि ब्यूरो पेगासस को कैसे इस्तेमाल करेगा।

पेगासस के जरिये फोन को गुपचुप तरीके से हैक करके उसके कैमरा और माइक्रोफोन तथा फोन में मौजूद कॉन्टैक्ट, मैसेज आदि तक पहुंच स्थापित कर लेता है।

इस रिपोर्ट पर टिप्पणी करते हुए द वर्ज ने कहा कि यह चिंताजनक बात है। एनएसओ ने हमेशा यह दावा किया है कि पेगासस का इस्तेमाल प्लस1 कंट्री कोड वाले फोन नंबर पर नहीं किया जा सकता है और इसे सिर्फ अमेरिका के बाहर के देशों में इस्तेमाल किये जाने की उम्मीद है।

एफबीआई ने एनएसओ के साथ 5 मिलियन डॉलर के बिल और पेगासस का करार दोबारा करने के संबंध में लगाये गये आरोपों की पुष्टि नहीं की है।

नए कुर्दिश-तुर्कीश तनाव के बीच 10 सीरियाई नागरिक मारे गए

दमिश्क।

तुर्की और कुर्द मिलिशिया के बीच नए तनाव के बीच उत्तरी सीरिया में गोलीबारी में दस नागरिक मारे गए।

समाचार एजेंसी सिन्हुआ ने राज्य मीडिया के हवाले से बताया कि अलेप्पो के उत्तरी ग्रामीण इलाकों में तुर्की बलों और कुर्द नेतृत्व वाली सीरियन डेमोक्रेटिक फोर्सेज (एसडीएफ) के बीच भारी गोलाबारी में 32 अन्य घायल हो गए, जिनमें से कई की हालत गंभीर है। राज्य के मीडिया ने कहा कि गोलाबारी से सीमावर्ती शहर अल-बाब के रिहायशी इलाकों में आग लग गई, जिससे लोगों की मौत हो गई। सीरियन ऑब्जर्वेटरी फॉर ह्यूमन राइट्स ने कहा कि गोलाबारी ने शहर के एक आबादी वाले बाजार और रिहायशी इलाकों को निशाना बनाया था।

अल-बाब की गोलाबारी के बाद, सीरिया और तुर्की के बीच सीमा रेखा पर तुर्की सेना ने सीरिया के हसाका प्रांत के ग्रामीण इलाकों में कुर्द-नियंत्रित अल-मलिकियाह शहर पर बमबारी की, जिससे बड़ी संख्या में नागरिकों को सुरक्षित क्षेत्रों में विस्थापित किया गया।

ऑब्जर्वेटरी ने कहा कि तुर्की की सेना ने अल-मलिकिया को पानी पिलाने वाले बांध पर भी गोलीबारी की। साथ ही तुर्की की सेना ने अल-मलिकियाह के पास चौथे बिजली स्टेशन पर भी गोलीबारी की, और गार्ड कोर के लिए इस्तेमाल की जाने वाली एक इमारत पर हमला किया गया, जिसमें कम से कम चार लोग मारे गए।

कांगो के विस्थापित शिविर पर आतंकी हमला, 50 से ज्यादा की मौत

किंशासा । मध्य अफ्रीकी देश कांगो लोकतांत्रिक गणराज्य में विस्थापितों के लिए बनाए शिविर पर मिलीशिया गुटों ने जोरदार हमला कर दिया। संयुक्त राष्ट्र संघ के अनुसार इस हमले में पचास से अधिक लोग मारे गए हैं, जिनमें महिलाएं और बच्चे भी शामिल हैं।

कांगो लोकतांत्रिक गणराज्य में संयुक्त राष्ट्र मिशन की मुखिया बिन्टोई केइटा ने इस हमले की कठोरतम शब्दों में निंदा की है। इसमें 36 लोग घायल भी हुए हैं। संयुक्त राष्ट्र मिशन ने घटनास्थल के तुरंत गश्तीदल भी भेजा है। इस हमले के बारे में देश के राष्ट्रीय सुरक्षा बलों और सामुदायिक एलर्ट नेटवर्क को भी सूचित कर दिया गया। संयुक्त राष्ट्र संघ के महासचिव एंटोनियो गुटेरेस के उपप्रवक्ता ने न्यूयार्क में पत्रकारों को बताया कि जब संयुक्त राष्ट्र शांति रक्षक घटनास्थल पर पहुंचे तो हमलावरों के साथ उनकी भी गोलीबारी हुई। इस बीच मानवीय सहायता एजेंसियों ने चिकित्सा सामग्री की आपूर्ति शुरू कर दी है। हालांकि असुरक्षा के कारण मानवीय सहायता पहुंचाना चुनौतीपूर्ण कार्य है। इस क्षेत्र में लगभग छह लाख विस्थापित लोग रहते हैं।

संयुक्त राष्ट्र मानवाधिकार कार्यालय की पिछले सप्ताह जारी एक रिपोर्ट में कहा गया था कि वर्ष 2021 के दौरान देश में, मानवाधिकार हनन के 6, 989 मामले दर्ज किये गए थे। इनमें दो हजार से अधिक लोगों की जान जा चुकी है। मानवाधिकार आयोग की रिपोर्ट के मुताबिक दो करोड़ लोगों को तात्कालिक मानवीय सहायता की सख्त जरूरत है। मानवाधिकार हनन के 66 प्रतिशत मामलों में भी सशस्त्र विद्रोही ही जिम्मेदार पाए गए हैं।

विश्व में 10 अरब से अधिक लोगों का हुआ कोविड टीकाकरण

वाशिंगटन।

विश्व में कोरोना वायरस महामारी के प्रकोप के बीच 10 अरब से अधिक लोगों का कोविड टीकाकरण हुआ है और 38 करोड़ से अधिक लोग इससे प्रभावित है। अमेरिका की जॉन हॉपकिन्स यूनिवर्सिटी के कोरोना वायरस रिसोर्स सेंटर की ओर से जारी आंकड़ों के मुताबिक दुनिया भर में अब तक 10.15 अरब से अधिक वैक्सीन की डोज दी जा चुकी है। विश्व में कोरोना संक्रमितों की कुल संख्या बढ़कर 38,45,17,912 हो गयी है और मृतकों का आंकड़ा बढ़कर 56,99,697 हो गया हैं। दुनिया भर में कोरोना संक्रमण के सबसे अधिक मामलों के साथ अमेरिका शीर्ष पर है, जहां इस महामारी से अभी तक 7.56 करोड़ से ज्यादा लोग प्रभावित हुए हैं और 8,94,211 लोग काल के गाल में समा चुके हैं। भारत इस महामारी के संक्रमण के मामले में दूसरे स्थान पर है, जहां पिछले 24 घंटों में बुधवार सुबह तक कोविड संक्रमण के एक लाख 72 हजार 433 नये मरीज सामने आये हैं। देश के कोरोना सक्रिय मामलों की कुल संख्या 15 लाख 33 हजार 921 हो गयी है। यह संक्रमित मामलों का 3.67 प्रतिशत है। दैनिक संक्रमण दर 10.99 प्रतिशत हो गयी है। अभी तक कुल तीन करोड़ 97 लाख 70 हजार 414 लोग कोविड से उबर चुके हैं। स्वस्थ होने की दर 95.14 प्रतिशत है। वहीं इस दौरान 1008 लोगों की मौत होने से मृतकों का आंकड़ा बढ़कर 4,98,983 हो गया है। देश में इस समय मृत्यु दर 1.19 प्रतिशत है। संक्रमण के मामले में ब्राजील तीसरे स्थान पर आ गया है। देश में अब तक 2.58 करोड़ से अधिक लोग कोरोना वायरस की जद में आ चुके हैं और यह वायरस अभी तक 6,29,301 लोगों की जान ले चुका है। फ्रांस संक्रमण के मामले में चौथे पायदान पर है। देश में अब तक करीब दो करोड़ से ज्यादा लोग इस जानलेवा वायरस से संक्रमित हो चुके हैं और 1,32,591 लोगों की मौत हुई है। कोरोना संक्रमण के मामले में ब्रिटेन पांचवें स्थान पर है, जहां अभी तक करीब 1.76 करोड़ लोग इस महामारी से प्रभावित हो चुके है जबकि मृतकों का आंकड़ा 1,57,938 तक पहुंच गया है। तुर्की ने कोरोना संक्रमण के मामले में रूस को पीछे छोड़ दिया है और यह छठे पायदान पर है, जहां अभी तक करीब 1,18,33,165 लोग संक्रमित हुए हैं और इस महामारी से 87,831 लोगों की जान जा चुकी है। रूस कोरोना संक्रमण के मामले में सातवें पायदान पर खिसक गया है। देश में इस महामारी से 1,19,36,064 लोग प्रभावित हो चुके हैं और अब तक 3,25,986 लोग जान गंवा चुके हैं। मृतकों के मामले में रूस चौथे स्थान पर है। इटली में संक्रमितों की कुल संख्या 1.23 करोड़ के पार पहुंच गयी है और यह आठवें स्थान पर है। देश में मृतकों का आंकड़ा 1,47,320 तक पहुंच गया है। स्पेन संक्रमितों के मामले में नौवें पायदान पर है जहां इस महामारी से अभी तक 10.12 लाख से अधिक लोग संक्रमित हो चुके हैं और 93,857 लोगों को जान से हाथ धोना पड़ा हैं।

चीन और पाकिस्तान के रिश्ते को साझेदारी कहना गलतः अमेरिका

न्यूयॉर्क।

अमेरिका का कहना है कि चीन और पाकिस्तान के आपसी रिश्ते को साझेदारी को नाम देना गलत है। अमेरिका के विदेश विभाग के प्रवक्ता से बुधवार को प्रेस ब्रीफिंग में एक पत्रकार ने सवाल पूछा कि क्या चीन के साथ मिलकर काम करने के पाकिस्तान के चुनाव के कारण उस अमेरिको द्वारा नजरअंदाज किया जा रहा है।

इस सवाल का जवाब देते हुए प्रवक्ता ने कहा, हमने हमेशा यही स्पष्ट किया है कि किसी भी देश के लिए अमेरिका और चीन में से किसी एक का चुनाव करने की जरूरत नहीं है। हमारा इरादा है कि हम देशों को विकल्प दें कि अमेरिका के साथ उनका रिश्ता कैसा दिखता है।

उन्होंने कहा कि पाकिस्तान अमेरिका का रणनीतिक साझेदार है और पाकिस्तान की सरकार के साथ अमेरिका महत्वपूर्ण रिश्ता है और इस रिश्ते का हम सभी मोर्चो पर सम्मान करते हैं।

प्रवक्ता ने कहा, अमेरिका के साथ साझेदारी से कई लाभ होते हैं, जो आमतौर पर देशों को नहीं मिल पाते , जब हम चीन के साथ साझेदारी -वैसे इसे साझेदारी कहना गलत होगा- की बात आती है। हम इस पाकिस्तान और चीन पर छोड़ देते हैं कि वे अपने संबंधों को लेकर क्या कहते हैं।

प्रवक्ता से जब यह पूछा गया कि भारत की लोकसभा में कांग्रेस पार्टी के नेता राहुल गांधी ने कथित बयान दिया है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की रणनीतिक भूल के कारण पाकिस्तान और चीन के बीच रिश्ता बना , तो उन्होंने कहा कि वे ऐसे बयान का समर्थन नहीं करते हैं।

11 आरोपियों के खिलाफ आरोप तय

ये आरोप लगे

- भारतीय दंड संहिता की धारा 147 (दंगा करने की सजा)
- 148 (दंगा, घातक हथियार से लैस)
- 380 (घर में चोरी)
- 427 (नुकसान पहुंचाने वाली शरारत)
- 436 (घर को नष्ट करने के इरादे से आग या विस्फोटक पदार्थ द्वारा शरारत)
- 149 (गैरकानूनी असेंबली) के तहत आरोप तय किए गए हैं

नई दिल्ली। उत्तर-पूर्वी दिल्ली में हुए दंगे के एक मामले में अदालत ने 11 आरोपियों के खिलाफ आरोप तय किए हैं। अदालत ने अपने फैसले में कहा कि बेशक आरोपी सीसीटीवी कैमरे में नहीं दिखाई दे रहे, लेकिन इसे आरोपियों को आरोपमुक्त करने का आधार नहीं बनाया जा सकता। अदालत ने यह भी कहा कि गवाहों ने प्रथमदृष्टया आरोपियों की पहचान की है।

कड़कड़डूमा स्थित अतिरिक्त सत्र न्यायाधीश वीरेंद्र भट्ट की अदालत ने मामले में आरोपियों के खिलाफ गवाहों के बयान दर्ज कराने की प्रक्रिया शुरू करने के निर्देश दिए हैं। अदालत ने कहा कि दो सार्वजनिक गवाहों और दो पुलिसकर्मियों ने आरोपियों की दंगाइयों के तौर पर पहचान की है। इस मामले में आरोपियों की तरफ से दलील दी गई थी कि समुदाय विशेष के जिस व्यक्ति की शिकायत पर यह मुकदमा दर्ज किया गया है, उसकी दुकान में लूट व आग की फुटेज रिकॉर्ड पर हैं। लेकिन, उन फुटेज में वे नहीं दिखाई दे रहे। साथ ही आरोपियों का यह भी कहना है कि शिकायत में उनके नाम नहीं हैं।

इस पर अदालत ने कहा कि चश्मदीद गवाह उन्हें पहचान रहे हैं। साथ ही अदालत ने कहा कि दंगों के दौरान का माहौल किसी को भी विचलित करने वाला था। ऐसे में तुरंत बाद दर्ज कराई गई प्राथमिकी में नाम न होना स्वाभाविक है लेकिन बाद में आरोपियों की पहचान हुई है। आरोपियों पर मुकदमा चलाने के लिए प्रथमदृष्टया ये साक्ष्य पर्याप्त हैं। सार्वजनिक गवाहों ने कहा कि सभी आरोपी व्यक्ति गैरकानूनी सभा के सदस्य थे, जिन्होंने गोकलपुरी क्षेत्र में तोड़फोड़ की थी और संपत्तियों को जला दिया था। आरोपियों ने शिकायतकर्ता की दुकान को भी लूट लिया, क्षतिग्रस्त किया और आग लगा दी।

उत्तरी दिल्ली नगर निगम ने ऑनलाइन डिजिटल भुगतान को बढ़ावा देने के लिए पेटीएम गेटवे का किया शुभारंभ

नई दिल्ली।

उत्तरी दिल्ली नगर निगम ने निगम सेवाओं के ऑनलाइन डिजिटल भुगतान को बढ़ावा देने के लिए पेटीएम गेटवे का शुभारंभ किया है। इस पहल से सेवाओं के ऑनलाइन डिजिटल भुगतान में पारदर्शिता आएगी और नागरिकों को सुविधा होगी।

इस अवसर पर उत्तरी दिल्ली नगर निगम के आयुक्त संजय गोयल, अतिरिक्त निदेशक (आईटी), सुश्री शशांका आला, पेटीएम अधिकारी और निगम के अन्य वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे।

उत्तरी दिल्ली नगर निगम के आयुक्त, संजय गोयल ने बताया कि उत्तरी दिल्ली नगर निगम द्वारा पेटीएम गेटवे प्लेटफॉर्म के माध्यम से नागरिकों को सबसे आसान तरीके से सुविधा प्रदान करने के लिए यह एक ऐतिहासिक पहल है। उन्होंने बताया कि इस पहल से डिजिटल माध्यम द्वारा भुगतान को बढ़ावा मिलेगा और नागरिक कहीं से भी निगम सेवाओं का भुगतान कर सकेंगे।

आयुक्त, संजय गोयल ने बताया कि नागरिक अपने बकाया संपत्ति कर का भुगतान पेटीएम गेटवे के माध्यम से कर सकते है और जल्द ही निगम की अन्य सेवाएं जैसे की जन्म व मृत्यु पंजीकरण, संपत्ति कर, ई-म्यूटेशन, हेल्थ ट्रेड, न्यू जनरल ट्रेड, फैक्ट्री लाइसेंस, पार्क व सामुदायिक भवनों की बुकिंग, तहबाजारी का नवीनीकरण का भुगतान पेटीएम गेटवे के माध्यम से सकेंगे ।

आयुक्त संजय गोयल ने बताया कि जल्द ही नागरिकों को पेटीएम एप्लीकेशन पर भी निगम की सेवाएं उपलब्ध होंगी। उन्होंने कहा कि पेटीएम की नागरिकों के बीच अच्छी पहुंच है और नागरिकों के लिए निगम सेवाओं का लाभ उठाना बहुत सुविधाजनक होगा।

आयुक्त, संजय गोयल ने बताया कि यह डिजिटल इंडिया कार्यक्रम की दिशा में उत्तरी दिल्ली के नागरिकों को डिजिटल माध्यम से निगम सेवाएं प्रदान करने की ओर एक कदम है।

रिहायशी इलाकों में शराब दुकाने सील करेंगे कार्यकर्ता : आदेश गुप्ता

नई दिल्ली। भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष आदेश गुप्ता ने कहा कि दिल्ली सरकार की नई आबकारी नीति के खिलाफ भारतीय जनता पार्टी का आंदोलन कारगर साबित रहा है। इसके परिणामस्वरूप निगम की ओर से 300 से अधिक शराब ठेकों को सील किया गया है। आदेश गुप्ता ने सरकार से कहा है कि कई ऐसे ठेके हैं जो रिहायशी इलाके, विद्यालय और मंदिर के नज़दीक खुले हैं, उन्हें 48 घंटों के अंदर बंद कर दिया जाए नहीं तो भाजपा कार्यकर्ता, निगम अधिकारियों सहित मैं स्वयं जाकर उन्हें सील करने का काम करूंगा। उन्होंने कहा कि केंद्रीय मंत्री स्मृति ईरानी की अगुवाई में शुक्रवार को एक विशाल वर्चुअल रैली प्रदेश भाजपा करने जा रही है। इसमें लगभग एक करोड़ लोग अलग-अलग सोशल मीडिया प्लेटफार्म से जुड़ेंगे। प्रदेश के 500 से अधिक स्थानों पर बड़ी एलईडी लगाई जाएगी, जहां प्रत्येक स्थान पर 250 से अधिक लोगों की उपस्थिति की उम्मीद है। आदेश गुप्ता ने कहा कि दिल्ली सरकार की नई आबकारी नीति के खिलाफ भाजपा लगातार आंदोलनरत है। उन्होंने कहा कि इससे युवा, महिला एवं समाज का हर वर्ग प्रभावित हो रहा है।

हवाईअड्डे पर 23 लाख की विदेशी मुद्रा के साथ दो गिरफ्तार

नई दिल्ली। दिल्ली हवाईअड्डे पर एक पिस्टल और 23 लाख की विदेशी मुद्रा के साथ दो लोग गिरफ्तार किए गए हैं। दिल्ली कस्टम विभाग ने अलग-अलग मामलों में यह गिरफ्तारी की है। एक आरोपी दुबई से एक पिस्टल और दो मैगजीन छिपाकर दिल्ली लाया था। वहीं, दूसरे मामले में यात्री बैग में विदेशी मुद्रा दुबई ले जाने की फिराक में था। इस बात की भी जांच हो रही है कि आरोपी पिस्टल लेकर टर्मिनल 3 तक कैसे पहुंच गया। कस्टम विभाग के मुताबिक, पहले मामले में 32 वर्षीय व्यक्ति उड़ान संख्या एफजेड-451 से दुबई से टर्मिनल-3 पहुंचा। वह पहले जेद्दाह से दुबई आया था। टर्मिनल- पर सुरक्षा जांच में उसके बैग से एक विदेशी पिस्टल और दो मैगजीन बरामद हुई। पूछताछ में वह संतोषजनक जवाब नहीं दे सका। वहीं, दूसरे मामले में एक व्यक्ति दुबई की उड़ान पकड़ने के लिए हवाईअड्डे पर पहुंचा। उसके संदिग्ध हावभाव देखकर सामान की गहना से जांच की गई तो बैग में बनी चोरी की जेब से 23.10 लाख की विदेशी मुद्रा बरामद हुई।

अपहरण कर नाबालिग छात्रा से दुष्कर्म

नई दिल्ली। आदर्श नगर इलाके में नाबालिग छात्रा से अपहरण कर दुष्कर्म का मामला सामने आया है। पीड़िता के गर्भवती होने पर घटना की जानकारी हुई। शिकायत मिलने पर बुधवार को पुलिस ने एफआईआर दर्ज कर ली है। जानकारी के अनुसार, 15 वर्षीय पीड़िता मुकुंदपुर इलाके में रहती है। पीड़िता ने बताया कि बीते साल वह स्कूल से बाहर ऑटो का इंतजार कर रही थी, तभी वैन आकर रुकी और एक शख्स ने लिफ्ट देने का प्रस्ताव दिया। पीड़िता वैन में बैठ गई और आरोपी उसे लेकर सुनसान इलाके में ले गया। वहां धमकी देकर दुष्कर्म किया। बाद में पीड़िता को मुकरबा चौक पर छोड़कर फरार हो गया। पीड़िता ने घटना की जानकारी परिजनों को नहीं दी। इस बीच मंगलवार रात को तबीयत खराब होने पर परिजन उसे बीजेआरएम अस्पताल में ले गए। मेडिकल जांच में पीड़िता के गर्भवती होने की पुष्टि हुई। पुलिस को जानकारी दी गई। पूछताछ में पीड़िता ने पूरा घटनाक्रम बयां किया। पुलिस ने दुष्कर्म, पोक्सो और अपहरण की धारा में मुकदमा दर्ज कर लिया है।

बुजुर्ग से पैसे ऐंठ पड़ोसी हुआ फरार

नई दिल्ली। बाहरी उत्तरी जिले के शाहबाद डेयरी इलाके में अकेले रहने वाले बुजुर्ग दंपत्ती से पड़ोस में रहने वाले व्यक्ति ने पहले उसका प्लॉट बिकवाया और फिर झांसा देकर उसको मुनाफे का लालच देकर 20 लाख रुपये ऐंठ लिये। पुलिस दंपति के बयान पर मामला दर्ज कर जांच कर रही है। पुलिस के मुताबिक शिकायतकर्ता बाबूराम ने पुलिस को बताया कि वह पत्नी के साथ सेक्टर-28 रोहिणी इलाके में रहता है।

कोविड-19: दिल्ली में आउटडोर गेम्स की अनुमति नहीं, डीडीएमए लेगी फैसला :हाईकोर्ट

विशाल

नई दिल्ली। दिल्ली हाईकोर्ट ने गुरुवार को कोविड-19 महामारी के बीच राष्ट्रीय राजधानी में आउटडोर खेल गतिविधियों की अनुमति देने से इनकार कर दिया। अदालत ने कहा कि दिल्ली आपदा प्रबंधन प्राधिकरण को अपना काम करने दिया जाना चाहिए। न्यायमूर्ति वी कामेश्वर ने कहा कि जब डीडीएमए 4 फरवरी को अपनी बैठक आयोजित करने वाली थी तो याचिका को जारी रखने का कोई कारण नहीं था। न्यायाधीश ने यह भी कहा कि मॉल और सिनेमा हॉल के प्रतिबंध हटाने की तुलना वर्तमान मामले में मांगी गई प्रार्थना से नहीं की जा सकती।

अदालत ने कहा कि याचिकाकर्ता खेलना चाहता है। मॉल आदि से की जाने वाली तुलना को एक अलग दृष्टिकोण से देखा जाना चाहिए। वे रोजगार के स्रोत हैं। याचिकाकर्ता टेनिस खेलना चाहता है। आप इसे उस दृष्टिकोण से नहीं देखे सकते। वे जीविका देते हैं और संलग्न लोगों को रोजगार। अदालत ने कहा कि डीडीएमए इस पर गौर कर रहा है और आउटडोर खेल गतिविधियों की अनुमति देने का निर्देश याचिकाकर्ता के इशारे पर नहीं हो सकता। अदालत ने याचिका को बंद करते हुए कहा कि याचिकाकर्ता को भविष्य में अपनी शिकायतों को लेकर आंदोलन करने का अधिकार होगा।

दिल्ली सरकार के वकील सत्यकाम ने तर्क दिया कि आउटडोर खेल गतिविधियों की अनुमति देने का मुद्दा डीडीएमए पर छोड़ दिया जाना चाहिए जिसकी 4 फरवरी को बैठक होनी है। उन्होंने कहा कि डीडीएमए दिल्ली में कोविड-19 के प्रबंधन के संबंध में कई मापदंडों और सामग्री के आधार पर निर्णय लेने के लिए नियमित रूप से बैठक करते हैं।

वहीं, याचिकाकर्ता के वकील अतुल सिंह ने तर्क दिया कि ऐसा कोई कारण नहीं है कि जब सिनेमा हॉल, मॉल, रेस्तरां आदि को 50 प्रतिशत क्षमता पर संचालित करने की अनुमति दी गई तो आउटडोर नो-कॉन्टैक्ट स्पोर्ट्स गतिविधि की अनुमति नहीं दी जा सकती। उन्होंने कहा कि कोरोना मामलों की संख्या में गिरावट के साथ-साथ सकारात्मकता दर और आउटडोर खेलों पर प्रतिबंध से कई खिलाड़ी प्रभावित हुए हैं।

महाराष्ट्र के पूर्व गृहमंत्री के वकील को जमानत मिली

नई दिल्ली। महाराष्ट्र के पूर्व गृह मंत्री अनिल देशमुख के वकील आनंद डागा को पूर्व गृह मंत्री के खिलाफ चल रही जांच में संवेदनशील दस्तावेज लीक करने के मामले में अदालत ने जमानत दे दी है। राउज एवेन्यू स्थित विशेष न्यायाधीश संजीव अग्रवाल की अदालत ने इस मामले के सह आरोपी वैभव गजेन्द्र तुमाने को भी जमानत दे दी है।

अदालत ने इन दोनों आरोपियों को एक-एक लाख रुपये के निजी मुचलके एवं इतने ही रुपये मूल्य के जमानती के आधार पर जमानत दी है।

इस मामले में दिल्ली उच्च न्यायालय ने पूर्व में डागा को जमानत देने से इनकार कर दिया था। लेकिन अब विशेष न्यायाधीश ने डागा को जमानत देते हुए कहा कि वह पिछले पांच महीने से न्यायिक हिरासत में जेल में हैं। अब उसके पास जमानत पाने के नए आधार हैं। जिन पर विचार करते हुए डागा व गजेन्द्र को जमानत दी गई है। अदालत ने कहा कि इस मामले में आरोप पत्र दायर किया जा चुका है। तीन महीने से अधिक का समय निकल गया है। अगर जांच एजेंसी को इस मामले में आगे की जांच करनी है तो इसके लिए आरोपी को जेल में रखने की आवश्यकता नहीं है।

मुंबई में एक मजिस्ट्रेट की अदालत के समक्ष पेश किए जाने के बाद डागा को ट्रांजिट रिमांड पर ले दिल्ली की अदालत में पेश किया गया था। पहले इन आरोपियों को रिमांड पर लिया गया। इसके बाद से आरोपी न्यायिक हिरासत में जेल में हैं। इससे पहले सीबीआई के विशेष न्यायाधीश विमल कुमार यादव ने भी आरोपी वकील डागा जमानत अर्जी खारिज कर दी थी।

इस मामले में प्राथमिकी दर्ज की गई थी। इसमें आरोप लगाया गया कि उन्होंने अनुचित लाभ और अवैध संतुष्टि के बदले आनंद डागा ने संवेदनशील और गोपनीय दस्तावेजों का खुलासा करने के उद्देश्य से एक आपराधिक साजिश रची थी। इस मामले में डागा समेत अन्य पर आपराधिक साजिश, भ्रष्टाचार अधिनियम की विभिन्न धाराओं एवं अन्य आरोपों के तहत मामला दर्ज किया गया है।

कस्तूरबा नगर गैंगरेप केस को सांप्रदायिक रंग देने की कोशश

पीड़िता के घर की दीवार पर लिखे भड़काऊ नारे

नई दिल्ली । राजधानी दिल्ली के कस्तूरबा नगर इलाके में महिला के साथ हुई हैवानियन के मामले को सांप्रदायिक रंग में बदलने की कोशिश की जा रही है। एक विशेष समुदाय के कुछ लोगों ने पीड़िता के घर की दीवार पर भड़काऊ बातें लिखी। इनमें पंजाब में लगभग चार दशक पहले मारे गए एक चरमपंथी के नाम का भी उल्लेख किया गया था। इस घटना के बाद हरकत में आई पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर आरोपियों की तालश में जुट गई है।

पुलिस के मुताबिक एक लड़की के साथ सेकुलुअल हरासमेंट की घटना के बाद इलाके में फोर्स मौजूद थी। सोमवार रात कुछ लोग पीड़िता के घर मिलने की बात बोलकर पुलिस से पहले इजाजत ली फिर उसके घर गए। पीड़िता से मिलकर आने के बाद उन लोगों ने दीवार पर भिंडरवाला लिखकर सांप्रदायिक माहौल बिगाड़ने की कोशिश की। इतना ही नहीं उन लोगों ने नारेबाजी भी की।

सूचना मिलते ही हकरत में आई विवेक विहार थाने की पुलिस ने नारेबाजी करने और दीवार पर लिख आपराधिक साजिश के तहत सांप्रदायिक सौहार्द बिगाड़ने, धार्मिक भावनाएं भड़काने और दंगे की कोशिश के तहत आईपीसी की धारा 153, 153ए, 120बी और 506 के तहत मुकदमा दर्ज किया है।

पुलिस ने बताया कि पीड़िता के घर की दीवार के बाहर पंजाबी में भड़काऊ बातें लिखी थीं। विवेक विहार थाने में पंजाबी की समझ रखने वाले सिपाही को बुलवाया गया। पुलिसकर्मी ने पढ़कर बताया कि दीवार पर लिखे गए नारों की भाषा बेहद आपत्तिजनक है और सांप्रदायिक माहौल बिगाड़ने वाली है।

इस हैवानियत के मामले में पुलिस ने अब तक 13 लोगों को गिरफ्तार किया है जिसमें से 12 महिलाएं शामिल है। इसके अलावा तीन नाबालिक को भी हिरासत में लिया गया है। पुलिस वीडियो और सीसीटीवी से जांच कर बाकी लोगों की पहचान करने की प्रयास कर रही है।

पूर्वी दिल्ली नगर निगम ने बनाई सेल्युलर ऑन व्हील नीति

150 सेल्युलर ऑन व्हील्स लगाकर मोबाइल इंटरनेट कनेक्टिविटी की जायेगी बेहतर

नई दिल्ली। पूर्वी दिल्ली के महापौर, श्याम सुंदर अग्रवाल ने जानकारी देते हुए बताया कि पूर्वी दिल्ली नगर निगम ने उत्तरी दिल्ली नगर निगम के तर्ज पर सेल्युलर ऑन व्हील पॉलिसी को अंतिम रूप दे दिया है। पूर्वी दिल्ली के महापौर ने बताया यह पूर्वी दिल्ली नगर निगम क्षेत्राधिकार में मोबाइल इंटरनेट कनेक्टिविटी को बेहतर रूप से बढ़ाया जा सकेगा और इससे पूर्वी दिल्ली नगर निगम के राजस्व में भी वृद्धि होगी। महापौर ने बताया कि इसके तहत पूर्वी दिल्ली नगर निगम क्षेत्राधिकार में 150 सेल्युलर ऑन व्हील्स लगाये जायेंगे जिससे पूर्वी निगम को लगभग 13 करोड़ रुपये की वार्षिक आय प्राप्त होगी।

निगमायुक्त, विकास आनंद ने बताया कि सेल्यूलर फोन कॉल करते समय खराब सिग्नल तथा कॉल ड्रॉप के संबंधित शिकायतें प्राप्त हो रही हैं। इमारत की छत पर सेलुलर टावरों को स्थापित करने के परिणामस्वरूप भी खराब सिग्नल होते हैं। उन्होंने कहा कि क्षेत्र में जहां खराब सिग्नल की शिकायतें प्राप्त हो रही है वहां सेल्युलर ऑन व्हील्स स्थापित किया जा सकता है। निगमायुक्त ने बताया गाय एक अस्थायी व्यवस्था है जिसे सार्वजनिक स्थान यानी बाजार, पार्क, सड़क के किनारे, पार्किंग क्षेत्र और विभाग परिसर में खुले स्थान पर स्थापित किया जा सकता है जहां कनेक्टिविटी की समस्या है।

इग्नू ने खाद्य सुरक्षा और गुणवत्ता प्रबंधन में शुरू किये तीन नए पाठ्यक्रम

कुलदीप त्यागी

नई दिल्ली। इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त (इग्नू) ने जनवरी, 2022 से शुरू होने वाले नये सत्र के लिए खाद्य सुरक्षा और गुणवत्ता प्रबंधन में एमएससी (एमएससीएफएसक्यूएम), कृषि व्यवसाय में स्नातकोत्तर डिप्लोमा (पीजीडीएबी), और बागवानी में डिप्लोमा (डीएचओआरटी) पाठ्यक्रम शुरू किए हैं।

इग्नू ने गुरुवार को बताया कि विश्वविद्यालय के कृषि विद्यालय ने तीन पाठ्यक्रम शुरू किए हैं। इनमें मास्टर डिग्री कार्यक्रम, पीजी डिप्लोमा स्तर और एक डिप्लोमा अर्थात खाद्य सुरक्षा और गुणवत्ता प्रबंधन में एमएससी, कृषि व्यवसाय में स्नातकोत्तर डिप्लोमा (पीजीडीएबी), और बागवानी में डिप्लोमा शामिल है।

खाद्य सुरक्षा और गुणवत्ता प्रबंधन में एमएससी

इग्नू वर्तमान में खाद्य सुरक्षा और गुणवत्ता प्रबंधन (पीजीडीएफएसक्यूएम) कार्यक्रम (एपीडा, भारत सरकार के वित्तीय और तकनीकी समर्थन के साथ विकसित) में पीजी डिप्लोमा की पेशकश कर रहा है जिसे खाद्य सुरक्षा और गुणवत्ता प्रबंधन कार्यक्रम में एमएससी में अपग्रेड किया जा रहा है और इसे दूरस्थ शिक्षा मोड के माध्यम से पेश किया जाएगा।

इस पाठ्यक्रम की अवधि न्यूनतम 2 वर्ष और अधिकतम 4 वर्ष होगी। प्रवेश के लिए पात्रता मानदंड- एक विषय के रूप में रसायन विज्ञान/ जैव रसायन या सूक्ष्म जीव विज्ञान के साथ विज्ञान में स्नातक अथवा स्नातकोत्तर अनिवार्य है। इसका उद्देश्य पेशेवरों के बीच एक सकारात्मक और अनुशासित खाद्य सुरक्षा संस्कृति का पोषण करना तथा खाद्य सुरक्षा के उभरते मुद्दों और विज्ञान आधारित नियामक ढांचे के निर्माण पर अनुसंधान अध्ययन करना है।

कृषि व्यवसाय में स्नातकोत्तर डिप्लोमा (पीजीडीएबी)

कृषि निर्वाह खेती से व्यावसायिक गतिविधि में स्थानांतरित हो रही है। बदलते कारोबारी माहौल, देश की सामाजिक-अर्थव्यवस्था और वैश्विक परिदृश्य के कारण कृषि क्षेत्र में नए अवसर खुल रहे हैं। कृषि उत्पादन को खपत के साथ आर्थिक-पर्यावरण संतुलन से जोड़ने के लिए जिम्मेदार मानव संसाधनों की क्षमताओं और क्षमता पर एक अद्वितीय मांग है। इसे ध्यान में रखते हुए, कृषि विद्यालय कृषि व्यवसाय में पीजी डिप्लोमा (पीजीडीएबी) कार्यक्रम विकसित कर रहा है। इस कार्यक्रम का उद्देश्य कृषि, खाद्य और संबद्ध क्षेत्रों में कृषि व्यवसाय पेशेवरों को विकसित करना है। इसमें प्रवेश के लिए किसी भी विषय में स्नातक होना अनिवार्य है।

बागवानी में डिप्लोमा

बागवानी कृषि की सबसे महत्वपूर्ण शाखाओं में से एक है और विभिन्न छात्रों को सीधे रोजगार प्रदान करती है। वागवानी में डिप्लोमा कार्यक्रम कृषि किसान कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार की वित्तीय सहायता से विकसित किया गया है। इसका उद्देश्य माध्यमिक उत्तीर्ण छात्रों को बागवानी के बारे में शिक्षित करना और बागवानी के क्षेत्र में पर्यवेक्षक, बागवानों, उद्यमियों और मध्यम तकनीशियनों में मानव संसाधन का निर्माण करना है। इसके लिए योग्यता 10 2 या समकक्ष है। कोर्स की अवधि न्यूनतम 1 वर्ष और अधिकतम 3 वर्ष है।

दिल्ली सरकार को शैक्षणिक संस्थानों, जिम सहित बाजारों से नाईट कर्फ्यू से पांबदी हटाकर दिल्ली वालों को राहत देनी चाहिए : चौ. अनिल कुमार

नई दिल्ली। दिल्ली प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष चौ. अनिल कुमार ने कहा कि कोविड की मार झेल रही राजधानी के निवासियों की सजगता और कोविड प्रोटोकॉल का पालन करने के कारण ही दिल्ली में कोविड संक्रमण के मामले कम हो रहे है और कल की संक्रमण दर 4.73 प्रतिशत रह गई। प्रदेश अध्यक्ष ने कहा कि कल 4 फरवरी को डीडीएमए की बैठक में उपराज्यपाल सहित मुख्यमंत्री अरविन्द केजरीवाल को दिल्ली के लोगों की सुगम जीविका चलाने के लिए विशेष राहत देने का फैसला लेना चाहिए।

चौ. अनिल कुमार ने मांग कि अरविन्द केजरीवाल चुनावी राज्यों के कार्यक्रम से समय निकालकर दिल्लीवालां के लिए अपने मुख्यमंत्रीत्व की जिम्मेदारी निभाने के लिए डीडीएमए की बैठक में शामिल हों। उन्होंने कहा कि डीडीएमए एक्ट के तहत महामारी के कारण बंद रहे बाजारों, संस्थानों को आर्थिक मदद देने का प्रावधान है। दिल्ली सरकार इन व्यापारियों, दुकानदारों, संस्थानों और छोटे उद्योगों से जुड़े कारोबारियों को आर्थिक राहत प्रदान करे।

प्रदेश अध्यक्ष ने कहा कि दिल्ली में कोविड के कारण लगी पांबदियों से असंख्य लोग प्रभावित हैं तथा पिछले 2 वर्षों में सबसे अधिक नुकसान स्कूल और कॉलेज के छात्रों की पढ़ाई का हुआ है। चौ. अनिल कुमार ने कहा कि कल डीडीएम की बैठक में मुख्यमंत्री और उपराज्यपाल दिल्ली के छात्रों के शैक्षणिक नुकसान व जिम के व्यवसाय से जुड़े लोगों सहित बाजारों को अधिक समय तक खोलने की इजाजत देकर राहत प्रदान करनी चाहिए। उन्होंने कहा कि स्कूल, कॉलेजों को चरणबद्ध खोलने की शुरुआत करके उच्चतर कक्षाओं के लिए स्कूल खोलने की इजाजत मिलनी चाहिए। उन्होंने कहा कि प्रतियोगी शैक्षणिक इंस्टीट्यूट को भी खोलने की इजाजत मिलनी चाहिए।

चौ. अनिल कुमार ने कहा कि दिल्लीवालों के हितों को ध्यान में रखकर हमेशा दिल्ली सरकार को बाध्य किया है और कोविड संक्रमण में बिगड़ती स्थिति के समय सर्वदलीय बैठक की मांग की थी, जिसके बाद दवाब में आकर केजरीवाल सरकार ने टेस्टिंग में बढ़ोत्तरी की और अस्पतालों में मरीजों का इलाज प्रमुखता से किया गया। उन्होंने कहा कि कांग्रेस पार्टी के दवाब के बाद ही पिछली बैठक में वीकेंड कर्फ्यू, बाजारां में ऑड-ईवन नियम खत्म करने और 50 प्रतिशत क्षमता के साथ रेस्टोरेंट और सिनेमा हॉल खोलकर दिल्ली वालों को राहत मिली थी। चौ. अनिल कुमार ने कहा कि मेट्रो और बसों में 100 प्रतिशत सिटिंग क्षमता के चलाने की इजाजत भी दिल्ली कांग्रेस के प्रयासों के बाद मिली थी।

सम्पादकीय

निर्गुण और सगुण दोनों ही

डॉ. वेदप्रताप वैदिक

इस साल का जो बजट पेश किया गया है, उसे भाजपा के नेता अगले 25 साल और 100 साल तक के भारत को मजबूत बनानेवाला बजट बता रहे हैं और विपक्षी नेता इसे बिल्कुल बेकार और निराशाजनक घोषित कर रहे हैं।

वैसे जब इस बजट को वित्तमंत्री निर्मला सीतारमण संसद में पेश कर रही थीं तो उनके भाषण को सुननेवाले लोगों को, खासतौर से सामान्य लोगों को लग रहा था कि इस बजट में उनके लिए कुछ नहीं है। सरकार ने न तो रोजमर्रा के इस्तेमाल की कुछ न कुछ चीज़ों को सस्ता करने की घोषणा की है, न आयकर को घटाकर मध्यम वर्ग को कोई राहत दी है और न ही आम लोगों को कुछ मुफ्त सुविधाओं की घोषणा की है। जैसा कि पिछले बजटों के समय जबर्दस्त नौटंकियां होती थीं, वैसी इस बार बिल्कुल भी दिखाई नहीं पड़ीं।

कुल मिलाकर यह बजट निर्गुण निराकार-सा लगता रहा लेकिन जब इसके सारे आंकड़े अलग से विस्तारपूर्वक सामने आए और टीवी चैनलों पर तरह-तरह की बहसें सुनीं तो लगा कि इस बजट में बुनियादी सुधार के कई ऐसे कदम उठाए गए हैं, जिन्हें सरकार के द्वारा जनता को सरल भाषा में अच्छी तरह समझाना होगा। सबसे बड़ी बात तो यह है कि इस बजट में कहीं भी ऐसी झलक नहीं है कि इसका पांच राज्यों के चुनाव से कुछ संबंध है। हर व्यक्ति यह सोच रहा था कि इन पांचों राज्यों के चुनाव में जीत हासिल करने के लिए सरकार इस बजट का इस्तेमाल जरूर करेगी।

सच पूछा जाए तो किसानों और मध्यम वर्ग के व्यापारियों और नौकरीपेशा लोग तो इस बजट से निराश हुए। बड़ी-बड़ी कंपनियां जरूर खुश हुई होंगी कि उनके टैक्स में कटौती हुई है लेकिन सरकार ने जो सपने इस बजट में दिखाए हैं, यदि वह इन्हें ठोस रूप दे सकी तो लोक कल्याण काफी हद तक बढ़ेगा। जैसे वह 60 लाख नए रोजगार देगी, 400 नई रेलें चलाएगी, सारे गंगातटीय प्रदेशों में जैविक खेती को बढ़ावा देगी, 80 लाख मकान गरीबों को देगी, 200 नए टीवी चैनलों द्वारा मातृभाषा के जरिए शिक्षा का प्रसार करेगी, लगभग 4 करोड़ घरों में नलों द्वारा शुद्ध जल पहुंचाएगी, पांच नदियों को जोड़ेगी, 25000 किमी की नई सड़कें बनाएगी, लघु-उद्योगों के प्रोत्साहन में सवा दो लाख करोड़ रु. लगाएगी।

इस तरह की घोषणाएं सुनने में तो अच्छी लगती हैं लेकिन इन पर भरोसा तभी होगा जबकि लोगों को इनके ठोस फायदे मिलने लगेंगे। कोरोना महामारी ने करोड़ों लोगों को बेरोजगार किया है और करोड़ों की आमदनी आधी रह गई है, महंगाई ने लोगों की कमर तोड़ दी है। ऐसी हालत में अगर इस बजट में आम लोगों को तात्कालिक राहत के कुछ संदेश मिलते तो उसका श्रेय सरकार को भी जरूर मिलता। भारत के लिए 25 और 100 साल के विकास की बात कही गई है लेकिन इस बजट में देश की शिक्षा और चिकित्सा यानी मन और तन के सुधार के लिए कोई बुनियादी क्रांतिकारी पहल होती तो यह सचमुच अन्य बजट से बेहतर और एतिहासिक भी कहलाता।

बुंदेलखंड के सुधरेंगे दिन

सिद्धार्थ शंकर

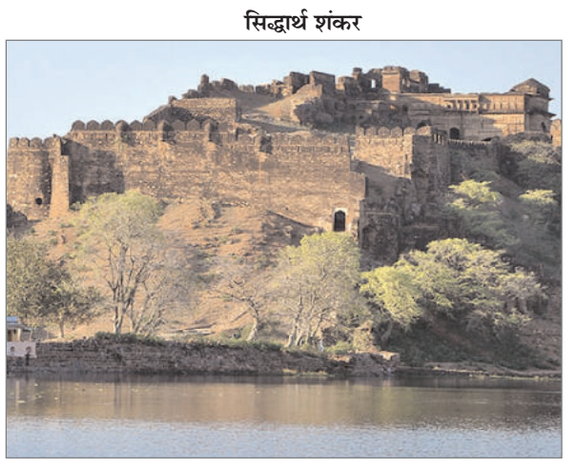

आम बजट 2022-23 में मध्यप्रदेश को केन-बेतवा लिंक के लिए काफी कुछ मिला है। प्रोजेक्ट पर कुल 44 हजार करोड़ रुपए खर्च होंगे। 1400 करोड़ रुपए दे दिए गए। मध्यप्रदेश और उत्तरप्रदेश के 13 जिलों को इस प्रोजेक्ट से फायदा होगा। कटनी-पन्ना और छतरपुर जिलों में बहने वाली केन नदी 427 किलोमीटर का सफर तय कर उत्तर प्रदेश के बांदा जिले के पास यमुना नदी में गिरती है। रायसेन के पास से निकली बेतवा नदी 576 किलोमीटर का सफर तय करती हुई उत्तर प्रदेश के हमीरपुर के पास यमुना नदी में मिलती है। केन-बेतवा लिंक प्रोजेक्ट के तहत ढोढन (पन्ना) में डैम बनाकर केन के पानी को रोका जाएगा। यहां से 220.624 किमी की नहर बनाकर केन का पानी बरुआसागर (झांसी, यूपी) से निकली बेतवा नदी में छोड़ा जाएगा। इसमें 2 किमी लंबी सुरंग भी बनाई जाएगी। बजट पर देशवासियों से बात करते हुए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भी कहा कि आम बजट में केन बेतवा लिंक परियोजना में मिलने वाली राशि से मध्य प्रदेश के बुंदेलखंड के खेतों में हरियाली आएगी और पलायन रुकेगा। मोदी ने यह बात बजट को लेकर भाजपा कार्यकर्ताओं को वीडियो कांफ्रेंसिंग के जरिये अपने संबोधन में केन बेतवा लिंक परियोजना को बुंदेलखंड के लिए महत्वपूर्ण बताया। पीएम मोदी ने कहा कि केन बेतवा लिंक परियोजना मध्य प्रदेश और उत्तर प्रदेश के बुंदेलखंड क्षेत्र के लिए बेहद महत्वपूर्ण साबित होगी। उन्होंने कहा कि अभी एमपी-यूपी के लोग काम की तलाश में गुजरात, महाराष्ट्र, तमिलनाडु व केरल तक जाते हैं। मगर केन बेतवा लिंक परियोजना की वजह से अब इन लोगों को पलायन करने की जरूरत नहीं होगी। इस परियोजना से किसानों को भरपूर पानी मिलेगा। इससे किसानों को इधर-उधर भटकने की जरूरत नहीं होगी। उल्लेखनीय है कि आम बजट में केन बेतवा लिंक परियोजना के लिए मध्य प्रदेश को 900 करोड़ रुपए देने का प्रावधान किया गया है तो यूपी को 500 करोड़ मिलेंगे। करीब 42 साल पुरानी केन बेतवा लिंक परियोजना ने अब आकार लेना शुरू किया है। नदी जोड़ो अभियान में यह परियोजना बुंदेलखंड के सूखे की स्थिति को दूर करने में मील का पत्थर साबित हो सकती है। केंद्र सरकार ने नदियों को जोड़ने के लिए नेशनल पर्सपेक्टिव प्लान बनाया था। केन-बेतवा लिंक परियोजना प्लान का पहला प्रोजेक्ट है। केन नदी का पानी बेतवा नदी में ट्रांसफर किया जाएगा। दोनों नदियों को जोड़ने के लिए 220.624 किमी लंबी केन-बेतवा लिंक नहर बनाई जाएगी। मध्यप्रदेश के जिले पन्ना, टीकमगढ़, छतरपुर, सागर, दमोह, दतिया, विदिशा, शिवपुरी, रायसेन और उत्तर प्रदेश के जिले बांदा, महोबा, झांसी, ललितपुर को इससे फायदा होगा। जल शक्ति मंत्रालय के अनुसार, केन-बेतवा लिंक से सालाना 10.62 लाख हेक्टेयर जमीन की सिंचाई हो सकेगी। 62 लाख लोगों को पीने का पानी भी मिलेगा। 103 मेगावाट हाइड्रो पावर और 27 मेगावाट की क्षमता वाला सोलर प्लांट भी बनाया जाएगा। केन-बेतवा लिंक परियोजना में 2 बिजली प्रोजेक्ट भी प्रस्तावित हैं, जिनकी कुल स्थापित क्षमता 72 मेगावॉट है। प्रोजेक्ट के पहले चरण में केन नदी पर ढोडन् गांव के पास बांध बनाकर पानी रोका जाएगा। यह पानी नहर के जरिए बेतवा नदी तक पहुंचाया जाएगा। दूसरे चरण में बेतवा नदी पर विदिशा जिले में 4 बांध बनाए जाएंगे। बेतवा की सहायक बीना नदी (सागर) और उर नदी (शिवपुरी) पर भी बांधों का निर्माण किया जाएगा। केन बेतवा लिंक परियोजना से सबसे ज्यादा फायदा बुंदेलखंड क्षेत्र को होगा। सरकार सूखाग्रस्त बुंदेलखंड क्षेत्र में पानी की समस्या दूर करने की योजना बना रही है। बुंदेलखंड क्षेत्र यूपी और मप्र में फैला हुआ है। केन बेतवा इंटरलिंक प्रोजेक्ट की मदद से बुंदेलखंड में सिंचाई, पीने के पानी की कमी दूर हो सकेगी।

बंजर व अनुपयोगी भूमि पर बिजली की खेती

डॉ. राजेन्द्र प्रसाद शर्मा

बंजर या अनुपयोगी भूमि पर बिजली की खेती अजीब अवश्य लग रही है पर सरकार की इस योजना में राजस्थान लीड़र प्रदेश बनता जा रहा है। रेगिस्तानी प्रदेश होने से बंजर और अनुपयोगी भूमि की प्रदेश में अधिकता है।

यह बंजर और बेकार भूमि बिजली उत्पादन करने लगे और उत्पादित बिजली की खरीद भी 25 साल के लिए तय हो जाए तो काश्तकार के लिए इससे अच्छी बात क्या हो सकती है? इससे जहां अनुपयोगी भूमि से बिजली निकलने लगेगी तो सरकार को भी सस्ती दर पर बिजली मिलेगी और काश्तकार की भी निश्चित आय सुनिश्चित हो सकेगी।

राजस्थान सोलर एनर्जी उत्पादन के लिए अनुकूल प्रदेशों में प्रमुख प्रदेश है। इसमें कोई दो राय नहीं कि प्रधानमंत्री किसान ऊर्जा सुरक्षा एवं उत्थान महाअभियान यानी कुसुम योजना प्रदेश के बंजर और खेती योग्य भूमि नहीं होने की स्थिति से यह भूमि भी बिजली के उत्पादन के लिए उपजाऊ हो गई है। दरअसल केन्द्र सरकार ने कुसुम योजना के तीन कंपोनेंट बनाए हैं और तीनों ही कंपोनेंट किसानों से जुड़े होने के साथ ही उनके लिए लाभकारी भी हैं। कुसुम ए कंपोनेंट तो पूरी तरह से अन्नदाता की अनुपयोगी भूमि को नियमित आय का साधन बनाने का माध्यम है।

केन्द्र सरकार की इस योजना को राजस्थान ने हाथों-हाथ लिया है। इस योजना के क्रियान्वयन में सबसे बड़ी बाधा ऐसी भूमि पर सोलर प्लांट लगाने पर आने वाले खर्च के लिए ऋण की सहज उपलब्धता नहीं होना रहा है। किसान के पास अगर इतना पैसा नहीं तो बंजर भूमि से आय भी नहीं। ऐसे में योजना के सफल क्रियान्वयन के लिए वित्तपोषण पहली आवश्यकता महसूस की जाती रही है। इस मुद्दे को प्रभावी तरीके से विभिन्न स्तरों पर उठाया भी गया पर खास परिणाम प्राप्त नहीं हो सके। अब राजस्थान के मुख्यमंत्री अशोक गहलोत की मंशा और अक्षय ऊर्जा निगम के सीएमडी व राज्य के एसीएस एनर्जी डॉ. सुबोध अग्रवाल के सीधे वित्तदायी बैंकर्स से संवाद कायम करने से सकारात्मक हल निकल सका है। बैंकों से सहमति के अनुसार किसानों को कुसुम योजना के कंपोनेंट ए के तहत बंजर व बेकार भूमि पर आधा किलोवाट से 2 मेगावाट तक के सोलर प्लांट लगाने के लिए बिना कोलेटरल सिक्योरिटी के ऋण मिल सकेगा।

राजस्थान के अतिरिक्त मुख्य सचिव ऊर्जा डॉ. सुबोध अग्रवाल बैंकों को यह समझाने में सफल रहे कि इस योजना में वित्त पोषण में बैंकों को किसी तरह का जोखिम नहीं है। सीधी बात है कि बंजर भूमि में लगे सोलर प्लांट से बिजली का उत्पादन होगा। उत्पादित बिजली सीधे ग्रीड में जाएगी। संबंधित ग्रीड द्वारा 25 साल तक 3 रु.14 नए पैसे प्रति यूनिट की दर से काश्तकार को भुगतान किया जाएगा। बैंकों से संवाद में यह तय हो सका कि एस्क्रो खाते के माध्यम से भुगतान प्रक्रिया होगी जिससे डिस्काम द्वारा खरीदी गई बिजली का भुगतान सीधे काश्तकार के बैंक के ऋण खाते में किस्त के रूप में और शेष राशि काश्तकार के खाते में जमा हो सकेगी। इससे बैंक की किस्त भी समय पर जमा होना सुनिश्चित हो सकेगा और काश्तकार को भी भुगतान प्राप्त हो सकेगा।

यह सही है कि कुसुम ए योजना के क्रियान्वयन में समूचे देश में राजस्थान पहले स्थान पर होने के बावजूद बैंकों से ऋण मिलने में आ रही दिक्कतों के कारण यह योजना अधिक गति नहीं पकड़ पा रही थी। अभी तक इस योजना में राजस्थान में 14 संयंत्र स्थापित हो चुके हैं। अक्षय ऊर्जा निगम के पास 722 मेगावाट क्षमता स्थापना के 623 आवेदन प्राप्त हो चुके हैं।

अर्थव्यवस्था को मजबूती देने वाला संतुलित बजट

योगेश कुमार गोयल

सबसे लंबा बजट भाषण देने, परम्परा में बदलाव और पेपरलेस बजट जैसे कई रिकॉर्ड कायम करने के बाद वित्तमंत्री निर्मला सीतारमण ने वित्त वर्ष 2022-23 के लिए एक फरवरी को अपना चौथा आम बजट पेश किया।

यह बजट मोदी सरकार का दसवां और केन्द्र सरकार के मौजूदा कार्यकाल का चौथा बजट था। इस बजट पर पूरे देश की नजरें केन्द्रित थी क्योंकि आम आदमी को इस बजट से ढ़ेर सारी उम्मीदें थी। दरअसल माना जा रहा था कि पांच राज्यों के विधानसभा चुनावों के मद्देनजर बजट में आम जनता के लिए राहतों का पिटारा खोला जाएगा लेकिन आमजन को बजट से निराशा ही हाथ लगी है।

हालांकि बजट में रेलवे से लेकर कृषि तथा सड़क-परिवहन से लेकर रक्षा क्षेत्र के लिए कई महत्वपूर्ण घोषणाएं की गई हैं लेकिन आम लोगों के हाथ कुछ खास नहीं आया है। इस बजट में युवाओं के लिए 60 लाख नौकरियों के लिए अवसर तैयार करने का वादा तो किया गया है लेकिन बेरोजगारी तथा महंगाई को लेकर कोई ठोस घोषणा नजर नहीं आती। सत्तारूढ़ दल से जुड़े लोग जहां इसे %आत्मनिर्भर भारत का बजट% करार दे रहे हैं और वित्तमंत्री निर्मला सीतारमण ने केन्द्रीय बजट को अमृत काल के अगले 25 वर्षों का ब्लू प्रिंट बताया है, वहीं समूचा विपक्ष आम बजट की आलोचना करते हुए इसे बेहद निराशाजनक करार दे रहा है। हालांकि कुछ आर्थिक जानकारों का यही मानना है कुल मिलाकर यह एक संतुलित बजट है।

इस बार के बजट से लोगों की उम्मीदें इसलिए भी ज्यादा थी क्योंकि पांच राज्यों में चुनावी प्रक्रिया शुरू हो रही है और इसलिए माना जा रहा था कि बजट पर कहीं न कहीं चुनावी छाप अवश्य दिखाई देगी लेकिन वास्तव में ऐसा कुछ नहीं हुआ। दरअसल गत वर्ष पश्चिम बंगाल सहित पांच राज्यों के चुनावों से पहले पेश बजट में कई बड़ी-बड़ी परियोजनाओं की घोषणा हुई थी। वैसे जानकारों का मानना है कि चूंकि विगत डेढ़ दशकों में बजट पेश करने के बाद कुल 42 बार राज्यों के चुनाव हुए लेकिन हर बार सत्तारूढ़ दल को बजट में लोकलुभावन घोषणाएं करने के बाद भी चुनावों में उसका लाभ नहीं मिला। संभवतः इसी को देखते हुए इस बार के बजट में आसन्न विधानसभा चुनावों की छाया नहीं दिखाई दी।

पिछले 15 वर्षों में बजट के बाद उत्तर प्रदेश, उत्तराखंड, पंजाब, पश्चिम बंगाल, असम, तमिलनाडु, आंध्र प्रदेश, केरल, पुडुचेरी, मणिपुर, गोवा, उड़ीसा, सिक्किम, अरुणाचल प्रदेश इत्यादि राज्यों में चुनाव हुए लेकिन उनमें से मात्र 13 चुनावों में ही सत्तारूढ़ दल को बजट की घोषणाओं का लाभ मिला। जबकि 11 बार चुनाव पर बजट का कोई असर ही नहीं दिखा और 18 चुनावों में तो बजटीय घोषणाओं के बावजूद सत्तारूढ़ दल को नुकसान झेलना पड़ा। उन 18 चुनावों में से 15 बार कांग्रेस को और 3 बार भाजपा को नुकसान भुगतना पड़ा। इसी प्रकार जिन 13 चुनावों में सत्तारूढ़ दल को लाभ मिला, उनमें 9 बार भाजपा को और 4 बार कांग्रेस को बजट में लोकलुभावन घोषणाओं का लाभ मिला।

बजट पेश होने के बाद कुछ सामान महंगा हो जाएगा तो कुछ सस्ता भी होगा। प्रस्तावित आयात शुल्क में वृद्धि से कई चीजें महंगी होने से उसका सीधा असर आम जनता की जेब पर पड़ेगा। महंगे होने वालों सामानों में विदेशी छाता, कैपिटल गुड्स, बिना ब्लेंडिंग वाले फ्यूल, स्मार्ट मीटर, कृत्रिम आभूषण, सौर सेल, सौर मॉड्यूल, हेडफोन, ईयरफोन, लाउडस्पीकर, एक्स-रे मशीन, इलेक्ट्रॉनिक खिलौनों के पुर्जे इत्यादि कई वस्तुएं शामिल हैं। सस्ता होने वाले सामान में विदेश से आने वाली मशीनें, कपड़ा, चमड़े का सामान, जूते-चप्पल, मोबाइल फोन चार्जर, मोबाइल फोन के लिए कैमरा लेंस, हीरे के आभूषण, पैकेजिंग के डिब्बे, कोको बीन्स, मिथाइल अल्कोहल, एसिटिक एसिड, खेती के सामान सस्ते होंगे। कटे और पॉलिश हीरे तथा रत्नों पर कस्टम ड्यूटी घटाकर पांच फीसदी की जाएगी।

बजट में पहली बार बैंकिंग पोस्ट ऑफिस में डिजिटल सेवाओं, डिजिटल करेंसी, डिजिटल एजुकेशन, ई-पासपोर्ट, पेपरलेस ई-बिल, किसानों के लिए डिजिटल सेवाएं, रेलवे में एक स्टेशन-एक उत्पाद अवधारणा, गंगा नदी के किनारे पांच किलोमीटर चौड़े कॉरीडोर में स्थित किसानों की भूमि पर विशेष ध्यान, नेशनल टेलीमेंटल हैल्थ प्रोग्राम, नेशनल डिजिटल हैल्थ इको-सिस्टम, 5जी मोबाइल सेवाएं, राष्ट्रीय रोपवे विकास कार्यक्रम, शहरों में ई वाहनों के लिए चार्जिंग सेंटर, ग्रामीण इलाकों में सस्ती ब्रॉडबैंड सेवा जैसी कई महत्वपूर्ण सेवाओं का जिक्र हुआ है। आने वाले समय में करीब 25 हजार किलोमीटर का हाईवे तैयार करने और आगामी तीन वर्षों में 400 नई वंदेभारत ट्रेनें तैयार करने की घोषणाएं भी बजट में हुई हैं।

आम बजट में सरकार द्वारा 7.5 लाख करोड़ रुपये के पूंजीगत व्यय का प्रावधान किया गया है, जो आगामी वित्त वर्ष में जीडीपी का 2.9 फीसदी होगा। बजट में वित्त वर्ष 2022-23 में आर्थिक विकास 9.2 फीसदी रहने की उम्मीद जताई गई है। निवेश को बढ़ावा देने के लिए वित्त वर्ष में राज्यों को एक लाख करोड़ रुपये की वित्तीय सहायता देने और राज्यों को 2022-23 में चार फीसदी तक राजकोषीय घाटे की अनुमति की बात कही गई है। बजट में वित्त वर्ष 2022-23 में कुल खर्च 39.45 ट्रिलियन रुपये होने तथा राजस्व घाटा जीडीपी का 6.4 फीसदी रहने का अनुमान है। 2021-22 में संशोधित राजस्व घाटा जीडीपी का 6.9 फीसदी बताया गया है और 2025-26 तक राजस्व घाटा जीडीपी के 4.5 फीसदी तक पहुंचने की बात कही गई है। इस बार सरकार द्वारा शिक्षा क्षेत्र के लिए 104278 करोड़ रुपये आवंटित किए गए हैं, जो पिछले बजट के मुकाबले 11.86 फीसदी ज्यादा है। इसी प्रकार खेल बजट में 3062.6 करोड़ रुपये आवंटित किए गए हैं, जो पिछले बजट के मुकाबले 305.58 करोड़ रुपये अधिक हैं।

वैसे उम्मीद की जा रही थी कि सरकार देश में गहरी होती आर्थिक असमानता की खाई को कम करने के लिए कुछ ठोस कदम उठाएगी लेकिन इस दिशा में निराशा ही हाथ लगी है। एक ओर जहां बजट से मध्यम वर्ग पूरी तरह मायूस हुआ है, वहीं कॉरपोरेट सेक्टर को राहत प्रदान की गई है। लंबे समय से टैक्स स्लैब में बदलाव की मांग की जा रही है लेकिन इसके विपरीत सरकार द्वारा कॉरपोरेट टैक्स को 18 फीसदी से घटाकर 15 फीसदी करने की घोषणा की गई है।

हालांकि न्यूनतम समर्थन मूल्य पर गेहूं और धान की खरीद के लिए सरकार द्वारा 2.37 लाख करोड़ रुपये भुगतान करने की भी घोषणा हुई है। रक्षा क्षेत्र के लिए 525166 करोड़ रुपये आवंटित किए गए हैं, जो पिछले वित्त वर्ष मं रक्षा बजट के लिए आवंटित हुए 478196 करोड़ के आवंटन से करीब 10 फीसदी ज्यादा है।

रक्षा क्षेत्र में आत्मनिर्भर भारत योजना को बढ़ावा देने के लिए कुल रक्षा खरीद बजट में से 68 फीसदी को घरेलू बाजार से खरीदने पर खर्च किया जाएगा, जिससे रक्षा उपकरणों के आयात पर निर्भता कम होगी। यह पिछले वित्त वर्ष से 58 फीसदी ज्यादा है और इससे सीधे तौर पर घरेलू रक्षा कम्पनियों को फायदा मिलेगा तथा रक्षा आयात बिलों में भारी कमी के साथ-साथ घरेलू बाजार में रोजगार के अवसर भी बढ़ेंगे।

बजट में डिजिटल करेंसी, डाकघरों को कोर बैंकिंग से जोड़ने, विदेश यात्रा सुगम बनाने के लिए ई-पासपोर्ट सेवा शुरू करने जैसी कई महत्वपूर्ण घोषणाएं की गई है। डिजिटल करंसी (क्रिप्टोकरंसी) से आय पर 30 फीसदी टैक्स लगाया गया है। वित्तमंत्री के मुताबिक डिजिटल इकॉनोमी तथा करेंसी मैनेजमेंट को बेहतर करने के लिए आरबीआई भारत की अपनी %डिजिटल करेंसी% (ब्लॉकचेन डिजिटल रुपया) जारी करेगा, जिससे भारत की अर्थव्यवस्था को काफी बढ़ावा मिलेगा और डिजिटल वित्तीय क्षेत्र में स्थिति मजबूत होगी।

कुल मिलाकर देखा जाए तो केन्द्रीय बजट में सरकार का फोकस बुनियादी संरचना पर निवेश बढ़ाने को लेकर रहा है। हालांकि लोगों को सीधे तौर पर कोई राहत नहीं दी गई है लेकिन उन पर कोई अतिरिक्त भार भी नहीं लादा गया है। आर्थिक विशेषज्ञों के मुताबिक बजट में भले ही मध्यम वर्ग को अपने लिए कुछ मिलता नहीं दिख रहा हो लेकिन अर्थव्यवस्था को मजबूती प्रदान करने के लिए यह ठीक-ठाक बजट साबित हो सकता है।

चुनौती बनती जा रही बढ़ती आर्थिक असमानता

-योगेश कुमार गोयल-

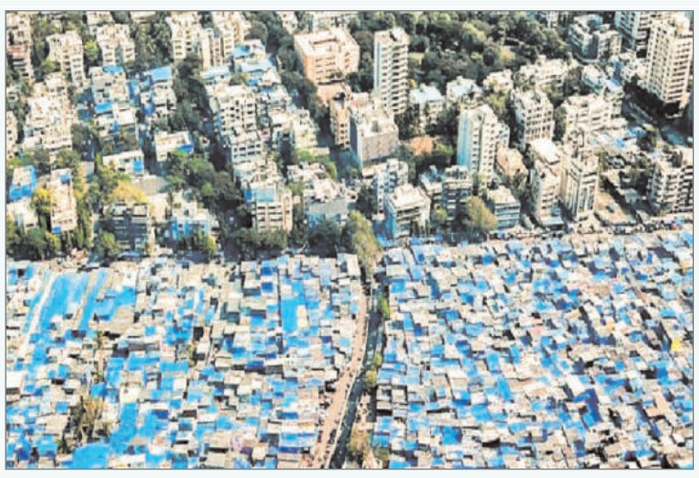

पिछले दिनों वीडियो कांफ्रैंस के जरिये आयोजित विश्व आर्थिक मंच के दावोस एजेंडा शिखर सम्मेलन के दौरान पेश गैर सरकारी संगठन 'ऑक्सफैम' की रिपोर्ट 'इनइक्वलिटी किल्स' के अनुसार कोरोना महामारी के दौर में अमीर जहां और अमीर होते जा रहे हैं, वहीं गरीब और गरीब हो रहे हैं। रिपोर्ट के अनुसार महामारी के दौरान भारत के अरबपतियों की कुल सम्पत्ति बढ़कर दोगुने से अधिक हो गई और इस दौरान भारत में अरबपतियों की संख्या भी 39 फीसदी बढ़कर 142 हो गई है। देश के दस सर्वाधिक अमीर लोगों के पास इतनी सम्पत्ति है, जिससे पूरे ढ़ाई दशकों तक देश के हर बच्चे को स्कूली शिक्षा और उच्च शिक्षा दी जा सकती है। आर्थिक असमानता पर आई इस रिपोर्ट के मुताबिक 142 भारतीय अरबपतियों के पास कुल 719 अरब अमेरिकी डॉलर यानी 53 लाख करोड़ रुपये से अधिक की सम्पत्ति है और देश के सबसे अमीर 98 लोगों की कुल सम्पत्ति भारत के 55.5 करोड़ सबसे गरीब लोगों की कुल सम्पत्ति के बराबर है। ऑक्सफैम की रिपोर्ट में यह भी बताया गया है कि महामारी के दौरान सबसे धनी 10 फीसदी लोगों ने राष्ट्रीय सम्पत्ति का 45 फीसदी हिस्सा हासिल किया जबकि निचले स्तर की 50 फीसदी आबादी के हिस्से मात्र छह फीसदी राशि ही आई। रिपोर्ट में सरकार से राजस्व सृजन के प्राथमिक स्रोतों पर पुनर्विचार करने तथा कर प्रणाली के अधिक प्रगतिशील तरीकों को अपनाने का आग्रह करते हुए सुझाव दिया गया है कि इन अरबपतियों पर वार्षिक सम्पत्ति कर लगाने से प्रतिवर्ष 78.3 अरब अमेरिकी डॉलर मिलेंगे, जिससे सरकारी स्वास्थ्य बजट में 271 फीसदी बढ़ोतरी हो सकती है।

कोरोना महामारी के इस दौर में एक ओर जहां करोड़ों लोगों के काम-धंधे चौपट हो गए, लाखों लोगों की नौकरियां छूट गई, अनेक लोगों के कारोबार घाटे में चले गए, वहीं कुछ ऐसे व्यवसायी हैं, जिन्हें इस महामारी ने पहले से कई गुना ज्यादा मालामाल कर दिया है। आंकड़े देखें तो भारत में मार्च 2020 से नवम्बर 2021 के बीच देश के 84 फीसदी परिवारों की कमाई में कमी आई और 4.6 करोड़ लोग तो अत्यंत गरीबी में चले गए। इस बीच जितने लोग पूरी दुनिया में गरीबी के दलदल में फंसे, भारत में यह संख्या उसकी आधी है। एक ओर जहां गरीबों की संख्या बड़ी तेजी से बढ़ी है, वहीं भारत में अब इतने अरबपति हो गए हैं, जितने फ्रांस, स्वीडन तथा स्विट्जरलैंड को मिलाकर भी नहीं हैं। अति धनाढ्य वर्ग तथा अत्यंत गरीबी में फंसे लोगों के बीच की चौड़ी होती खाई अन्य कमजोर वर्गों को भी प्रभावित कर रही है। आर्थिक विषमता चिंताजनक स्थिति तक बढ़ गई है और विश्व बैंक पहले ही चेतावनी दे चुका है कि दस करोड़ से ज्यादा लोग चरम गरीबी में धकेले जा सकते हैं। ऑक्सफैम की रिपोर्ट में पिछले साल भी स्पष्ट शब्दों में कहा गया था कि यदि कोरोना के कुबेरों से वसूली होती तो भुखमरी नहीं फैलती।

विश्व के कई अन्य देशों के साथ भारत में भी बढ़ती आर्थिक असमानता काफी चिंताजनक है क्योंकि बढ़ती विषमता का दुष्प्रभाव देश के विकास और समाज पर दिखाई देता है और इससे कई तरह की सामाजिक और राजनीतिक विसंगतियां भी पैदा होती हैं। करीब दो साल पहले भी यह तथ्य सामने आया था कि भारत के केवल एक फीसदी सर्वाधिक अमीर लोगों के पास ही देश की कम आय वाली सत्तर फीसदी आबादी की तुलना में चार गुना से ज्यादा और देश के अरबपतियों के पास देश के कुल बजट से भी ज्यादा सम्पत्ति है। आज विश्व आर्थिक पत्रिका 'फोर्ब्स' की अरबपतियों की सूची में सौ से भी ज्यादा भारतीय हैं जबकि तीन दशक पहले तक इस सूची में एक भी भारतीय नाम नहीं होता था। हालांकि देश में अरबपतियों की संख्या बढ़ना प्रत्येक भारतीय के लिए गर्व की बात होनी चाहिए लेकिन गर्व भी तो तभी हो सकता है, जब इसी अनुपात में गरीबों की आर्थिक सेहत में भी सुधार हो।

बहरहाल, ऑक्सफैम की रिपोर्ट में मांग की गई है कि धनी लोगों पर उच्च सम्पत्ति कर लगाते हुए श्रमिकों के लिए मजबूत संरक्षण का प्रबंध किया जाए। दरअसल बड़े औद्योगिक घरानों पर टैक्स लगाकर सार्वजनिक सेवाओं के लिए आवश्यक संसाधन जुटाए जा सकते हैं। कुछ विशेषज्ञों का मत है कि देश के शीर्ष धनकुबेरों पर महज डेढ़ फीसदी सम्पत्ति कर लगाकर ही देश के कई करोड़ लोगों की गरीबी दूर की जा सकती है लेकिन किसी भी सरकार के लिए यह कार्य इतना सहज नहीं है। दरअसल यह जगजाहिर है कि बहुत से राजनीतिक फैसलों पर भी अब इन धन कुबेरों का ही नियंत्रण होता है। तत्कालीन अमेरिकी राष्ट्रपति बराक ओबामा ने अपने कार्यकाल के कारण वहां के समाज में बढ़ती आर्थिक असमानता पर गहरी चिंता व्यक्त की थी। इसके अलावा बौद्ध धर्मगुरू दलाईलामा तथा ईसाई धर्मगुरू पोप फ्रांसिस सहित कुछ अन्य प्रमुख हस्तियां भी बढ़ती आर्थिक असमानता पर निशाना साधते हुए कह चुकी हैं कि अत्यधिक धन पिपासा समाज में एक नई प्रकार की निरंकुशता को जन्म देती है। बहरहाल, संयुक्त राष्ट्र जैसी कुछ वैश्विक संस्थाओं के अलावा कुछ देशों की सरकारें हालांकि गरीबी उन्मूलन, बेरोजगारी और आर्थिक असमानता को दूर करने के लिए वर्षों से प्रयासरत हैं लेकिन बेहतर परिणाम सामने आते नहीं दिख रहे।

1980 के दशक की शुरूआत में एक फीसदी धनाढ्यों का देश की कुल आय के छह फीसदी हिस्से पर कब्जा था लेकिन बीते वर्षों में यह लगातार बढ़ता गया है और तेजी से बढ़ी आर्थिक असमानता के कारण स्थिति बिगड़ती गई है। आर्थिक विषमता आर्थिक विकास दर की राह में बहुत बड़ी बाधा बनती है। दरअसल जब आम आदमी की जेब में पैसा होगा, उसकी क्रय शक्ति बढ़ेगी, देश की आर्थिक विकास दर भी तभी बढ़ेगी। अगर ग्रामीण आबादी के अलावा निम्न वर्ग की आय नहीं बढ़ती तो मांग में तो कमी आएगी ही और इससे विकास दर भी प्रभावित होगी। हालांकि बढ़ती आर्थिक असमानता को कम करना सरकार के लिए बहुत बड़ी आर्थिक-सामाजिक चुनौती है लेकिन अगर सरकारों में दृढ़ इच्छाशक्ति हो तो इस असमानता को कम किया जा सकता है।

स्वामी प्रकाशक एवं मुद्रक प्रवीण कुमार सिंह द्वारा आला प्रिंटिंग प्रेस 3636 कटारा दिना बेग लाल कुआं, दिल्ली.... से मुद्रित एवं, ब्लॉक नं. 23 मकान नं. 399 त्रिलोकपुरी दिल्ली....91 से प्रकाशित संपादक -प्रवीण कुमार सिंह टेलीफोन नं. 011.22786172 फैक्स नं. 011.22786172
RNI NO. DELHIN38334, E-mail:gauravashalibharat@gmail.com इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के पीआरबी एट के तहत

सार समाचार

पत्नी आजीवन संपत्ति की पूर्ण रूप से मालकिन नहीं हो सकती, सुप्रीम कोर्ट ने सुनाया आदेश

नयी दिल्ली। उच्चतम न्यायलय ने मंगलवार को कहा कि अगर कोई हिंदू पुरुष, जो खुद से अर्जित की गई संपत्ति का मालिक है, यदि वह वसीयत में अपनी पत्नी को सीमित हिस्सेदारी देता है तो इसे संपत्ति पर पूर्ण अधिकार नहीं माना जाएगा, बशर्ते वह अपनी पत्नी की देखभाल और अन्य शर्तें पूरी करता हो। न्यायमूर्ति संजय किशन कौल और न्यायमूर्ति एम एम सुंदरेश की पीठ ने 1968 की एक वसीयत के एक मामले में यह आदेश पारित किया। पीठ ने उच्च न्यायालय के आदेश को दरकिनार करते हुए यह फैसला सुनाया। हरियाणा के एक व्यक्ति तुलसी राम ने 15 अप्रैल 1968 को उक्त वसीयत लिखी थी, जिसका 17 नवंबर 1969 को निधन हो गया था।

बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ योजना की कुल राशि का 58 फीसदी किया गया प्रचार पर खर्च

नई दिल्ली । राज्यसभा में प्रश्नकाल के दौरान सरकार ने बुधवार को कहा कि 'बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ' योजना के तहत 2014-15 से 2020-21 तक कुल 683 ।05 करोड़ रुपये खर्च हुए हैं जिनमें 401 .04 करोड़ रुपये यानी 58 प्रतिशत राशि प्रचार पर खर्च की गई है। महिला एवं बाल विकास मंत्री स्मृति ईरानी ने राज्यसभा में प्रश्नकाल के दौरान बताया कि 'बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ' योजना का मकसद घटते बाल लिंग अनुपात (सीएसआर) तथा पूरे जीवन चक्र में लड़कियों और महिलाओं के सशक्तीकरण से संबंधित मुद्दों का समाधान करना है। स्मृति ईरानी ने कहा कि वित्त वर्ष 2014-15 से वित्त वर्ष 2020-21 तक 683 .05 करोड़ रुपये के कुल व्यय में से मीडिया एडवोकेसी कैंपेन (प्रचार अभियान) पर 401 .04 करोड़ रुपये का व्यय हुआ है जो कुल व्यय का 58 प्रतिशत है। ईरानी ने कहा कि सामुदायिक भागीदारी, जन्म के समय लिंग के चयन पर रोक और बालिकाओं की शिक्षा और विकास में मदद के लिए, सकारात्मक कार्रवाई के माध्यम से बेटियों के अधिकारों के बारे में जागरूकता पैदा करने के लिए सभी स्तरों पर इस योजना के तहत लगातार प्रयास किए जाते हैं। राज्यों के मंत्रियों और अधिकारियों, आकांक्षी जिलों तथा महिलाओं के विरुद्ध अपराध की सबसे अधिक दर वाले 100 जिलों के साथ मंत्रीस्तरीय समीक्षा बैठकों का आयोजन किया गया है। उन्होंने कहा कि शुरूआती दौर में, जागरुकता फैलाने पर बल देने के लिए और बेटियों को महत्व देने की दिशा में समाज की सोच में परिवर्तन लाने के लिए मीडिया और 'एडवोकेसी' पर जोर दिया गया है। पिछले दो वर्षों में, केंद्रीय स्तर पर 'मीडिया एडवोकेसी' अभियान पर खर्च में काफी गिरावट आई है और अब स्वभाव परिवर्तन संपर्क पर जोर दिया जा रहा है।

रेल दुर्घटनाएं रोकने के लिए इस्तेमाल होने वाली 'कवच तकनीक यात्रियों की सुरक्षा में होगा इजाफा

नई दिल्ली । केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने देश के सामने वित्त वर्ष 2022-2023 का बजट पेश किया। इस बजट के दौरान वित्त मंत्री ने रेलवे बजट 2022 भी पेश किया। उन्होंने रेलवे से जुड़ी कई तरह की योजना की घोषणा की। वित्त मंत्री ऐलान किया कि देश में अगले तीन सालों के अंदर 400 नई वंदे भारत ट्रेन चलाई जाएंगीं। इसके साथ ही भारतीय रेलवे के लिए 100 गतिशक्ति कार्गो से जुड़े भी प्लान को वित्त मंत्री ने पेश किया। इसके साथ ही इस बजट में सरकार ने रेलवे पर भी विशेष ध्यान देने की बात कही। उन्होंने बताया कि पिछले 7 सालों में रेलवे में 24000 किलोमीटर रेलवे रूट का किया गया है। आगे भी इस काम को जारी रखा जाएगा। इन सभी घोषणाओं के साथ वित्त मंत्री ने एक तकनीक की बात की जिसे कवच तकनीक का नाम दिया गया है। इस तकनीक के जरिए रेलवे यात्रा को ज्यादा बनाने का प्लान है। अपने बजट भाषण में वित्त मंत्री ने कहा कि 'कवच तकनीक' के जरिए रेल यात्रा को ज्यादा सुरक्षित बनाने का प्लान है। यह तकनीक पूरी तरह से स्वदेशी है। यह एक एंटी-कोलिजन डिवाइस है, जिसकी मदद से रेलवे में होने वाली दुर्घटनाओं पर रोक लगाने में मदद करेगा। इसके साथ ही रेलवे का यह प्लान है कि वह भविष्य में होने वाली रेल घटनाओं को पूरी तरह से रोक सकें। एक्सपर्ट्स के मुताबिक 'कवच तकनीक' के जरिए करीब 2 हजार किलोमीटर का रेल नेटवर्क को सुरक्षित बनाने की रेलवे की तैयारी है। हालांकि इस तरह की तकनीक का इस्तेमाल रेलवे पहले भी करता आया है।

कोरोना की मार के बीच स्वास्थ्य से खिलवाड़ वाराणसी से 4 करोड़ रुपये की नकली कोविशील्ड-टेस्टिंग किट जब्त

वाराणसी । उत्तर प्रदेश के वाराणसी में एसटीएफ ने कार्रवाई करते हुए बड़े पैमाने पर नकली कोविड शील्ड और जायकोविड के साथ नकली कोविड टेस्टिंग किट जब्त की है। इसकी कीमत 4 करोड़ रुपये बतायी जा रही है। एसटीएफ ने इनपुट के आधार पर कार्रवाई करते हुए लंका थाना क्षेत्र के रोहित नगर से 5 लोगों को हिरासत में लिया है। बताया जा रहा है कि, पकड़े गए आरोपियों की पहचान राकेश थवानी, संदीप शर्मा, लक्ष्य जावा, शमशेर और अरुणेश विश्वकर्मा के रूप में हुई है। इनमें से तीन लोग वाराणसी के ही रहने वाले हैं, जबकि लक्ष्य जावा और शमशेर क्रमशः नई दिल्ली और बलिया में रहते हैं। पुलिस ने जब इनसे पूछताछ की तो राकेश थवानी ने बताया कि वह संदीप शर्मा, अरुणेश विश्वकर्मा व शमशेर के साथ मिलकर नकली वैक्सीन व टेस्टिंग किट बनाता था और लक्ष्य जावा को सप्लाई करता था। वो अपने नेटवर्क के द्वारा अलग-अलग राज्यों में सप्लाई करता था। अभियुक्तगण से पूछताछ कर उनके गिरोह के बारे में जानकारी एकत्र करते हुए अग्रिम विधिक कार्यवाही की जा रही है। बरामद दवाओं की बाजार मूल्य के अनुसार अनुमानित कीमत लगभग 4 करोड़ रुपये है।

वायु सेना में महिला लड़ाकू पायलटों को शामिल करने की योजना नियमित की

नई दिल्ली । रक्षा मंत्रालय ने वायु सेना में महिला लड़ाकू पायलटों को शामिल करने की प्रायोगिक योजना को नियमित योजना में बदलने का फैसला हुआ है। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने कहा कि यह फैसला भारत की नारी शक्ति की क्षमता और महिला सशक्तिकरण के प्रति प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की प्रतिबद्धता का प्रमाण है। उन्होंने ट्विटर पर कहा, रक्षा मंत्रालय ने वायु सेना में महिला लड़ाकू पायलटों को शामिल करने के लिए प्रायोगिक योजना को स्थायी योजना में बदलने का फैसला किया है।सुप्रीम कोर्ट द्वारा तीनों सेनाओं में भर्ती के लिए प्रतिष्ठित राष्ट्रीय रक्षा अकादमी (एनडीए) में महिलाओं के प्रवेश का मार्ग प्रशस्त करने के कुछ महीने बाद यह फैसला आया है। भारतीय वायु सेना की फ्लाइंग ऑफिसर अवनी चतुर्वेदी ने 2018 में अकेले लड़ाकू विमान उड़ाकर पहली भारतीय महिला बनने का गौरव हासिल किया था। उन्होंने अपनी पहली एकल उड़ान में मिग-21 बाइसन उड़ाया था।

कोविड के बाद नयी विश्व व्यवस्था की संभावना, भारतीय अर्थव्यवस्था में निरंतर विस्तार जारी : पीएम मोदी

नयी दिल्ली। (एजेंसी)

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बुधवार को कहा कि द्वितीय विश्व युद्ध के बाद जैसे पूरी दुनिया बदल गई थी, उसी प्रकार कोरोना महामारी के बाद भी दुनिया में बहुत सारे बदलाव की संभावना है और एक नयी विश्व व्यवस्था तैयार होगी। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की ओर से वर्ष 2022-23 के आम बजट पर आयोजित कार्यक्रम 'आत्मनिर्भर अर्थव्यवस्था' को संबोधित करते हुए प्रधानमंत्री ने यह भी कहा कि कोरोना का यह कालखंड पूरी दुनिया के लिए एक प्रकार से क्रांतिकारी परिवर्तन है।

उन्होंने कहा, 'आगे जो दुनिया हम देखने वाले हैं, वह वैसी नहीं होगी जैसी कोरोना काल से पहले थी। जैसे द्वितीय विश्व युद्ध के बाद पूरी दुनिया बदल गई, वैसे ही कोरोना के बाद दुनिया में बहुत सारे बदलाव की संभावना है। एक नए वर्ल्ड ऑर्डर की संभावना है।' वीडियो कांफ्रेंस के माध्यम से इस कार्यक्रम को संबोधित करते हुए प्रधानमंत्री ने कहा कि पिछले सात वर्षों में सरकार ने जो निर्णय लिए और जो नीतियां बनाईं तथा पहले की जिन नीतियों में सुधार किए, उसकी वजह से आज भारत की अर्थव्यवस्था का निरंतर विस्तार हो रहा है। उन्होंने कहा, 'सात-आठ साल पहले भारत का सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) 1 लाख 10 हजार करोड़ रुपए था। आज भारत की अर्थव्यवस्था 2 लाख 30 हजार करोड़ के आसपास की है।'

उन्होंने कहा कि यह समय भारत के लिए नए सिरे से तैयारी का, नए अवसरों का और नए संकल्पों की सिद्धि का है। उन्होंने कहा, 'बहुत जरूरी है कि भारत आत्मनिर्भर बने और उस आत्मनिर्भर भारत की नींव पर एक आधुनिक भारत का निर्माण हो।' बजट घोषणा के विभिन्न प्रावधानों का उल्लेख करते हुए प्रधानमंत्री ने कहा कि सरकार के प्रयासों से आज देश में करीब-करीब 9 करोड़ ग्रामीण घरों में नल से जल पहुंचने लगा है और इसमें से करीब 5 करोड़ से ज्यादा पानी के कनेक्शन, जल जीवन मिशन के तहत पिछले 2 वर्ष में दिए गए हैं। उन्होंने कहा, 'अब बजट में घोषणा की गई है कि इस साल करीब 4 करोड़ ग्रामीण घरों को पाइप से पानी का कनेक्शन दिया जाएगा। इस पर 60 हजार करोड़ रुपए से ज्यादा खर्च किए जाएंगे।'

प्रधानमंत्री ने कहा कि जब गरीब को मूलभूत सुविधाएं मिलती हैं तो वह अपनी ऊर्जा को, अपने विकास, देश के विकास में लगाता है। उन्होंने कहा, ह्यह्यइस बजट का भी फोकस गरीब, मध्यम वर्ग और युवाओं को बुनियादी सुविधाएं देने और आय के स्थाई समाधानों से जोड़ने पर है। प्रधानमंत्री ने केन-बेतवा नदी जोड़ योजना का उल्लेख करते हुए कहा कि इस बार के बजट में इसके लिए हजारों करोड़ रुपए का प्रावधान किया गया है और इससे उत्तर प्रदेश और मध्य प्रदेश के बुंदेलखंड क्षेत्र की तस्वीर भी बदलने वाली है। उन्होंने कहा, 'अब बुंदेलखंड के खेतों में और हरियाली आएगी, घरों में पर्याप्त पीने का पानी आएगा, कृषि के लिए खेतों में पानी आएगा।'

ममता बनर्जी एक बार फिर निर्विरोध तृणमूल कांग्रेस की अध्यक्ष चुनी गईं

कोलकाता। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी बुधवार को एक बार फिर निर्विरोध तृणमूल कांग्रेस की अध्यक्ष चुनी गईं। सत्तारूढ़ तृणमूल कांग्रेस ने पांच साल के अंतराल के बाद अपने संगठनात्मक चुनाव कराए थे। पार्टी के महासचिव पार्थ चटर्जी के अनुसार, बनर्जी को निर्विरोध निर्वाचित घोषित कर दिया गया, क्योंकि किसी अन्य नेता ने अपनी उम्मीदवारी पेश नहीं की थी। संगठनात्मक चुनाव के निर्वाचन अधिकारी चटर्जी ने कहा, 'ममता बनर्जी के पक्ष में कुल 48 प्रस्तावकों और समर्थकों ने नामांकन दाखिल किया। चूंकि अध्यक्ष पद के लिए अन्य किसी ने नामांकन नहीं भरा था, ममता बनर्जी को फिर से निर्विरोध चुन लिया गया है।' ममता बनर्जी ने 1998 में कांग्रेस से अलग होने के बाद पार्टी की स्थापना की थी और तब से वह इसका नेतृत्व कर रही हैं। वर्ष 2001 और 2006 के विधानसभा चुनाव में दो असफल प्रयासों के बाद, पार्टी 2011 वाम मोर्चे को मात देकर सत्ता में आई। पार्टी, राज्य विधानसभा की 294 सीटों में से 213 सीटें हासिल करने के बाद पिछले साल मई में लगातार तीसरी बार सत्ता में आई थी।

महिलाओं में भी तेजी से बढ़ रहा फेफड़े का कैंसर

गुडगाँव । पश्चिमी देशों में महिलाओं में फेफड़े का कैंसर बढ़ने का एकमात्र सबसे बड़ा कारण धूम्रपान करना माना जाता है लेकिन भारतीय महिलाएं वातावरण में फैले प्रदूषण के कारण इस रोग का शिकार हो रही हैं। घर के बाहर वायु प्रदूषण के मुकाबले घर के अंदर होने वाला प्रदूषण ज्यादा खतरनाक और नुकसानदेह होता है। लकड़ी और मिट्टी तेल जैसे प्रदूषणकारी ईंधनों का इस्तेमाल करने से इससे निकलने वाले छोटे-छोटे प्रदूषित वायुकण फेफड़ों में गहरे तक पहुंच जाते हैं और फेफड़ों तक पहुंचते हुए सांसनली को बुरी तरह प्रभावित करते हैं जिस कारण लोग लंग कैंसर का शिकार हो जाते हैं।

हालांकि लंग कैंसर के मामले पुरुषों में ज्यादा पाए जाते हैं लेकिन पिछले 20 वर्षों से महिलाओं में इस कैंसर के मामले तेजी से बढ़ रहे हैं। ऐसी पीड़ित महिलाओं में धूम्रपान नहीं करने वाली महिलाओं की तादाद बहुत ज्यादा है।

गुरुग्राम स्थित फोर्टिस मेमोरियल रिसर्च इंस्टीट्यूट में रेडिएशन ऑन्कोलॉजी के वरिष्ठ निदेशक और विभाग प्रमुख डॉ. अनिल कुमार आनंद ने कहा, %छोटे और मझोले शहरों में घरों में वायु प्रदूषण के खतरों और खराब वेंटिलेशन व्यवस्था के बारे में भारतीय महिलाओं को जानकारी देना बहुत महत्वपूर्ण है। हमें घर के अंदर और बाहर प्रदूषण के बारे में जागरूकता फैलाना होगा। जाहिर है कि सबसे ज्यादा जागरूकता छोटे और मझोले शहरों में खराब वेंटिलेशन व्यवस्था वाले घरों और रसोई के खतरों के बारे में बढ़ानी होगी और चूल्हे की जगह एलपीजी गैस के इस्तेमाल पर जोर देना होगा। दिल्ली-एनसीआर के सर्वाधिक प्रदूषित शहरों में महिलाओं में लंग कैंसर के बढ़ते मामलों का सबसे बड़ा कारण घर और बाहर के वायु प्रदूषण ही हैं।

विश्व में लंग कैंसर को सबसे जानलेवा कैंसर माना जाता है जिस कारण सर्वाधिक मौतें होती हैं। विश्व स्वास्थ्य संगठन के अनुसार, चूंकि इसके ज्यादातर मामले आखिरी चरण में ही डायग्नोज होते हैं इसलिए 2018 में लंग कैंसर के कारण कैंसर से होने वाली सर्वाधिक 20.9 लाख मौतें हुई हैं। प्रारंभिक चरण में इसके लक्षणों की पहचान नहीं हो पाती है और लोग अक्सर इसे मौसमी समस्या समझ कर खुद इलाज करने लग जाते हैं।

डब्ल्यूएचओ के मुताबिक, भारत में हर साल 43 लाख लोग घर के अंदर वायु प्रदूषण के कारण मरते हैं जो विश्व में सर्वाधिक है। यह नहीं भूलना चाहिए कि भारत में 30 करोड़ से ज्यादा लोग खाना पकाने के लिए घर के अंदर ही परंपरागत चूल्हे या लकड़ी, कोयला, चाकोल, पराली आदि की आग का इस्तेमाल करते हैं। इस वजह से घर में सर्वाधिक वायु प्रदूषण होता है और प्रदूषक कण तथा कार्बन मोनोऑक्साइड उत्पन्न होते हैं जो स्वास्थ्य की कई समस्या पैदा करते हैं। विश्व स्वास्थ्य संगठन के मानकों के मुताबिक भारतीय ग्रामीण घरों में औसतन 20 गुना ज्यादा वायु प्रदूषण है। ग्रामीण घरों में खराब वेंटिलेशन व्यवस्था, घर के अंदर धुआं तथा आसपास की प्रदूषित हवा प्रदूषक कणों के निर्धारित स्तर से 100 गुना ज्यादा है। परिवार में घर के अंदर सर्वाधिक 80 फीसदी महिलाएं और छोटे बच्चे ही इससे प्रभावित होते हैं।

हालांकि इन वजहों से पुरुष और महिलाएं ज्यादा प्रभावित होती हैं लेकिन महिलाओं के लिए यह ज्यादा खतरनाक है क्योंकि वे घरों में ज्यादा समय रहती हैं। जागरूकता का अभाव और डॉक्टर से सलाह लेने में आनाकानी के कारण लंग कैंसर के मामले देरी से पकड़ में आते हैं। लिहाजा महिलाओं को यह जानना जरूरी है कि वे इस तरह की बीमारियों की चपेट में कैसे आ रही हैं।

पंजाब कांग्रेस में फिर घमासान शुरू कैप्टन के इस्तीफे के बाद 42 विधायकों का मिला था समर्थनः सुनील जाखड़

नई दिल्ली। (एजेंसी)

पंजाब में कांग्रेस की मुश्किलें कम होने का नाम नहीं ले रही हैं, पहले नवजोत सिंह सिद्धू और कैप्टन अमरिंदर सिंह का चैप्टर। फिर सिद्धू की नाराजगी को दूर करना और अब पार्टी के एक और बड़े नेता ने बगावती सुर छेड़ दिए हैं। पंजाब कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष सुनील जाखड़ ने दावा कर दिया है कि 42 विधायक उनके पाले में हैं और कैप्टन के बाद उन्हें मुख्यमंत्री बनाना चाहते थे। पंजाब के अबोहर में एक जनसभा को संबोधित करते हुए सुनील जाखड़ ने अपने मन की ये बात सामने रखी। जिसमें उन्होंने दावा किया कि, जब कैप्टन अमरिंदर सिंह को हटाया गया था तो 42 ऐसे विधायक थे, जिन्होंने जाखड़ को समर्थन दिया था। वहीं महज दो विधायकों ने चरणजीत सिंह चन्नी को सीएम पद के लिए अपना समर्थन दिया। सिर्फ इतना ही नहीं, सुनील जाखड़ ने ये भी बताया कि उन्हें राहुल गांधी की तरफ से डिप्टी सीएम का पद ऑफर किया गया था, जिसे उन्होंने ठुकरा दिया। जाखड़ ने बताया कि 16 विधायक सुखजिंदर सिंह रंधावा के पक्ष में थे, 12 विधायक चाहते थे कि कैप्टन अमरिंदर सिंह की पत्नी प्रणीत कौर उप मुख्यमंत्री बनें, वहीं नवजोत सिंह सिद्धू को डिप्टी सीएम बनाने के समर्थन में सिर्फ 6 विधायक थे। बता दें कि कांग्रेस की तरफ से अब तक साफ नहीं किया गया है कि, पंजाब में जीत के बाद किसे वो मुख्यमंत्री बनाएंगे।

निर्वाचन आयोग ने रोड शो, पदयात्रा, वाहन रैलियों पर प्रतिबंध 11 फरवरी तक बढ़ाया

नयी दिल्ली। (एजेंसी)

निर्वाचन आयोग ने सोमवार को पांच चुनावी राज्यों में रोड शो, पदयात्रा, वाहन रैलियों और जुलूसों पर लगा प्रतिबंध 11 फरवरी तक बढ़ा दिया, लेकिन सभी चरणों के लिए घर-घर जाकर प्रचार करने वालों की संख्या तथा जनसभाओं से संबंधित नियम में ढील प्रादन कर दी। दी गई छूट के तहत घर-घर जाकर प्रचार करने वाले लोगों की संख्या 10 से बढ़ाकर 20 कर दी गई है और जनसभाओं में अब अधिकतम 1,000 लोग शामिल हो सकते हैं। आयोग ने इनडोर बैठकों में शामिल होने वालों की अधिकतम संख्या भी वर्तमान 300 से बढ़ाकर 500 कर दी। इसने कहा कि एक वर्चुअल समीक्षा बैठक के दौरान सभी राज्यों के मुख्य सचिवों ने आयोग को कोविड-19 की की स्थिति के बारे में सूचित किया, जिसके मामलों में अब कमी आ गई है। उन्होंने यह भी कहा कि संक्रमण दर कम हो रही है और अस्पतालों में भर्ती होने वालों की संख्या में भी गिरावट दर्ज की जा रही है। निर्वाचन आयोग ने एक बयान में कहा, हालांकि, राज्य के अधिकारियों ने कहा कि कोविड प्रोटोकॉल सावधानियों को जारी रखने की जरूरत है, ताकि राजनीतिक गतिविधियों के कारण संक्रमण के मामलों में कोई वृद्धि न हो। केंद्रीय स्वास्थ्य सचिव से भी संबंधित स्थिति की जानकारी ली गई। आयोग ने कहा कि चुनावी राज्यों-गोवा, मणिपुर, पंजाब, उत्तराखंड तथा उत्तर प्रदेश में कोविड-19 की वर्तमान स्थिति की व्यापक समीक्षा के बाद निर्णय लिया गया कि 11 फरवरी, 2022 तक किसी भी रोड शो, पदयात्रा, और साइकिल/बाइक/वाहन रैलियों तथा जुलूस की अनुमति नहीं दी जाएगी। बयान में कहा गया कि आयोग ने चुनाव के सभी चरणों के लिए एक फरवरी, 2022 से निर्दिष्ट खुले स्थानों पर राजनीतिक दलों या चुनाव लड़ने वाले उम्मीदवारों की जनसभाओं में मौजूदा संख्या 500 की जगह अधिकतम 1,000 या मैदान की क्षमता का 50 प्रतिशत, या एसडीएमए द्वारा निर्धारित सीमा के अनुसार, इनमें से जो भी कम हो, लोगों के शामिल होने की अनुमति देने का भी निर्णय लिया है। आयोग ने घर-घर जाकर प्रचार अभियान के लिए भी सुरक्षाकर्मियों के अतिरिक्त 10 लोगों की जगह अब 20 लोगों को शामिल होने की अनुमति दी है।

जलवायु परिवर्तन का संकट देश की सीमाओं से परे है: केंद्रीय मंत्री भूपेंद्र यादव

चंडीगढ़। (एजेंसी)

गुरुग्राम में स्थित सुल्तानपुर राष्ट्रीय उद्यान में आज वर्ल्ड वेटलैंड डे मनाया गया। इस अवसर पर केंद्रीय मंत्री भूपेंद्र यादव ने कहा कि जलवायु परिवर्तन का संकट देश की सीमाओं से परे है। हम स्वीडन, इग्लैंड और फ्रांस के साथ मिलकर पर्यावरण के लिए काम कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि कम से कम 75 झीलों को रामसर साइट में शामिल कराएँगे। औद्योगिक नगरी गुरुग्राम के आसपास के इलाके को भी हरा भरा बनाया जाएगा। इस इलाके के लिए जब भी मैंने मुख्यमंत्री से कुछ कहा उस काम को उन्होंने हमेशा पूरा किया।

सुल्तानपुर राष्ट्रीय पार्क में वर्ल्ड वेटलैंड डे पर मुख्यमंत्री मनोहर लाल ने अपने संबोधन में कहा कि सुल्तानपुर और भिंडावास लेक के आसपास के इलाके को होम स्टे पॉलिसी के तहत विकसित किया जाएगा। हमने पौंड अथारिटी बनाकर 1900 तालाबों को इसी साल ठीक करने का बीड़ा उठाया। प्रदेश के सभी 6000 ओवरफ्लो तालाबों को साफ करेंगे।

वर्तमान में भारत में रामसर स्थलों की कुल संख्या 47 है। दो और आर्द्रभूमि अर्थात्- खिजड़िया वन्यजीव अभयारण्य (गुजरात) और बखिरा वन्यजीव अभयारण्य (यूपी) को उस दिन रामसर स्थलों की सूची में शामिल किया जाएगा। इससे भारत में रामसर आर्द्रभूमि की संख्या 49 हो जाएगी। उल्लेखनीय है कि सुल्तानपुर राष्ट्रीय उद्यान गुरुग्राम-झज्जर राजमार्ग पर सुल्तानपुर गांव में स्थित है। यह गुरुग्राम से 15 किलोमीटर और दिल्ली से 50 किलोमीटर दूर है। यह 350 एकड़ के क्षेत्र में फैला हुआ है। सुल्तानपुर के एविफौना-समृद्ध पयार्वास की खोज पीटर जैक्सन ने की थी, जिन्होंने मार्च 1970 में अपने

रक्त केंद्र का उद्घाटन

रक्त केंद्र का उद्घाटन मुख्य अतिथि डॉ. संजय अग्रवाल निदेशक, आरजीएसएसएच और विशिष्ट अतिथि डॉ. अशोक कुमार, चिकित्सा अधीक्षक, आरजीएसएसएच द्वारा 3 फरवरी 2022 को किया गया।राजीव गांधी सुपर स्पेशियलिटी अस्पताल का ब्लड स्टोरेज सेंटर पिछले पांच वर्षों से चालू था। अब राजीव गांधी सुपर स्पेशियलिटी अस्पताल को DCGI (ड्रग कंट्रोलर जनरल ऑफ इंडिया) और सेंट्रल लाइसेंसिंग अथॉरिटी ऑफ इंडिया द्वारा संपूर्ण रक्त के संग्रह, प्रसंस्करण और भंडारण के लिए ब्लड सेंटर का लाइसेंस दिया गया है। निदेशक ने अस्पताल के सभी कर्मचारियों को बधाई दी और कर्मचारियों और जनता से नियमित रूप से स्वेच्छा से रक्तदान करने का आग्रह किया और प्रेरित किया क्योंकि यह जीवन बचाता है। डॉ अशोक कुमार चिकित्सा अधीक्षक ने कहा कि Blood Components के लाइसेंस हासिल करने की प्रक्रिया जल्द शुरू की जाएगी।

हनीट्रैप के जाल में फंसने वाले थे राजस्थान के बड़े मंत्री, मॉडल को लगानी पड़ी दांव पर जान, तब जाकर खुला पूरा राज

जयपुर। (एजेंसी)

राजस्थान के जोधपुर में शनिवार रात एक महिला ने कथित तौर पर एक होटल की छत से कूदकर अपनी जीवन लीला समाप्त करने का प्रयास किया। महिला की पहचान गुनगुन उपाध्याय के नाम से हुई जो एक फैशन मॉडल है और जोधपुर शहर की रहने वाली है। शनिवार को वह उदयपुर से जोधपुर लौटी थी। उसी रात उसने जोधपुर के रतनाडा इलाके में होटल लॉर्ड्स इन की छठी मंजिल से कथित तौर पर छलांग लगा दी। छत से कूदने से पहले, गुनगुन ने कथित तौर पर अपने पिता को फोन किया और कहा कि वह आत्महत्या करने जा रही है। गुनगुन ने अपने पिता से कहा कि वह उसका चेहरा आखिरी बार देख ले। गुनगुन ने आत्महत्या का प्रयास क्यों किया था अब इसका खुलासा पूरे 3 तीन बाद पुलिस ने किया है। यह मामला केवल एक सुसाइड का मामला नहीं बल्कि एक नेता को फंसाने के लिए रचा गया हनीट्रेप का मामला है। पुलिस ने गुनगुन आत्महत्या मामले में लड़की के होश में आने के बाद बयान दर्ज किया है।

एक दंपति ने मॉडल को मंत्री को फंसाने के लिए किया था ब्लैकमेल

राजस्थान के जोधपुर में मंगलवार को एक दंपति को एक मॉडल गुनगुन को खुदकुशी की कोशिश करने के लिए कथित रूप से मजबूर करने को लेकर गिरफ्तार किया गया। दंपति ने मॉडल को भीलवाड़ा के एक मंत्री को फंसाने (हनीट्रैप) के लिए मॉडल को ब्लैकमेल करने वाली कथित धमकी दी थी। पुलिस ने यह जानकारी दी। पुलिस ने बताया कि उदयपुर से अक्षत और दिपाली को गिरफ्तार किया गया है, उससे पहले रविवार को जोधपुर में कथित तौर पर छत से कूदकर जान देने की कोशिश कर चुकी मॉडल ने होश आने पर पुलिस को बयान दिया था।

भीलवाड़ा के नेता को हनीट्रेप में फंसाने की साजिश

जोधपुर के पुलिस उपायुक्त (पूर्व) भुवन भूषण यादव ने कहा, 'हमने अक्षत एवं दिपाली को लड़की को ब्लैकमेल करने को लेकर गिरफ्तार किया है। वे दोनों लड़की पर भीलवाड़ा के एक मंत्री को (मोहपाश में) फंसाने का दबाव डाल रहे थे।' उन्होंने बताया कि उन दोनों का व्यापारियों समेत दूसरे लोगों को हनीट्रैप में फंसवा कर उन्हें ब्लैकमेल करने का इतिहास रहा है। पुलिस उपायुक्त ने बताया कि दंपति ने लड़की (मॉडल) का नहाते हुए एक वीडियो शूट कर रखा था और उसी के आधार पर वे दोनों उसपर मंत्री को फंसाने (हनीट्रैप करने) का दबाव डाल रहे थे।

मॉडल बनाने का लालच देकर हनीट्रेप के चक्कर में फंसाया

मॉडल मॉडलिंग कार्य के सिलसिले में इस दंपति के संपर्क में आयी थी। पुलिस के अनुसार दोनों उसे मॉडलिंग के नाम पर पिछले सप्ताह भीलवाड़ा ले गये थे और उन्होंने उसे मंत्री के साथ सोने को कहा, लेकिन लड़की ने ऐसा करने से मना कर दिया और रविवार को जोधपुर चली गयी। रास्ते में मॉडल ने अपने पिता एवं भाई को इस घटना के बारे में

बताया एवं उन्हें कहा कि वह खुदकुशी करने जा रही है। पुलिस के मुताबिक लड़की के पिता ने उसे फोन पर घर लौट आने के लिए समझाने की कोशिश की, लेकिन वह जोधपुर पहुंचकर होटल की छत से कूद गयी। नीचे वह कार पर गिरी लेकिन बच गयी।

अफगानिस्तान पर भारत-रूस का रुख समानः रूसी अधिकारी

नई दिल्ली। रूस के विदेश मामलों के उपमंत्री राजदूत सर्जेई वासिलयेविक वर्शिनिन ने मंगलवार को कहा कि अफगानिस्तान में हालात को लेकर भारत और रूस का रुख कई मामलों में समान है। उन्होंने कहा कि काबुल में मौजूदा सरकार को मान्यता देने के बारे में अभी बात करना अपरिपक्वता होगी।

वर्शिनिन ने यह भी कहा कि अफगान के लोगों को मानवीय मदद भेजी जानी चाहिए और मास्को तथा नयी दिल्ली की ओर से मदद मुहैया कराई भी जा रही है। संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में दोनों देशों के बीच संबंधों को लेकर आयोजित बैठक में भाग लेने के लिए वर्शिनिन भारत में थे।

वर्शिनिन ने कहा, 'अफगानिस्तान में हालात को लेकर भारत और रूस का रुख कई मामलों में समान और अभिन्न है।'उन्होंने उम्मीद जताई कि अफगान नेतृत्व अपनी प्रतिबद्धताओं पर खरा उतरेगा खासकर सरकार के समावेशी रवैये और मानवाधिकार के संबंध में। वर्शिनिन के बयान को रूसी दूतावास के अधिकारियों ने जारी किया है। वर्शिनिन ने आरोप लगाया कि अफगानिस्तान की मौजूदा हालत अमेरिकी फौज और उनके सहयोगियों की वहां 20 साल तक रही उपस्थिति के कारण है। अमेरिकी फौजों की वापसी के बाद तालिबान ने अफगानिस्तान पर पिछले साल अगस्त में कब्जा कर लिया था। यूक्रेन की स्थिति का जिक्र करते हुए उन्होंने कहा, 'यूक्रेन के घटनाक्रम और पश्चिमी देशों, नाटो तथा अमेरिका द्वारा फैलाए गए तनाव के बारे में अपने दृष्टिकोण से हमने भारतीय पक्ष को सूचित कर दिया है।

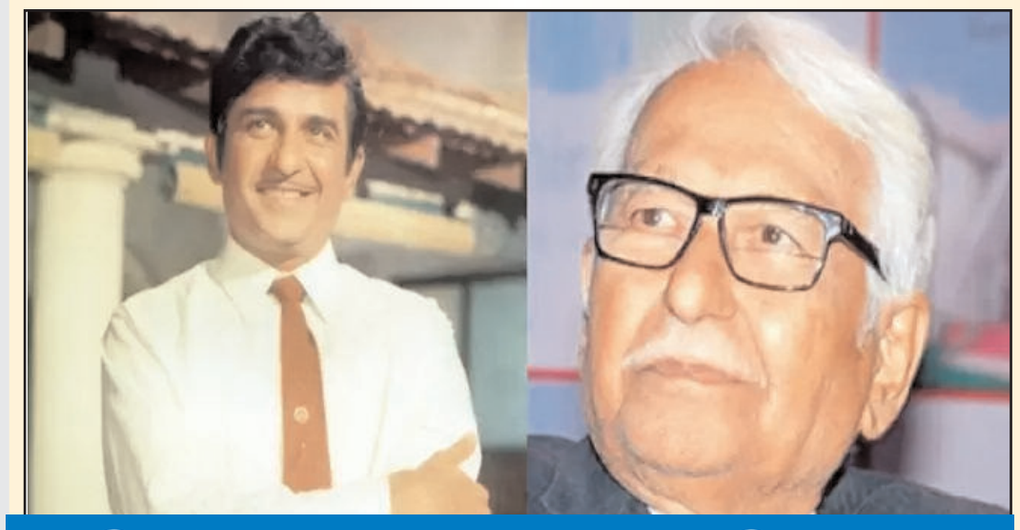

अभिनेता रमेश देव के निधन से बॉलीवुड में छाई शोक की लहर

दिग्गज फिल्म अभिनेता रमेश देव का बुधवार की रात दिल का दौरा पड़ने से निधन हो गया। वह 93 साल के थे। रमेश देव ने मुंबई के धीरूभाई अंबानी अस्पताल में अंतिम सांस ली। रमेश देव ने कई मराठी और हिंदी भाषा की फिल्मों में अभिनय किया था। उन्होंने राजश्री प्रॉडक्शंस की फिल्म आरती से बॉलीवुड में कदम रखा था, लेकिन उन्हें असली पहचान साल 1971 में आई ऋषिकेश मुखर्जी की फिल्म आनंद से मिली। रमेश देव ने आज़ाद देश के गुलाम, घराना, सोने पे सुहागा, गोरा, मिस्टर इण्डिया, कुदरत का कानून, दिलजला, शेर शिवाजी, प्यार किया है प्यार करेंगे, इलज़ाम, पत्थर दिल, हम नौजवान, कर्मयुद्ध, गृहस्थी, मैं आवारा हूं, तकदीर, श्रीमान श्रीमती, दौलत, अशान्ति, हथकड़ी, खुद्दार, दहशत, बॉम्बे ऐट नाइट, हीरालाल पन्नालाल, यही है ज़िन्दगी, फकीरा, आखिरी दांव, सुनहरा संसार, ज़मीर, एक महल हो सपनों का, सलाखें, 16 घंटे, प्रेम नगर, गीता मेरा नाम, कोरा कागज़, कसौटी, जैसे को तैसा, ज़मीन आसमान, जोरू का गुलाम, बंसी बिरजू जैसे कई शानदार फिल्मों में शानदार अभिनय किया। रमेश देव के निधन से मनोरंजन जगत में शोक की लहर है। मराठी फिल्म अभिनेता नीलेश साबले ने रमेश देव के निधन पर शोक व्यक्त किया है।

नीलेश साबले ने अपने आधिकारिक इंस्टाग्राम पर रमेश देव की थ्रोबैक तस्वीर साझा करते हुए लिखा-नीलेश साबले ने रमेश देव के साथ एक पुरानी फोटो शेयर की और लिखा, उनका बहुत बड़ा व्यक्तित्व था। उन्होंने बताया कि उम्र के इस पड़ाव में भी एक कलाकार के रूप में अंत तक काम करने के उनके उत्साह और इछा को देखकर मुझे प्रेरणा मिली। हमने अभी-अभी 27 जनवरी को उनकी उपस्थिति का अनुभव किया।

उन्होंने कहा, सर सेट पर आए और हमें आशीर्वाद दिया। सब कुछ एक सपने जैसा लगता है। उन्होंने हमें अपने जीवन की कहानियां सुनाकर मार्गदर्शन किया। उन्होंने हमारे प्रदर्शन के लिए हमारी सराहना की। उस दिन हमने वास्तव में एक आदमी में भगवान का अनुभव किया। वह अगले हफ्ते पूरे परिवार के साथ आने वाले थे। अब हम सभी ऐसी स्थिति में हैं, जहां हम सभी नहीं जानते कि उनके निधन के बारे में जानने के बाद कैसे और क्या प्रतिक्रिया दें। लेकिन 27 जनवरी को हम उनके साथ पूरा दिन बिता पाए। हमें इस बात का अनुभव हुआ कि एक कलाकार होने का क्या मतलब होता है और इतना महान इंसान होने का क्या मतलब होता है। देव साहब आप वाकई महान हैं और हमेशा रहेंगे।

फिल्ममेकर आशुतोष गोवारिकर ने भी रमेश देव की कुछ तस्वीरें साझा करते हुए लिखा-रमेश देव काका के निधन के बारे में सुनकर गहरा दुख हुआ !! मराठी और हिंदी सिनेमा में उनका योगदान अविस्मरणीय है!मराठी सिनेमा में एक अभिनेता के रूप में मुझे अपना पहला ब्रेक देने के लिए उनका ऋणी हूं! मेरी संवेदनाएं उनके परिवार के साथ है।

दिग्गज अभिनेता अनुपम खेर ने भी फिल्म आनंद के एक दृश्य का वीडियो सोशल मीडिया पर साझा करते हुए रमेश देव को श्रद्धांजलि दी है। अनुपम खेर ने लिखा-पहली बार मैंने एक अद्भुत अभिनेता को फिल्म आनंद में देखा। आदरणीय रमेश देव जी थिएटर और सिनेमा की दुनिया आपको याद करेगी! परिवार के प्रति मेरी हार्दिक संवेदना! शांति!

हुमा कुरैशी की मिथ्या 18 फरवरी को होगी रिलीज

बॉलीवुड अभिनेत्री हुमा कुरैशी की आने वाली फिल्म मिथ्या 18 फरवरी को रिलीज होगी। हुमा कुरैशी और अवंतिका दसानी अभिनीत मिथ्या को 6-भाग में जी5पर दिखाया जायेगा। इस शो को रोहन सिप्पी ने निर्देशित और रोज़ ऑडियो विज़ुअल प्रोडक्शन के सहयोग से अप्लॉज़ एंटरटेनमेंट ने प्रॉड्यूस किया है। अवंतिका दसानी इस सीरीज से अपना डेब्यू कर रही हैं। उनके साथ इस शो में परमब्रता चटर्जी, रजीत कपूर और समीर सोनी भी अहम भूमिका में नज़र आयेंगे। मिथ्या में हुमा कुरैशी जूही की भूमिका निभाते हुए नज़र आएंगी, जो एक हिंदी साहित्य विश्वविद्यालय की प्रोफेसर हैं और अवंतिका दसानी उनकी छात्रा, रिया राजगुरु के रूप में दिखाई देंगी।

हुमा कुरैशी ने कहा, जब मैंने मिथ्या की कहानी पढ़ी, तो मैं तुरंत इस दुनिया और सभी स्तरित किरदारों के प्रति आकर्षित हो गई थी। इस तरह की शैली का हिस्सा बनना और पहली बार हिंदी प्रोफेसर की भूमिका निभाना बहुत ही रोमांचकारी रहा। रोहन सिप्पी, गोल्डी बहल और सभी कलाकारों के साथ काम का अनुभव बहुत ही शानदार रहा और उम्मीद करती हूं कि मिथ्या आपको वैसे ही जोड़े रखेगी जैसे मैं थी।

मिथ्या
18 फरवरी से जी5 पर विशेष रूप से स्ट्रीम की जायेगी।

राखी सावंत ने शहनाज गिल का बढ़ाया हौसला, कहा- तुम रॉकस्टार हो, सिद्धार्थ को भूलना नामुमकिन

दोनों सिद्धार्थ शुक्ला को याद कर इमोशनल हो गए। अब शहनाज गिल को लेकर बिग बॉस की कंटेस्टेंट राखी सावंत ने बयान दिया है। राखी सावंत ने कहा कि शहनाज गिल अभी तुम धमाका करो, तुम हमारी रॉकस्टार हो। राखी ने शहनाज का हौसला बढ़ाया और राखी के इस कदम की फैंस जमकर सोशल मीडिया पर प्रशंसा कर रहे हैं।

सोशल मीडिया पर सामने आए वीडियो में राखी सावंत कहती हैं, शहनाज गिल रॉकस्टार हैं, हिंदुस्तान की दिलों की धड़कन हैं। कमॉन शहनाज फिर से वापस आओ, दोबारा धमाका करो, जैसे अभी आपने बिग बॉस फिनाले में धमाका किया था। तुम बहुत अमेजिंग हो। सिद्धार्थ को हम कभी नहीं भूल पाएंगे, वह हमारे दिलों और दिमाग में हैं। वो हमारे साथ है, वो कहीं नहीं गए हैं।

इस पोस्ट पर शहनाज गिल के ढेर सारे फैंस ने कमेंट्स किये और वीडियो को पसंद किया। फैंस ने शहनाज को क्वीन बताया तो राखी सावंत के लिए फैंस ने कहा कि आप भी बहुत अच्छे हो, आपने इस मुश्किल समय में शहनाज का साथ दिया। इसी के साथ राखी के वीडियो को सोशल मीडिया पर काफी पसंद किया जा रहा है।

सिद्धार्थ शुक्ला को ट्रिब्यूट देने शहनाज गिल बिग बॉस 15 फिनाले (Big Boss Finale) में पहुंची थीं। यहां उन्होंने सिद्धार्थ को एक डांस परफॉर्मेंस डेडिकेट किया तो वहीं सिद्धार्थ की बातों को याद कर वह इमोशनल हो गईं। वहीं सलमान खान की आंखों में भी आंसू आ गए। साथ ही सलमान खान ने कहा कि वह शहनाज को देखकर खुश हैं कि वह काम पर ध्यान दे रही हैं।

सिद्धार्थ शुक्ला के जाने के बाद शहनाज गिल और उनका परिवार काफी टूट गया था। अब धीरे धीरे शहनाज गिल एक बार फिर वापस काम पर लौट रही हैं। हाल में ही बिग बॉस 15 के स्टेज पर सलमान खान के साथ शहनाज गिल नजर आई, यहां

आलिया भट्ट ने शेयर किया 'गंगूबाई काठियावाड़ी' का नया पोस्टर

बॉलीवुड अभिनेत्री आलिया भट्ट ने अपनी आने वाली फिल्म गंगूबाई काठियावाड़ी का नया पोस्टर शेयर किया है। संजय लीला भंसाली के निर्देशन में बनीं फिल्म गंगूबाई काठियावाड़ी में आलिया भट्ट की मुख्य भूमिका है। इस फिल्म में आलिया ,गंगूबाई काठियावाड़ी% की भूमिका में नजर आयेगी। यह फिल्म मुंबई के कमाठीपुरा के एक वेश्यालय की मैडम गंगूबाई कोठेवाली के जीवन से प्रेरित है और हुसैन जैदी की किताब %माफिया क्वींस ऑफ मुंबई% के एक अध्याय पर आधारित

है। आलिया भट्ट ने अपने एक नए पोस्टर के साथ फैंस को फिल्म की रिलीज डेट के साथ- साथ बताया कि उनकी फिल्म का ट्रेलर कब रिलीज हो रहा है।आलिया भट्ट ने अपने इंस्टाग्राम पर फिल्म का नया पोस्टर शेयर किया। इस पोस्टर में आलिया भट्ट सफेद साड़ी में बड़ी ही ठाठ से हाथों के नीचे कुशन दबाए खाट पर बैठी हैं।इस पोस्टर को शेयर करने के साथ ही आलिया भट्ट ने कैप्शन में लिखा, आ रही है गंगू। चार तारीख को आ रहा है फिल्म का ट्रेलर। फिल्म गंगूबाई काठियावाड़ी 25 फरवरी को सिनेमाघरों में रिलीज होने के लिए पूरी तरह तैयार है। इस फिल्म में अजय देवगन विशेष भूमिका में नजर आयेंगे।

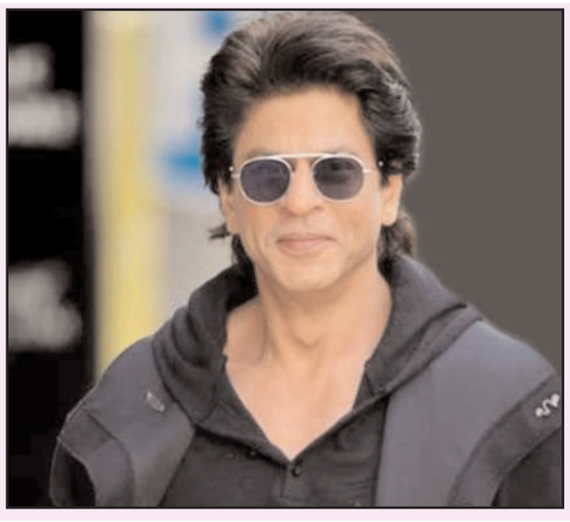

मार्च में हिरानी की फिल्म की शूटिंग शुरू करेंगे शाहरुख खान!

बॉलीवुड के किंग खान शाहरूख खान फिल्मकार राजकुमार हिरानी की फिल्म की शूटिंग मार्च में शुरू कर सकते हैं। शाहरुख खान लंबे समय से फिल्मों से दूर हैं। शाहरूख इन दिनों फिल्म 'पठान' में काम कर रहे हैं। 'पठान' की शूटिंग पूरी होने के बाद शाहरुख खान अपने अगले प्रोजेक्ट में व्यस्त हो जाएंगे। चर्चा है कि शाहरुख खान 'पठान' के बाद राजकुमार हिरानी की अगली फिल्म की शूटिंग शुरू करेंगे। कहा जा रहा है कि इस फिल्म की शूटिंग मार्च 2022 से शुरू हो सकती है।

शाहरुख खान और राजकुमार हिरानी लंबे समय से एक दूसरे के साथ काम करना चाहते थे। इस प्रोजेक्ट के लिए दोनों ही काफी एक्साइटेड हैं। प्री-प्रोड्क्शन काम पहले ही शुरू हो चुका है। पंजाब के गांव का बड़ा सेट मुंबई के फिल्म सिटी में लगाया जाएगा। फिल्म का अधिकांश हिस्सा यहीं पर शूट होगा। इसके अलावा फिल्म की शूटिंग लंदन और बुडापेस्ट में होगी।

कुत्ते में काम कर रोमांचित हैं अर्जुन कपूर

बॉलीवुड अभिनेता अर्जुन कपूर अपनी आने वाली फिल्म कुत्ते में काम कर रोमांचित हैं। अर्जुन कपूर इन दिनों फिल्म कुत्ते में काम कर रहे है। अर्जुन कपूर की इस फिल्म को लव फिल्म्स और विशाल भारद्वाज फिल्म्स के बैनर तले बनाया जा रहा है। वही, फिल्म को टी-सीरीज द्वारा प्रस्तुत किया गया है।इस फिल्म में तब्बू की भी अहम भूमिका है।फिल्म %कुत्ते% में अर्जुन पुलिस कांस्टेबल के किरदार में नजर आयेंगे। इस फिल्म में कोंकणा सेन शर्मा नक्सली के रोल में हैं। राधिका मदान एक कॉलेज स्टूडेंट के रोल में हैं।

अर्जुन कपूर ने फिल्म कुत्ते के आखिरी शेड्यूल की शूटिंग को शुरू कर दिया है। अर्जुन कपूर ने कहा,

मुझे लगता है कि जब भी मैं कुत्ते के सेट पर होता हूं। तो मुझे लगता है कि फिल्म जगत में मेरा पहला दिन है, क्योंकि हर दिन कुछ-ना-कुछ सीखने का शानदार अनुभव होता है। इन मझे हुए कलाकारों हर सीन में सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करते देख। मैं काफी प्रेरित होता हूं।मेरे पास कुत्ते की शूटिंग को खत्म करने के लिए दो हफ्ते का वक्त है और मुझे पता है कि मैं इस सेट पर रहकर एक बेहतर कलाकार बन गया हूं।

भोपाल में बन रही है सिद्धार्थ की फिल्म 'योद्धा'

एक्टर ने बातचीत में बहुत कुछ किया साझा

किसी शायर ने खूब कहा है वक्त उसकी मिसाल देता है, जो नतीजा निकाल लेता है एक्टिंग की दुनिया में एक ऐसा ही नाम सिद्धार्थ मल्होत्रा का है, जिनके पास कभी अपने कमरे का किराया देने भर के भी पैसे नहीं हुआ करते थे, आज बॉलीवुड इंडस्ट्री में उनका अपना एक बड़ा नाम है । सिद्धार्थ रातों-रात स्टार नहीं बने, उन्होंने भी अपने जीवन में कई उतार-चढ़ाव देखे हैं।

बॉलीवुड एक्टर सिद्धार्थ मल्होत्रा इन दिनों अपनी अपकमिंग फिल्म योद्धा को लेकर सुर्खियों में हैं। उनकी पिछली फिल्म शेरशाह में लोगों ने उन्हें काफी पसंद किया, जिसमें सिद्धार्थ शहीद कैप्टन विक्रम बत्रा का किरदार निभाकर सभी का दिल जीत लेने में कामयाब रहे। मध्य प्रदेश की राजधानी भोपाल में इन दिनों योद्धा फिल्म की शूटिंग एयरपोर्ट पर चल रही है।

हिन्दुस्थान समाचार की टीम ने बॉलीवुड स्टार सिद्धार्थ मल्होत्रा से इस फिल्म के बारे में बातचीत की। वार्ता के दौरान उन्होंने अपने जीवन के तमाम पहलुओं पर खुलकर चर्चा की। सिद्धार्थ मल्होत्रा से बातचीत के कुछ अंश यहां पेश हैं।

गजब का खूबसूरत शहर है भोपाल

बॉलीवुड स्टार सिद्धार्थ ने कहा कि मैं शूटिंग के लिए पहली बार भोपाल आया हूं और यहां ठंड का यह गुलाबी मौसम बहुत खूबसूरत लग रहा है। यहां का बड़ा तालाब भी बहुत विशालकाय, शानदार और भव्य है। हमने होटल के बाहर से कुछ तस्वीरें ली हैं, ऐसा लग रहा है जैसे कि हम एक अलग ही दुनिया में हैं। यहां इतिहास है, परम्परा है, संस्कृति है और पुरातनता है। यहां की लोकेशन और यहां के लोग संस्कृति से इतने गहरे जुड़े हुए हैं कि उनके बारे में जितना कहा जाएगा वह कम ही होगा।

सिद्धार्थ ने बताया कि यदि आप आउटसाइड शूटिंग के लिए आते हैं तो आपको वह सभी चीजें यहां मध्य प्रदेश खासकर भोपाल में मिल जाएंगी, जिसकी किसी भी फिल्म निर्माण के लिए जरूरत है और मैं बहुत खुश हूं कि मेरी फिल्म योद्धा यहां

शूट हो रही है ।

दिल्ली में मॉडलिंग करते हुए फिल्मों से हो गया था जुड़ाव

सिद्धार्थ ने बताया कि मैं तो दिल्ली से हूं, मेरी जन्मभूमि दिल्ली है और पढ़ाई-लिखाई भी दिल्ली में ही हुई । जब मैं 21 साल का था, तब मैं मुंबई आया था और उस समय मैं दिल्ली में जेब खर्च (पॉकेट मनी) के लिए मॉडलिंग करता था। मैंने मुंबई शहर में रहते हुए एक साल में बहुत कुछ सीखा। शुरूआती दिनों में एक फिल्म भी मिली लेकिन वह चली नहीं। फिर मैंने असिस्टेंट डायरेक्शन में काम शुरू किया, क्योंकि मैं फिल्मों के बारे में सीखना चाहता था। इसी बीच मैंने फिल्म स्टूडेंट ऑफ द ईयर का ऑडिशन दिया और वह फिल्म मुझे मिल गई। यहीं से कह सकते हैं कि मेरे जीवन की एक नई शुरूआत एक्टिंग के क्षेत्र में हुई। स्टूडेंट ऑफ द ईयर (2012) में सफल अभिनय की शुरुआत करने के बाद भी मल्होत्रा का कहना है कि आगे बढ़ना कोई आसान नहीं रहा है।

फिल्म शेरशाह से बहुत कुछ पाया

फिल्म स्टार सिद्धार्थ मल्होत्रा कहते हैं शेरशाह फिल्म की कहानी बहुत ही रोचक है और इस फिल्म में बहुत लम्बा लगभग चार से पांच साल का सफर रहा है। उस वक्त में एक फिल्म जेंटलमैन कर रहा था, तभी वहां फिल्म प्रोड्यूसर शब्बीर बॉक्सवाला विक्रम बत्रा की फैमिली के साथ आए हुए थे। जब कैप्टन बत्रा के परिवार ने मुझे देखा तो उनको लगा, शायद हमारी फिल्म में यह लड़का हमारे बेटे का कैरेक्टर अदा कर सकता है, फिर हम दोनों ही एक ही परिवेश से आते हैं, हम दोनों पंजाबी, बिल्कुल घर जैसा माहौल और सच यही है कि वहीं से सफर शुरू हुआ है ।

सिद्धार्थ ने बताया कि तब शेरशाह फिल्म की अलग स्क्रिप्ट थी, अलग डायरेक्टर थे, और उसका सफर ऐसा रहा कि जब हम शब्बीर जी के साथ बातचीत शुरू करते तो बहुत लम्बे समय तक स्क्रिप्ट को लेकर बातचीत हुआ करती लेकिन काम कुछ आगे नहीं बढ़ पा रही था, जैसा कि इस फिल्म की जरूरत थी । फिर यह पिक्चर एक नामी प्रोडक्शन हाउस के पास गई। वहां पर एक से दो साल लग गए और अछी स्टोरी नहीं बन सकी । ऐसा चलता रहा, फिर यह पिक्चर करण जोहर जी के पास गई। इस फिल्म में उनका बहुत ही बड़ा योगदान रहा है।

एक्टर सिद्धार्थ कहते हैं कि अगर आप जानते हैं कि आपने कुछ ऐसा किया है जो कीमती, महत्वपूर्ण है और दर्शकों को इसे महसूस करने की जरूरत है, तब आप अपने निर्णय पर कायम रहिए । हर हाल में मैं शेरशाह का हिस्सा बनना चाहता था, इसलिए प्रोड्यूसर्स बदले, डायरेक्टर बदले, फिल्म के राइटर बदले, लेकिन मैं अपने प्रयासों से यहां अडिगता से डटा रहा और फिर देखिए, यह फिल्म आप सभी के सामने अपने शानदार स्वरूप के साथ आ गई और छा गई ।

योद्धा फिल्म में यह है खास

सिद्धार्थ मल्होत्रा ने अपनी आनेवाली फिल्म योद्धा के बारे में भी बताया। उन्होंने कहा कि यह एक एक्शन फिल्म है और एक सैनिक की कहानी है। योद्धा में सिद्धार्थ फिर से एक कमांडो के अवतार में नजर आएंगे, जो विमान में बैठे यात्रियों की जान बचाता है। सिद्धार्थ का कहना है कि यह फिल्म सत्याधारित स्टोरी न होकर एक एक्शन फिल्म है। इस फिल्म में मेरे साथ राशि खन्ना और दिशा पाटनी मुख्य भूमिका में हैं। मैं कहूंगा कि धर्मा प्रोडक्शन्स के साथ मेरी यह पहली एक एक्शन फिल्म है। फिलहाल शूटिंग हम भोपाल में कर रहे हैं। उम्मीद है भोपाल हमारे लिए लकी साबित होगा और आने वाले समय में हम इसके अलग-अलग भाग भी शूट करेंगे ।

बॉलीवुड में आने वाले नए कलाकारों के लिए सिद्धार्थ का मैसेज

बॉलीवुड स्टार सिद्धार्थ का कहना है कि जो भी नए कलाकार बॉलीवुड में आना चाहते हैं, उनके पास आज के समय में फोन है, वह अपना वीडियो शूट करके प्रोडक्शन हाउस को भेज सकते हैं। हमारे समय में यह सुविधा नहीं थी, जैसा कि कास्टिंग डायरेक्टर मुकेश छाबड़ा ने एक पोर्टल बनाया हैं और उनका भोपाल में ऑफिस भी है, तो आप वहां अपने एक्टिंग वीडियो भेज सकते हैं। आज के समय में यह आसानी से संभव हुआ है कि एक एक्टर घर पर अपने फोन से वीडियो सूट करके कास्टिंग डायरेक्टर को भेज पाए और अपनी कला दिखा सके । आप अपनी वीडियो बनाकर सोशल मीडिया पर भी डाल सकते हैं । मीडिया हाउस को मैसेज किया जा सकता है, ऐसे छोटे-छोटे प्रयासों से भी आपकी एक एक्टर इस रूप में प्रारंभिक पहचान बनने लगती है। लोगों में आपको लेकर और अधिक जानने की उत्सुकता पैदा होती है।

सफलता के लिए लगातार मेहनत करने की जरूरत

सिद्धार्थ मल्होत्रा का साफ कहना है कि फील्ड कोई भी क्यों न हो, सफलता के लिए आपको लगातार मेहनत करने की जरूरत होती है। कभी-कभी आपको सामने से जवाब भी नहीं मिलेगा, फिर भी आपको हारना नहीं है, हमेशा काम करते रहना है।

भाजपा प्रत्याशी सत्यवीर त्यागी ने माछरा ब्लॉक के अंतर्गत मेघराजपुर और शौल्दा ग्राम पंचायत में की बैठक

मेरठ, माछरा जनप्रतिनिधि, किठौर विधानसभा क्षेत्र के वर्तमान विधायक एवं भाजपा प्रत्याशी सत्यवीर त्यागी ने बृहस्पतिवार के दिन माछरा ब्लॉक के अंतर्गत मेघराजपुर और शौल्दा ग्राम पंचायत में बैठक के माध्यम से कहा कि आज हुई बूंदाबांदी और ओलावृष्टि भी भाजपा के जोशीले कार्यकर्ताओं के कदमों को नहीं रोक पा रही । ऐसा लग रहा है मानो अब इतिहास रच कर ही यह कदम रुकेंगे। तथा उपस्थित क्षेत्रवासियों को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि किठौर वासियों के लिए वह हमेशा 24 घंटे उपलब्ध रहते हैं । क्योंकि जन सेवा ही मेरा कर्म है ,पिछले 5 वर्षों में किठौर विधानसभा क्षेत्र की ग्राम पंचायत में ऐसा कोई गली, मोहल्ला नहीं है जिससे वह वाकिफ नहीं है। आगे उन्होंने कहा किठौर विधानसभा क्षेत्र अपराध क्षेत्र पिछली सपा सरकारों ने घोषित कर दिया था। इस क्षेत्र के नौजवान दिल्ली ,मुंबई की बहुराष्ट्र कंपनियों में अपनी सेवा नहीं दे पाते थे। क्योंकि जो कलंक पूर्व की सपा सरकार और उनके मंत्रियों ने क्षेत्र पर लगाया था। उसको मिटाने में पिछले 5 वर्ष लगे हैं। आज प्रत्येक किठौर वासी जानता है, कि अब की किठौर क्षेत्र में विकास कार्यों की गंगा बह रही है । और यहां अब करोड़ों रुपए के विकास कार्य धरातल पर हुए हैं। जनसंपर्क अभियान मे आज मेघराजपुर, शौल्दा, कासम्पुर, माछरा, नंगली अब्दुल्लाह, बहरोड़ा, गोविंदपुरी, कुआखेड़ा, रहदरा सहित अन्य ग्राम पंचायतों में बैठक व जनसंपर्क किया। सत्यवीर त्यागी के आज जनसंपर्क कार्यक्रम में प्रत्येक जाति धर्म के सैकड़ों की संख्या में जनमानस मौजूद रहा। इस दौरान हंसवीर जाट शौल्दा,नीरज गुप्ता प्रधान, सुभाष शर्मा मेघराजपुर,राकेश त्यागी माछरा ,कृष्ण त्यागी कुआंखेड़ा, सतेंदर त्यागी रहदरा ,अमित त्यागी ,राहुल त्यागी ,रोबिन गुज्जर लालपुर, देवेंद्र गुर्जर भाडौली, पप्पू गुज्जर सेतकुआं , फिरेराम गुर्जर, संजय प्रजापति ,गौरव चौधरी, तरुण चौधरी पसवाड़ा, अमित धनतला, राहुल मावी ,हरेंद्र भड़ाना ,विशांत बिजौली, जितेंद्र त्यागी कैली ,ऋषि त्यागी (सदस्य जिला पंचायत),अमित त्यागी बिजौली ,अमित त्यागी माछरा, पुनीत त्यागी (ब्लॉक प्रमुख खरखोदा),राजेश्वर छतरी ,अशोक पोसवाल ,अनिल प्रधान, फैजी खान, नईम तोमर एवं देव तुल्य कार्यकर्ता मौजूद रहे।

सपा प्रत्याशी गोमती यादव का महोना में भव्य स्वागत

बीकेटी लखनऊ। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव के आवाहन पर बख्शी का तालाब विधानसभा क्षेत्र 169 में गोमती यादव का क्षेत्र भ्रमण कर डोर टू डोर जनसंपर्क करते हुए समाजवादी पार्टी के चुनाव चिन्ह साइकिल का बटन दबा कर सपा प्रत्याशी गोमती यादव को विजय बनाने की अपील कर रहे हैं नामांकन करने के बाद क्षेत्र भ्रमण में निकले सपा प्रत्याशी को क्षेत्र में सैकड़ों जगहों पर फूल मालाओं से स्वागत किया गया समाजवादी पार्टी के मुखिया अखिलेश यादव को प्रदेश का मुख्यमंत्री बनाने के लिए प्रदेश की जनता पूरी तरह से समाजवादी पार्टी के पक्ष में प्रदेश की आम आवाम एवं बख्शी का तालाब विधानसभा क्षेत्र के सम्मानित जनता सपा प्रत्याशियों एवं गठबंधन के प्रत्याशियों को अपना भरपूर समर्थन मिल रहा है महोना में सपा प्रत्याशी गोमती यादव का स्वागत करने वालों में पिछड़ा मुस्लिम मोमिन समाज संगठन के प्रदेश उपाध्यक्ष प्रवक्ता मोहम्मद अकील खान, अधिवक्ता सभा के जिला अध्यक्ष रजी अहमद सिद्दीकी, इकबाल अफजल, संगठन के प्रदेश कोषाध्यक्ष मोहम्मद आदिल खान, सपा नगर अध्यक्ष रमेश चंद बाबू जी, सभास।

क्षत्रिय समाज के सैकड़ों स्वजनों ने दिया सपा प्रत्याशी बब्बू को समर्थन

प्रफुल्ल कुमार राय

हरदोई। समाजवादी पार्टी प्रत्याशी आसिफ खां बब्बू को मिल रहा है सभी धर्म वर्गों का जबरदस्त समर्थन शाहाबाद विधानसभा क्षेत्र के सम्मानित क्षत्रिय समाज के तमाम प्रभावशाली स्नेहीजन सपा प्रत्याशी पूर्व विधायक बब्बू के समर्थन में खुलकर आए। शाहाबाद क्षत्रिय समाज में स्वच्छ व ईमानदार छवि रखने वाले ऐलासिंह पूर्व ग्राम प्रधान ऐलमपुर के आवास पर क्षत्रिय समाज के मुनेश्वर बक्स सिंह उर्फ मुन्ना सिंह पूर्व जिला पंचायत सदस्य ग्राम पलिया नन्हें कश्यप प्रधान ग्राम अंडौआ गुड्डू सिंह प्रधान ग्राम आंझी पप्पू सिंह ग्राम करावां रिषी कुमार उर्फ मझले ग्राम परसई यदुवीर सिंह ग्राम फत्तेपुर गाजी मुन्ना सिंह ग्राम अड़ौआ राजीव सिंह ग्राम मझिला मानवेन्द्र सिंह ग्राम मझिला प्रकाश सिंह ग्राम असगरपुर पमपम सिंह आजाद सिंह सुरेश सिंह ग्राम ऐलमपुर अरूण सिंह ग्राम फत्तेपुर राजकुमार सिंह ग्राम सिंगोहा रामसागर ग्राम टीकमपुरवा जदुवीर सिंह फतेहपुर रमन सिंह चठिया राजीव सिंह राठौर पूर्व जिला सहकारी बैंक डायरेक्टर अध्यक्ष सा.स.स. लि.सहरुआ पप्पू सिंह ऋषी कुमार अम्बरीष सिंह सिंगोहा ठाकुर लकी सिंह चठिया यदुवीर सिंह मानवेन्द्र सिंह प्रकाश सिंह महाजन सिंह मझिला गुड्डू सिंह प्रधान आंझी पप्पू सिंह पसिगवां सहित बड़ी संख्या में क्षत्रिय समाज के लोगो ने जिताने का संकल्प लिया। इस अवसर पर पूर्व विधायक सपा प्रत्याशी आसिफ खां बब्बू ने कहा कि उन्होंने क्षेत्र की जनता को सदैव अपना परिवार समझा है और आज तक जो भी व्यक्ति हमसे जुड़ा वह कभी अलग नहीं हुआ जिसका जीता जागता उदाहरण हैं कि हमारा वोट प्रतिशत सदैव बढ़ता रहा है जो जनता के प्यार व समर्थन का ही नतीजा है। उन्होंने कहा कि इस बार जनता बदलाव चाहती हैं क्योंकि इस बीजेपी सरकार ने सिर्फ लोगों को ठगने का काम किया हैं नौजवान बेरोजगार हैं तो वही किसानों को दिन रात फसल बचाने के लिए जागना पड़ता हैं। पूर्व विधायक बब्बू ने कहा कि क्षत्रिय समाज को भरोषा दिलाते हुए कहा कि साथियों आप सबके द्वारा मिल रहे सम्मान को आपका यह भाई जिन्दगी भर नहीं भूलेगा आप सभी का सदा सम्मान बना रहेगा।

प्रेम प्रसंग में हुई हत्या का पुलिस ने किया खुलासा

नवाबगंज प्रयागराज। प्रेम प्रसंग में 38 वर्षीय महिला सीमा निवासी चयनि का पूरा थाना नवाबगंज प्रयागराज जिनका अपहरण कर हत्या कर देने के मामले में पुलिस ने मदनलाल सरोज पुत्र सतीश चंद्र सरोज निवासी थाना बाघराय उनके दोनों सहयोगी नीरज उर्फ राजा सरोज जग्गू उर्फ विजेंद्र सरोज को गिरफ्तार कर मृतक का सामान बरामद कर घटना में प्रयोग अल्टो कार जिसका नंबर क्र70स्न0513 , के साथ सभी 4 फोन के साथ घटना का खुलासा कुछ इस प्रकार से किया 30 जनवरी 2022 को रात लगभग 9ः30 बजे मदनलाल सीमा के घर मिलने अल्टो कार से गया कार गेट के अंदर पारकर सीमा से मिलने गया पर सीमा मुकदमा लिखवाने के नियत से चिल्लाने लगी एवं मेरा (मदनलाल) और अपना मोबाइल तोड़ दिया हमने किसी प्रकार से उसे समझाया एवं नया फोन दिलाने की नियत से उसे लेकर लालगोपालगंज चला गया रात होने के बावजूद सभी दुकाने बंद हो चुकी थी जिस कारण से हम उसे प्रयागराज में मोबाइल दिलाने के बहाने अपने मित्र जग्गू के परिचित की दुकान को खुलवा कर उसे नया मोबाइल दिलवाया और जग्गू को गाड़ी की सीट पर बैठा कर मैं सीमा मित्र धीरज पीछे की सीट पर बैठ कर कुंडा की तरफ चल दिया सुनसान स्थान देखते हुए हमने (मदनलाल) सीमा के गले में लगे दुपट्टे से ही उसका गला कसकर दबा दिया तथा उसके साथी धीरज सरोजनी उसके मुख्य को दबा दिया जिससे उसकी आवाज बाहर नहीं जा सके गाड़ी में ही उसकी मृत्यु करने के बाद हम उसे कोखराज टोल प्लाजा पार कर गंगा नदी में उसकी बॉडी को फेंक कर अपने घर चले आए।

प्रगतिशील समाजवादी पार्टी के लखनऊ महानगर के अध्यक्ष मुर्तुजा अली ने उत्तरी विधानसभा में की बैठक

लखनऊ। आज दिनांक 2/2/2022 के बिधानसभा चुनाव और उत्तरी विधानसभा के विस्तार को लेकर प्रगतिशील समाजवादी पार्टी के महानगर अध्यक्ष जनाब मूर्तजा अली साहब ने नगर उपाध्यक्ष अमन मिश्रा और उत्तरी विधानसभा अध्यक्ष आशुतोष तिवारी के साथ बैठ की जिसमे उत्तरी विधानसभा के क्षेत्र के लोगों से मुलाकात भी की गई और पार्टी के प्रति उनको जागरूक किया गया माननीय राष्ट्रीय अध्यक्ष शिवपाल सिंह यादव जी के आदेश के अनुसार संगठन के पदाधिकारियों को और क्षेत्र की जनता के बीच जाकर करके बताया गया है कि प्रत्याशी कोई भी हो चुनाव निशान साइकिल पर वोट डालना है क्षेत्र की जनता से अपील की गई है कि सभी लोग इस बार 2022 के चुनाव में साइकिल को वोट डालें और माननीय अखिलेश यादव जी को मुख्यमंत्री बनाएं इस मौके पर उतरी विधानसभा के राकेश मिश्रा, अमन मिश्रा, आजा मां मोहम्मद फिरोज शमीम सिद्दीकी अभय मिश्रा, देवेन्द्र शुक्ला, रमेश कुमार, दिलीप सिंह, अमन, आशुतोष तिवारी, साजिद अली आदि लोग मौजूद रहे!

वक्फ भूमि पर बिना स्वामित्व दुकानों व प्रतिष्ठानों के निर्माण की शिकायत का डीएम ने लिया संज्ञान, एसडीएम को सौंपी जांच

एसडीएम ने 24 प्रतिष्ठान स्वामियों को जारी किया नोटिस, तलब किए अभिलेख

आनंद राय

लखीमपुर खीरी। वक्फ की भूमि पर बिना स्वामित्व के कब्जा करके दुकानों एवं प्रतिष्ठानों के निर्माण की शिकायत का संज्ञान लेकर डीएम महेंद्र बहादुर सिंह ने एसडीएम सदर राजेश कुमार को जांच सौपी। डीएम के निर्देश पर एसडीएम ने सभी 24 प्रतिष्ठान स्वामियों को नोटिस जारी करके स्वामित्व संबंधी अभिलेख 5 दिन के भीतर तलब किया। बताते चलें कि काशीनाथ सेठ ज्वेलर्स लखीमपुर के प्रोपराइटर हर्ष सेठ ने मंगलवार को जिला मजिस्ट्रेट महेंद्र बहादुर सिंह के समक्ष शिकायती प्रार्थना पत्र प्रस्तुत किया, जिसमें उल्लेख किया गया है कि उनके आसपास वक्फ की भूमि पर बिना स्वामित्व के कब्जा करके दुकानों एवं शोरूमो का निर्माण कराया गया। जिला मजिस्ट्रेट ने प्रश्नगत प्रकरण की जांच हेतु उप जिला मजिस्ट्रेट लखीमपुर राजेश कुमार को नामित किया । डीएम के मिलते ही उप जिला मजिस्ट्रेट राजेश कुमार ने सभी 24 प्रतिष्ठान स्वामियों को नोटिस जारी करके प्रतिष्ठान एवं भवन जिस भूमि पर बने हैं, उनके स्वामित्व संबंधी अभिलेख एवं निर्माण करने का वर्ष एवं नक्शा पास होने संबंधी अभिलेख एवं दस्तावेज पाँच दिन के भीतर कलेक्ट्रेट स्थित उनके दफ्तर में प्रस्तुत करने के निर्देश दिए है। जारी नोटिस में एसडीएम ने उल्लेख किया है कि यदि निर्धारित समय अवधि में संबंधित अभिलेख प्रस्तुत नहीं किए जाते हैं, तो यह माना जाएगा कि प्रतिष्ठान स्वामियों के पास उक्त प्रतिष्ठान एवं भवन संबंधी कोई अभिलेख उपलब्ध नहीं है। तदनुसार आख्या प्रेषित कर दी जाएगी, जिसके लिए वह व्यक्तिगत रूप से जिम्मेदार होंगे। वही अवर अभियंता विनियमित क्षेत्र को निर्देश दिए हैं कि वह नोटिस की एक प्रति तामिल कराकर उपलब्ध कराएं एवं प्रतिष्ठान के नक्शे की पत्रावली भी उनके समक्ष प्रस्तुत करें।

इन्हें जारी हुआ नोटिस–

श्री गुफरान (मैसर्स गुलफाम), शवींताज (मैसर्स शक्ति इलेक्ट्रिकल), डॉ महमूद अली सिद्दीकी, अब्दुल हबीब (सिद्दीकी पेंट एंड हार्डवेयर), मजहर उर्फ मजरु–(अवध पॉइंट), मो. जिया, सिराजुद्दीन, शबीना बेगम, फिरोज ठेकेदार, मो. आमिर, मुनव्वर, पंकज गुप्ता, मैसर्स कजरिया टाइल्स हाउस, काजी जमील अहमद (काजी टेलीकॉम), फैज, सुमित सिंह, संजय जुनेजा, एजाज व असलम (न्यू भारत फर्नीचर हाउस), आशु गुप्ता (मोती महल रेस्टोरेंट), डॉ अमित तिवारी, आत्मप्रकाश, रामकिशोर व कमला देवी।

एनआईसी में हुआ माइक्रो आब्जर्वर की ड्यूटी व प्रशिक्षण हेतु प्रथम रेंडमाइजेशन

लखीमपुर खीरी रू विधानसभा सामान्य निर्वाचन 2022 हेतु माइक्रो ऑब्जर्वर की ड्यूटी व प्रशिक्षण हेतु प्रथम रेंडमाइजेशन जिला सूचना विज्ञान केंद्र में जिला निर्वाचन अधिकारी, जिला मजिस्ट्रेट महेंद्र बहादुर सिंह की अध्यक्षता में हुआ। कलेक्ट्रेट स्थित जिला सूचना विज्ञान केंद्र (एनआईसी) के वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग हॉल में विधानसभा सामान्य निर्वाचन 2022 हेतु माइक्रोआब्जर्वर की ड्यूटी एवं प्रशिक्षण हेतु प्रथम रेंडमाइजेशन प्रक्रिया संपादित हुई।

समाजवादी पार्टी के प्रत्याशियों को जिताने के लिए जन संपर्क क्षेत्र की जनता से मांगा वोट और सपोर्ट

बीकेटी लखनऊ। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव के आवाहन पर बख्शी का तालाब विधानसभा क्षेत्र से समाजवादी पार्टी के प्रत्याशी गोमती यादव के चुनाव प्रचार के लिए आज कई गांवों का दौरा करके क्षेत्र की सम्मानित जनता से समाजवादी पार्टी के चुनाव निशान साइकिल का बटन दबाकर समाजवादी पार्टी और अखिलेश यादव के हाथों को मजबूत करने एवं समाजवादी पार्टी के प्रत्याशी गोमती यादव के लिए वोट मांगते हुए बीकेटी 169क्षेत्र की सम्मानित जनता के बीच में 2012 से 2017 के बीच में समाजवादी पार्टी के द्वारा प्रदेश में किए गए विकास कार्यों को डोर टू डोर पहुंचाने का कार्य करते हुए और समाजवादी पार्टी की नीतियों को जन जन तक पहुंचाते हुए समाजवादी पार्टी के चुनाव निशान साइकिल पर वोट देने की अपील करते हुए। साथ में अमानीगंज प्रधान जियाउद्दीन अंसारी, मोहम्मद उमर, पूर्व प्रधान लाईक अहमद खान, पूर्व सभासद मोहम्मद रईस, पूर्व सभासद मोहम्मद वसीम, मोहम्मद अहमद अंसारी, सपा नगर अध्यक्ष महोना रमेश चंद बाबू जी, एवं पिछड़ामुस्लिम मोमिन समाज संगठन के प्रदेश उपाध्यक्ष प्रवक्ता मोहम्मद अकील खान, प्रदेश सचिव हाशिम बेग, प्रदेश कोषाध्यक्ष मोहम्मद आदिल खान, इकबाल अफजल, हाशिम कुरैशी, चांद कुरैशी, इसहाक मोहम्मद, युवा नेता तौहीद खान, जुबेर सामानी, ने अपने साथियों के साथ कई ग्राम पंचायतों में पहुंच कर समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव की नीतियों को और बख्शी का तालाब विधानसभा क्षेत्र से प्रत्याशी गोमती यादव की बातों को जन जन तक पहुंचाने का कार्य किया।

ग्राम अहमदपुर खेड़ा, डेरवा, पृथ्वी नगर, मोचीबाग लोधौली शिवरी अरंभा, अमानीगंज, पट्टी, लालपुर, खानपुर, कुनौरा, हनुमंतपुर, शाहपुर, मुसपिपरी, अटेसुवा, हालूपुर, गोधना, नारायणपुर, महिगवा, पोहुपपुर, में डोर टू डोर क्षेत्र की सम्मानित जनता से संवाद और संपर्क करके समाजवादी पार्टी के चुनाव चिन्ह साइकिल का बटन दबाकर समाजवादी पार्टी की सरकार बनाने का संकल्प लेते हुए।

अर्थव्यवस्था की बुनियाद मजबूत, तेज गति व सही दिशा में बढ़ रहा देश- प्रधानमंत्री मोदी

रवि शंकर तिवारी

शाहाबाद (हरदोई)। भाजपा पदाधिकारी टीम के सदस्यों एवं कार्यकर्ताओं को आज एक मैरिज लॉन में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी का आत्मनिर्भर भारत के लिए तैयार बजट पर उद्बोधन सुनने का अवसर प्राप्त हुआ। इस अवसर पर भाजपा प्रत्याशीध् विधायक रजनी तिवारी ने कहा कि क्षेत्रीय विकास के लिए उन्होंने भरसक प्रयास किए। आगे कहा कि सरकार के प्रयासों से आज देश में करीब–करीब 9 करोड़ ग्रामीण घरों में नल से जल पहुंचने लगा है। इसमें से करीब–करीब 5 करोड़ से ज्यादा पानी के कनेक्शन जल जीवन मिशन के तहत पिछले दो वर्षों में दिये गये हैं। हर घर जल... किसान समुदाय की सीधी मदद करता है, जब महिलाओं को पानी लेने के लिये दूर यात्रा नहीं करनी पड़ेगी। वे खेती में अधिक समय लगा सकेंगी। उन्होंने बताया कि बजट में घोषणा की गई है कि इस साल करीब 4 करोड़ ग्रामीण घरों को पाइप से पानी का कनेक्शन दिया जाएगा। इसपर 60 हजार करोड़ रुपए से ज्यादा खर्च किए जाएंगे। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने बुधवार को भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के 'आत्मनिर्भर अर्थव्यवस्था' कार्यक्रम को संबोधित करते हुये कहा कि अर्थव्यवस्था की बुनियाद मजबूत है और हम तेज गति से सही दिशा में आगे बढ़ रहे हैं।कहा कि प्रधानमंत्री ने व्यापार की सुगमता को सरकार की प्राथमिकता बताते हुये कहा कि हमने पिछले सात सालों में 25 हजार गैर–जरूरी अनुपालनों (कंप्लायंस) को समाप्त कर दिया है और 1,500 निरर्थक कानूनों को भी निरस्त कर दिया है। इससे जरूरी कार्यों को जल्द से जल्द पूरा करना संभव होगा। उन्होंने 'इज ऑफ डूइंग बिजनेस 2.0' अभियान भी शुरू करने की घोषणा की। कहा कि आज सस्ता और तेज इंटरनेट भारत की पहचान बन चुका है। बहुत जल्द हर गांव तक ऑप्टिकल फाइबर कनेक्टिविटी पूरी होगी। 5जी सर्विस की लॉन्चिंग भारत में ईज ऑफ लिविंग और ईज ऑफ डूइंग बिजनेस को एक अलग ही आयाम देने वाली है। प्रधानमंत्री ने भाजपा कार्यकर्ताओं को केंद्रीय बजट का तुलनात्मक विश्लेषण करते हुये उनसे बजट में घोषित योजनाओं को लेकर जनता के बीच जाने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि बजट में यूपीए की तुलना में सार्वजनिक निवेश में चार गुना वृद्धि करने का प्रस्ताव है, जो अपार संभावनाएं खोलेगा। पूर्व ब्लॉक प्रमुख प्र नवनीत गुप्ता ने कहा कि पिछले सात सालों में देश में कई परिवर्तन हुए हैं।

देश की अर्थव्यवस्था में जितना सुधार हुआ है, उतना ही गरीब कल्याण की दिशा मे भी अनेकों कार्य हुए हैं। विधानसभा प्रभारी मनोज वर्मा ने कहा कि प्रधानमंत्री जी को इस आत्मनिर्भर भारत की कल्पना को साकार करने वाले बजट के लिए हार्दिक बधाई और अभिनंदन। इस वर्चुअल संवाद में रोहित वैश्य विस्तारक, जिला महामंत्री सत्येन्द्र राजपूत, देवराज सिंह वीरू सभी मण्डल अध्यक्ष, महिला मोर्चा की बहनें कोमल गुप्ता, श्वेता पाण्डेय,सुधा सिंह आदि मौजूद रहे।

पीएम मोदी ने बहरीन के क्राउन प्रिंस और प्रधानमंत्री सलमान बिन हमद अल खलीफा से की बात

राधा गुप्ता

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मंगलवार को बहरीन के क्राउन प्रिंस और प्रधानमंत्री सलमान बिन हमद अल खलीफा के साथ टेलीफोन पर बात की। इस दौरान क्राउन प्रिंस सलमान ने भारत के गणतंत्र दिवस के अवसर पर बधाई दी। इस बारे में भारतीय विदेश मंत्रालय ने एक बयान जारी कर जानकारी दी है।

बातचीत के दौरान दोनों नेताओं ने भारत और बहरीन के बीच द्विपक्षीय संबंधों की समीक्षा की।

मंत्रालय ने अपने बयान में कहा, दोनों नेताओं ने भारत और बहरीन के बीच द्विपक्षीय संबंधों की समीक्षा की और संतोष व्यक्त किया कि संबंधों ने राजनीतिक, व्यापार और निवेश, ऊर्जा, स्वास्थ्य, सुरक्षा और लोगों से लोगों के संपर्क सहित विभिन्न क्षेत्रों में निरंतर प्रगति की है। भारत और बहरीन 2021–22 में दोनों देशों के बीच राजनयिक संबंधों की स्थापना की स्वर्ण जयंती मना रहे हैं। बयान में कहा गया कि प्रधानमंत्री मोदी ने कोविड महामारी के दौरान बहरीन में भारतीय समुदाय की उत्कृष्ट देखभाल करने और उनकी सामाजिक और सांस्कृतिक जरूरतों को पूरा करने के लिए बहरीन नेतृत्व को धन्यवाद दिया। अपने बयान में मंत्रालय ने कहा प्रधानमंत्री मोदी ने किंग हमद बिन ईसा अल खलीफा को बधाई दी। इसके साथ ही उन्होंने क्राउन प्रिंस सलमान बिन हमद अल खलीफा और प्रधान मंत्री को जल्द से जल्द भारत यात्रा के लिए अपना निमंत्रण दोहराया।

राजीव लोचन शुक्ला राष्ट्रीय महासचिव राष्ट्रीय युवा वाहिनी ने अपील की

लखनऊ। आज जनपद इटावा की सदर विधानसभा के चुनावी दौरे में ग्राम भोगीपुरा में ग्रामीणों के बीच में सदर विधायक का सरिता भदौरिया के लिए चुनाव प्रचार में कमल के निशान में वोट डालने की डॉ राजीव लोचन शुक्ला राष्ट्रीय महासचिव राष्ट्रीय वाहिनी ने अपील की। जनता से यह समझाया की 2022 का यह चुनाव भारत की दशा और दिशा दोनों को बदलने के लिए अति महत्वपूर्ण है इस चुनाव में आप सभी लोग जाति धर्म वर्ण व्यवस्था को भूलकर केवल हिंदुस्तानी होने के नाते भारत के राष्ट्रीयता और अस्मिता को बचाने के लिए कमल के निशान पर अपना अमूल्य मतदान करना है यह चुनाव हम हिंदुस्तानियों के लिए अपना गौरव अपना संस्कार और अपनी अस्मिता बचाने के लिए जिहादियों परिवार वादियों परिवार वादियों भू माफियाओं आतंकवादियों से मुक्त करने के लिए वोट करना है। सभी ग्राम वासियों ने ग्राम सिंघावली में वह भोगीपुरा में आश्वस्त किया कि वह इस चुनाव में कमल को खिलाएंगे और भारत को भगवा में बनाएंगे।

नामांकन के छठे दिन कुल 46 लोगो ने रिर्टनिंग आफीसर के सम्मुख प्रस्तुत होकर नामांकन पत्र दाखिल किया: जिला निर्वाचन अधिकारी

नामांकन के छठे दिन कुल 07 नामांकन पत्र खरीदे गये: जिला निर्वाचन अधिकारी

विवेक राय

हरदोई। जिला निर्वाचन अधिकारी अविनाश कुमार ने बताया है कि विधान सभा सामान्य निर्वाचन 2022 हेतु आज नामांकन के छठे दिन जनपद के अन्तर्गत आने वाली कुल 08 विधान सभा क्षेत्रों हेतु नामांकन के कुल 07 नामांकन पत्र खरीदे गये, तथा आज कुल 46 नामांकन पत्र दाखिल किये गये। उन्होने बताया है कि विधान सभा क्षेत्र सवायजपुर–154 में कुल 01 नामांकन पत्र खरीदें गये जिसमें से रमेश ने 01 सेट खरीदा। विधान सभा क्षेत्र–156 हरदोई मे कुल 01 नामांकन पत्र खरीदा गया जिसमे से न्याय वर्धन सिंह ने 01 सेट खरीदा। विधान सभा क्षेत्र साण्डी–158 में कुल 02 नामांकन पत्र खरीदें गये जिसमें से आकांक्षा वर्मा ने 01 व प्रदीप कुमार ने 01 सेट खरीदा। विधान सभा क्षेत्र बिलग्राम–मल्लावां–159 में कुल 01 नामांकन पत्र खरीदा गया जिसमें से सोनिका वर्मा ने 01 सेट खरीदा। विधान सभा क्षेत्र बालामऊ–160 में कुल 01 नामांकन पत्र खरीदा गया जिसमें से साहबलाल वर्मा ने 01 सेट खरीदा। इसी प्रकार विधान सभा क्षेत्र सण्डीला–161 में कुल 01 नामांकन पत्र खरीदा गया जिसमें से नरेश सिंह ने 01 सेट खरीदा। उन्होने बताया है कि नामांकन के छठे दिन विधान सभा क्षेत्र–154 सवायजपुर से बहुजन समाज पार्टी उम्मीदवार राहुल, आजाद समाज पार्टी उम्मीदवार ज्ञानेश कुमार, निर्दलीय उम्मीदवार उमेश चन्द्र पाठक, अनुपम प्रताप सिंह, रामवीर, सिखा तिवारी, विजय बहादुर ने नामांकन पत्र दाखिल किया। विधान सभा क्षेत्र–155 शाहाबाद से बसपा उम्मीदवार अहिवरन सिंह, बीजेपी उम्मीदवार रजनी तिवारी, आप उम्मीदवार कमल शुक्ला, निर्दलीय उम्मीदवार अखिलेश पाठक, राजकुमार जिंदल, धीरू सिंह व नागेन्द्र सिंह ने नामांकन पत्र दाखिल किया। इसी प्रकार विधान सभा क्षेत्र–156 हरदोई से सीपीआई उम्मीदवार विजय त्रिवेदी, बीएसपी उम्मीदवार शोभित पाठक, एआईएमआईएम उम्मीदवार अताउर रहमान, भारतीय सुभाष सेना उम्मीदवार रामलखन व अखिल भारतीय नैतिक पार्टी उम्मीदवार मोहित मिश्रा, निर्दलीय उम्मीदवार गरिमा अग्रवाल ने नामांकन पत्र दाखिल किया।

विधान सभा क्षेत्र–157 गोपामऊ से भारतीय सुभाष सेना उम्मीदवार टीकाराम, बीजेपी उम्मीदवार श्याम प्रकाश व निर्दलीय उम्मीदवार शिवकुमार ने रिर्टनिंग आफीसर के सम्मुख प्रस्तुत होकर अपना नामांकन पत्र दाखिल किया। विधान सभा क्षेत्र–158 साण्डी से बहुजन पार्टी उम्मीदवार रंजीत सिंह खालसा, काग्रेस उम्मीदवार आकांक्षा वर्मा व निर्दलीय उम्मीदवार प्रफुल्ल कुमार वर्मा ने नामांकन पत्र दाखिल किया। विधान सभा क्षेत्र–159 बिलग्राम मल्लावां से सत्य बहुमत पार्टी उम्मीदवार श्याम मोहन पाण्डेय, काग्रेस उम्मीदवार सुभाष पाल, भारतीय सुभाष सेना उम्मीदवार महेश प्रसाद, बीजेपी उम्मीदवार आशीष कुमार सिंह, सपा उम्मीदवार सोनिका वर्मा, निर्दलीय उम्मीदवार चन्द्र किशोर सिंह तथा दीपिका सुमन ने नामांकन पत्र दाखिल किया। विधान सभा क्षेत्र–160 बालामऊ से आप उम्मीदवार रामप्रसाद प्रेमी व पीयुष प्रेमी, बीएसपी उम्मीदवार तिलक चन्द्र, भा0सु0सेना उम्मीदवार भगवानदीन व निर्दलीय उम्मीदवार अनीता देवी, सुशीला देवी, राजेन्द्र कुमार, सन्दीप कुमार तथा मनोज कुमार वर्मा ने अपना नामांकन पत्र दाखिल किया तथा विधान सभा क्षेत्र–161 सण्डीला से काग्रेस उम्मीदवार मो0 हनीफ, आप उम्मीदवार रघुवीर, भा0श0चे0पा0 उम्मीदवार अभिनय गुप्ता, निर्दलीय उम्मीदवार ललित कुमार ने नामांकन पत्र दाखिल किया। इस प्रकार नामांकन के छठे दिन कुल 46 लोगो ने रिर्टनिंग आफीसर के सम्मुख प्रस्तुत होकर नामांकन पत्र दाखिल किया।

पीएसएल :लाहौर कलंदर ने पेशावर जाल्मी को हराया

कराची।

लाहौर कलंदर ने आधा दर्जन कैच टपकाने के बावजूद पाकिस्तान सुपर लीग के मैच में पेशावर जाल्मी को 29 रन से हरा दिया। खराब क्षेत्ररक्षण के बावजूद लाहौर ने पेशावर को नौ विकेट पर 170 रन पर रोक दिया। इससे पहले फखर जमां (66) और मोहम्मद हफीज (37) ने लाहौर को चार विकेट पर 199 रन तक पहुंचाया था।

तेज गेंदबाज डेविड वीसे इस सत्र की पहली हैट्रिक के करीब पहुंचे थे जब पेशावर के आखिरी बल्लेबाज सलमान इरशाद को पगबाधा आउट करार दिया गया लेकिन बल्लेबाज ने रिव्यू लिया और कामयाब रहे।

कप्तान शाहीन शाह अफरीदी ने 19 रन देकर दो विकेट लिये। उन्होंने तीसरी ही गेंद पर अफगानिस्तान के हजरतुल्लाह जजाइ को बोल्ड कर दिया। कामरान अकमल ने 41 रन बनाये जबकि हुसैन तलत (15) तीन जीवनदान का फायदा नहीं उठा सके।

युवा तेज गेंदबाज जमान खान ने 32 रन देकर तीन विकेट लिये और दोनों बल्लेबाजों को लगातार गेंदों पर आउट किया।

लाहौर के अनुभवी स्पिनर अफगानिस्तान के राशिद खान ने शोएब मलिक (सात) को 12वें ओवर में आउट करके टीम को शानदार शुरूआत दिलाई। वह कोरोना संक्रमण से उबरने के बाद इस सत्र का पहला मैच खेल रहे हैं।

पेशावर के लिये हैदर अली ने सर्वाधिक 49 रन बनाये।

लाहौर के अब तीन मैचों में चार अंक है और वह दूसरे स्थान पर है।मुल्तान सुल्तांस चारों मैच जीतकर शीर्ष पर है।

वालेंशिया और रायो कोपा डेल रे सेमीफाइनल में

मैड्रिड । कैडिज को 2.1 से हराकर वालेंशिया ने चार साल में दूसरी बार कोपा डेल रे फुटबॉल के सेमीफाइनल में प्रवेश कर लिया जबकि रायो वालेकानो ने मालोरका को 1.0 से हराकर चार दशक में पहली बार अंतिम चार में जगह बनाई।

वालेंशिया ने 2019 में खिताब जीता था। वहीं रायो 1982 के बाद पहली बार सेमीफाइनल में पहुंची है।

दूसरे क्वार्टर फाइनल में रीयाल मैड्रिड का सामना एथलेटिक बिलबाओ से होगा। वहीं रीयाल बेटिस की टक्कर 2020 चैम्पियन रीयाल सोशिदाद से होगी।

माने के शानदार प्रदर्शन से सेनेगल अफ्रीकी कप के फाइनल में

याओंडे (कैमरून) । लिवरपूल के स्ट्राइकर सादियो माने के शानदार प्रदर्शन के दम पर सेनेगल ने बुर्किना फासो को 3.1 से हराकर लगातार दूसरी बार अफ्रीकी कप आफ नेशंस फुटबॉल के फाइनल में प्रवेश कर लिया। माने ने एक गोल में सहायता की और दूसरा गोल खुद किया। इस मैच में सभी गोल 20 मिनट के भीतर हुए। डिफेंडर अब्दु दायलो ने 70वें मिनट में पेनल्टी कॉर्नर पर गोल करके सेनेगल को बढत दिलाई। माने ने 76वें मिनट में बाम्बा डियेंग के गोल में सूत्रधार की भूमिका निभाई। बुर्किना फासो के लिये ब्लाटी टोरे ने 82वें मिनट में गोल किया। वहीं माने ने 87वें मिनट में सेनेगल का तीसरा गोल दागा। सेनेगल अब तक यह टूर्नामेंट जीत नहीं सका है। उसे 2002 और 2019 में पराजय का सामना करना पड़ा।

कोच लैंगर के कार्यकाल में विस्तार से पहले प्रदर्शन की समीक्षा को कमिंस ने सही ठहराया

मेलबर्न। आस्ट्रेलिया के टेस्ट कप्तान पैट कमिंस का मानना है कि मुख्य कोच जस्टिन लैंगर का कार्यकाल बढाने से पहले उनके प्रदर्शन की समीक्षा करने के क्रिकेट आस्ट्रेलियाई के फैसले में कोई बुराई नहीं है क्योंकि नियमित अंतराल पर खिलाड़ी भी इस प्रक्रिया से गुजरते हैं।

लैंगर के कोच रहते आस्ट्रेलिया ने एशेज श्रृंखला जीती और पहली बार टी20 विश्व कप अपने नाम किया। क्रिकेट आस्ट्रेलिया उनके कार्यकाल के विस्तार पर फैसला लेने पर शुक्रवार को विचार करेगा।

कमिंस ने कहा कि लैंगर के साथ काम करने में मजा आया लेकिन कोच के प्रदर्शन की भी समीक्षा का फैसला सही है।

उन्होंने 'सिडनी मार्निंग हेराल्ड' से कहा, ''यह क्रिकेट आस्ट्रेलिया के हाथ में है। लैंगर ने अपना काम बखूबी किया है और वह चार साल से पद पर हैं। उनका कार्यकाल खत्म होने वाला है और इस समय उसकी समीक्षा हो रही है। इसमें कोई बुराई नहीं है।''

उन्होंने कहा, ''क्रिकेटरों के प्रदर्शन की भी हमेशा समीक्षा होती है। यह क्रिकेट आस्ट्रेलिया का फैसला है और हमें इंतजार करना होगा।''

भारतीय शीतकालीन ओलंपिक दल के मैनेजर दोबारा कोरोना जांच में नेगेटिव

बीजिंग। कोरोना जांच में पॉजिटिव पाये जाने के एक दिन बाद भारत के शीतकालीन ओलंपिक दल के मैनेजर मोहम्मद अब्बास की पिछले 24 घंटे में दोबारा की गई दो जांच में रिपोर्ट नेगेटिव आई है।

भारतीय ओलंपिक संघ ने बृहस्पतिवार को यह जानकारी दी।

वानी को बीजिंग हवाई अड्डे पर हुई जांच में पॉजिटिव पाया गया था। आईओए अध्यक्ष नरिंदर बत्रा ने कहा कि पिछले 24 घंटे में दो बार उनकी जांच की गई और नतीजा नेगेटिव आया है।

बत्रा ने कहा, ''भारतीय टीम के मैनेजर मोहम्मद अब्बास वानी की पिछले 24 घंटे में दो बार कराई गई जांच की रिपोर्ट नेगेटिव आई है। बीजिंग में भारत का पूरा दल अब कोरोनामुक्त है।''

उन्होंने कहा, ''दल प्रमुख हरजिंदर सिंह, चीन में भारतीय दूतावास और खेल मंत्रालय को सभी का ख्याल रखने के लिये धन्यवाद।''

अब्बास वानी छह सदस्यीय भारतीय दल का हिस्सा है जिसमें एकमात्र खिलाड़ी कश्मीर के स्कीअर आरिफ खान है। आरिफ स्लालोम और जाइंट स्लालोम वर्ग में भाग लेंगे।

भारत के दल प्रमुख हरजिंदर सिंह है और एल सी ठाकुर अल्पाइन कोच, पूरन चंद तकनीशियन और रूप चंद नेगी टीम अधिकारी है।

सीए का जस्टिन लैंगर को बर्खास्त करना गलत होगा : इयान हेली

मेलबर्न। ऑस्ट्रेलिया के पूर्व विकेटकीपर इयान हेली ने सुझाव दिया है कि अगर क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया (सीए) मुख्य कोच जस्टिन लैंगर को बर्खास्त करते हैं तो यह गलत होगा। मुख्य कोच के रूप में लैंगर का अनुबंध जून में समाप्त होगा, लेकिन पिछले कुछ महीनों में ऑस्ट्रेलिया द्वारा टी20 विश्व कप और घरेलू मैदान पर एशेज जीतने के बावजूद उन्हें विस्तार मिलने पर संदेह है।

हेली ने सेन के पैट एंड हील्स शो में कहा, कोच कहीं भी उतना महत्वपूर्ण नहीं है जितना कि कोई भी प्रमुख खिलाड़ी। आप एक वरिष्ठ खिलाड़ी को बदलने की तुलना में बहुत आसानी से कोच बदल सकते हैं। (हालांकि), अगर वे जस्टिन लैंगर को बर्खास्त करते हैं तो यह गलत होगा।

ऑस्ट्रेलिया के लिए 119 टेस्ट और 168 एकदिवसीय मैच खेलने वाले हेली ने कहा, वे उन्हें दो साल और देकर उनका कार्यकाल बढ़ा सकते हैं। शायद इस बारे में बातचीत हुई है और लैंगर चार साल चाहते हैं, लेकिन सीए उनको दो साल ही देना चाहता है और अब उन्होंने इसे बढ़ाकर तीन कर दिया है, क्या वह इसे स्वीकार करेंगे? अब देखते हैं क्या होता है। हेली का मानना है कि ऑस्ट्रेलिया की मौजूदा टीम के सीनियर खिलाड़ियों को नए कोच की नियुक्ति के बारे में काफी कुछ समझाना होगा।

अधिक शॉट्स खेले बिना डटकर बल्लेबाजी की रणनीति आई काम..यश ने बताया ऑस्ट्रेलिया को कैसे चटाई 'धूल'

ओसबोर्न।

भारत के अंडर 19 कप्तान यश धुल ने कहा कि उनकी और शेख रशीद की 40वें ओवर तक कोई जोखिम लिये बिना डटकर बल्लेबाजी करने की रणनीति थी जो आस्ट्रेलिया पर सेमीफाइनल में 96 रन से जीत दिलाने में कारगर साबित हुई।

पहले बल्लेबाजी करते हुए भारत ने दो विकेट 37 रन पर गंवा दिये थे। इसके बाद धुल ने 110 गेंद में 110 और रशीद ने 108 गेंद में 94 रन बनाये और 204 रन की साझेदारी की। इसके दम पर भारत ने पांच विकेट पर 290 रन बनाये जिसके जवाब में आस्ट्रेलियाई टीम 41.5 ओवर में 194 रन पर आउट हो गई।

टूर्नामेंट के ग्रुप चरण में कोरोना संक्रमण से जूझने के बाद यहां तक पहुंचने के लिये टीम की तारीफ करते हुए उन्होंने कहा ,'' हम शानदार प्रदर्शन कर रहे हैं। रशीद मानसिक रूप से काफी मजबूत है। हम बबल में साथ में थे और वह मानसिक तौर पर हमेशा तैयार रहता है।'

> धुल ने कहा ,'' मेरी और रशीद की रणनीति आखिर तक बल्लेबाजी करने की थी जो कारगर साबित हुई। हमने ज्यादा शॉट्स नहीं लगाये और 46वें ओवर तक विकेट नहीं खोया।'' कप्तान ने कहा ,'' रशीद और मेरा तालमेल अच्छा था जो नजर आया।''

आस्ट्रेलिया के कप्तान कूपर कोनोली ने कहा कि आखिरी दस ओवर में मैच उनकी पकड़ से छूट गया जब भारतीय बल्लेबाजों ने सौ से अधिक रन बनाये। उन्होंने कहा ,''हम 40वें ओवर तक अच्छी स्थिति में थे लेकिन उन्होंने आखिरी दस ओवर में 100 से ज्यादा रन बना दिये। 290 रन का लक्ष्य आसान नहीं था।''

ऑस्ट्रेलिया को पस्त कर भारत लगातार चौथी बार फ़ाइनल में

कूलिज। कप्तान यश धुल (110) के शानदार शतक और उनकी उपकप्तान शेख रशीद (94) के साथ तीसरे विकेट के लिए 204 रन की दोहरी शतकीय साझेदारी और गेंदबाजों के सधे हुए प्रदर्शन की बदौलत भारत ने ऑस्ट्रेलिया को अंडर 19 विश्व कप के दूसरे सेमीफाइनल में बुधवार को 96 रन से करारी शिकस्त देकर लगातार चौथी बार फाइनल में प्रवेश कर लिया जहां उसका मुकाबला शनिवार को इंग्लैंड के साथ होगा। भारत ने 50 ओवर में पांच विकेट पर 290 रन का मजबूत स्कोर बनाने के बाद ऑस्ट्रेलिया को 41.5 ओवर में 194 रन पर निपटा दिया। यश धुल को उनकी शतकीय पारी के लिए प्लेयर ऑफ द मैच का पुरस्कार दिया गया।

एशेज श्रृंखला में शर्मनाक हार के बाद जाइल्स को पद छोड़ना पड़ा

लंदन। एशेज श्रृंखला में आस्ट्रेलिया के हाथों शर्मनाक हार के बाद इंग्लैंड टीम के प्रबंध निदेशक एशले जाइल्स को पद से हटा दिया गया है जो तीन साल से यह पद संभाल रहे थे। पूर्व टेस्ट कप्तान एशले जाइल्स अंतरिम तौर पर उनकी जगह लेंगे। इंग्लैंड को एशेज श्रृंखला में 4.0 से पराजय मिली थी। इंग्लैंड और वेल्स क्रिकेट बोर्ड के मुख्य कार्यकारी टॉम हैरीसन ने कहा ,'' इस बार एशेज श्रृंखला में निराशाजनक प्रदर्शन के बाद हमें आगे इसके दोहराव से बचने के लिये काम करना होगा।'' जाइल्स के साथ इंग्लैंड ने पहली बार 50 ओवरों का विश्व कप जीता लेकिन टेस्ट प्रारूप में प्रदर्शन निराशाजनक रहा। इंग्लैंड के पूर्व टेस्ट स्पिनर जाइल्स ने कहा ,'' पिछले कुछ साल काफी चुनौतीपूर्ण रहे। मुझे गर्व है कि कठिन परिस्थितियों में भी हम अच्छा प्रदर्शन कर सके। अब मैं अगली जिम्मेदारी लेने से पहले परिवार के साथ समय बिताऊंगा।''

प्रजनेश बेंगलुरू ओपन एटीपी चैलेंजर का खिताब पाने के लिए उत्सुक

बेंगलुरू।

वर्ष 2018 में एकल खिताब के विजेता, भारत के प्रजनेश गुणेश्वरन बेंगलुरू ओपन एटीपी चैलेंजर खिताब हासिल करने के लिए उत्सुक हैं। अगला सीजन रविवार (6 फरवरी) से बेंगलुरु में शुरू होगा।

बेंगलुरू को अपना दूसरा घर मानने वाले प्रजनेश ने 2018 में फाइनल में साकेत माइनेनी को हराया था और कर्नाटक राज्य लॉन टेनिस द्वारा आयोजित चैलेंजर 125 टूर्नामेंट के 2018 सीजन में जीते। लेकिन 2020 सीजन में फ्रांस के बेंजामिन बोन्जी से वे हार गए थे। एसोसिएशन (केएसएलटीए)। क्वालिफायर रविवार (6 फरवरी) को होंगे।

32 वर्षीय खिलाड़ी ने आयोजकों द्वारा एक विज्ञप्ति में कहा, मेरे पास बेंगलुरु की बहुत अच्छी यादें हैं। मैंने केएसएलटीए में काफी लंबी अवधि के लिए अभ्यास किया है और चैलेंजर्स में मेरा अच्छा प्रदर्शन रहा है। मैंने यहां कई खिताब जीते हैं और यह चेन्नई के अलावा भारत में मेरे लिए दूसरे घर जैसा है। मैं उस शहर में वापस आने का इंतजार कर रहा हूं जो मेरे लिए बहुत परिचित है।

वर्तमान में दुनिया में 228 वें स्थान पर, प्रजनेश, जो बेंगलुरू ओपन के मुख्य ड्रॉ में शामिल हुए, वे आने वाले हफ्तों के दौरान कड़ी प्रतिस्पर्धा की उम्मीद करते हैं।

प्रजनेश, जिन्होंने अब तक दो एटीपी चैलेंजर खिताब और नौ आईटीएफ खिताब हासिल किए हैं, पिछले साल के दौरान उन्होंने शानदार प्रदर्शन नहीं किया था।

प्रजनेश ने कहा, खेल के मामले में मेरा साल बहुत अच्छा नहीं रहा क्योंकि मेरा स्वास्थ्य ठीक नहीं था। मैं ज्यादा प्रशिक्षण नहीं ले सका लेकिन पिछले दो महीनों में मैंने खेल का अभ्यास किया है और अब मैं ठीक हूं। बैक-टू-बैक इवेंट के बारे में बोलते हुए, प्रजनेश ने कहा कि इस तरह का शेड्यूल भारतीयों के लिए अच्छा है। बैक-टू-बैक इवेंट आयोजित करना अच्छा है क्योंकि यह सभी के लिए चीजों को आसान बनाता है। आपको एक स्थान से दूसरे स्थान पर जाने और परिस्थितियों, उड़ानों, होटलों आदि के लिए अभ्यस्त होने की आवश्यकता नहीं है।

अगर लैंगर ऑस्ट्रेलियाई टीम के साथ बने रहते हैं तो मुझे बेहद खुशी होगी : कैमरन ग्रीन

पर्थ। ऑस्ट्रेलिया के हरफनमौला कैमरन ग्रीन ने गुरुवार को कहा कि इंग्लैंड के खिलाफ हाल ही में 4-0 से एशेज जीत के दौरान मुख्य कोच जस्टिन लैंगर शानदार भूमिका में थे। उन्होंने कहा कि अगर लैंगर ऑस्ट्रेलिया की टीम के साथ बने रहते हैं तो उन्हें बेहद खुशी होगी।

ग्रीन, लैंगर की तरह ही पश्चिमी ऑस्ट्रेलिया से आते हैं, पूर्व सलामी बल्लेबाज का सार्वजनिक रूप से समर्थन करने वाले मौजूदा खिलाड़ी बन गए हैं।

मुख्य कोच के रूप में लैंगर का अनुबंध इस साल जून तक है। लेकिन पिछले कुछ महीनों में ऑस्ट्रेलिया द्वारा टी20 विश्व कप और घरेलू धरती पर एशेज जीतने के बावजूद उन्हें विस्तार मिलने पर संदेह है। यह व्यापक रूप से माना जाता है कि लैंगर की कोचिंग विधियों के प्रति मौजूदा खिलाड़ियों में बेचैनी है, हालांकि किसी ने भी इसके बारे में खुलकर बात नहीं की है।

सेन रेडियो के स्पोर्ट्सडे डब्ल्यूए शो में ग्रीन ने कहा, पिछले कुछ वर्षों में वह किसी भी कोच या किसी खिलाड़ी की तरह ड्रेसिंग रूम में थोड़ा गुस्सा हो जाते थे, लेकिन इस श्रृंखला में वह शानदार रहे हैं। जाहिर है, गेम जीतने से मदद मिलती है, लेकिन टीम के आसपास उनका प्रभाव वास्तव में सकारात्मक था। विशेष रूप से मेरे जैसे युवा लोगों के लिए।

यह पूछे जाने पर कि क्या वह लैंगर को मुख्य कोच के रूप में जारी रखना पसंद करेंगे, ग्रीन ने टिप्पणी की, जब मैं 17 साल का था, तब वह डब्ल्यूए के लिए मेरे पहले कोच थे। यह बहुत खास है कि वह मेरे अब तक के करियर का एक बड़ा हिस्सा रहे हैं। जाहिर है कि वह एक कोच के रूप में मुझे पसंद है।

घर पर समय बिताने और खेल में सुधार के लिये आईपीएल नहीं खेलने का फैसला किया :जैमीसन

आकलैंड। न्यूजीलैंड के तेज गेंदबाज काइल जैमीसन ने इस साल पृथकवास और बायो बबल से दूर रहकर घर पर समय बिताने और अपने खेल में सुधार के लिये इंडियन प्रीमियर लीग में नहीं खेलने का फैसला किया है।

जैमीसन पिछले साल आईपीएल में दूसरे सबसे महंगे खिलाड़ी थे जिन्हें रॉयल चैलेंजर्स बेंगलोर ने 15 करोड़ रूपये में खरीदा था।

जैमीसन ने 'ईएसपीएन क्रिकइन्फो' से कहा ,''मैंने कई कारणों से यह फैसला लिया है। पिछले बारह महीने बायो बबल और पृथकवास में काफी समय बिताया। अगले 12 महीने के शेड्यूल को देखते हुए अब परिवार के साथ समय बिताना चाहता हूं।''

भारत के खिलाफ फरवरी 2020 में अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में पदार्पण करने वाले जैमीसन 12 टेस्ट, पांच वनडे और आठ टी20 खेल चुके हैं।

उन्होंने कहा ,''दूसरी बात यह है कि मैं अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में बहुत नया हूं। दो ही साल हुए हैं तो मैं अपने खेल पर मेहनत करना चाहता हूं।''

उन्होंने कहा, ''मुझे लगता है कि जहां पर मुझे होना चाहिये, उस स्तर पर नहीं पहुंच सका हूं। अगर तीनों प्रारूपों में खेलना है तो अपने खेल पर मेहनत करनी होगी।''

जैमीसन ने कहा कि आईपीएल नहीं खेलने का फैसला कठिन था लेकिन उन्हें उम्मीद है कि वह भविष्य में इस लीग का हिस्सा होंगे।

उन्होंने कहा, ''यह शुरूआत में काफी कठिन फैसला था। मैंने इस पर काफी विचार किया। लेकिन मैं अपने कैरियर पर फोकस करना चाहता हूं और अपने खेल पर काम करना चाहता हूं।''

पुजारा और रहाणे को लेकर गांगुली ने दिया बयान

नई दिल्ली/श्रेयस मनोरम। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) के अध्यक्ष सौरव गांगुली को उम्मीद है कि सीनियर टेस्ट खिलाड़ी चेतेश्वर पुजारा और अजिंक्य रहाणे रणजी ट्रॉफी में खेलेंगे और ढेर सारे रन बनाएंगे।

जनवरी में साउथ अफ्रीका से 2-1 की श्रृंखला हारने में, रहाणे और पुजारा छह पारियों में केवल 136 और 135 रन बनाए थे।

दोनों पर टेस्ट टीम में अपनी जगह बनाए रखने का दबाव होने के कारण रणजी ट्रॉफी की बहाली श्रीलंका के खिलाफ दो टेस्ट मैचों से ठीक पहले हुई है।

गांगुली को स्पोर्टस्टार के हवाले से कहा, हां, वे बहुत अच्छे खिलाड़ी हैं। उम्मीद है वे रणजी ट्रॉफी में वापस आएंगे और बहुत सारे रन बनाएंगे, जो मुझे यकीन है कि वे करेंगे। इसमें मुझे कोई समस्या नहीं दिख रही है।

भारत के पूर्व कप्तान गांगुली ने कहा, रणजी ट्रॉफी एक बहुत बड़ा टूर्नामेंट है और हम सभी ने टूर्नामेंट खेला है। इसलिए, वे भी वहां वापस जाएंगे और प्रदर्शन करेंगे। उन्होंने अतीत में टूर्नामेंट खेला है, जब वे केवल टेस्ट क्रिकेट खेल रहे थे और वनडे या सीमित ओवरों की टीम का हिस्सा नहीं थे। इसलिए, यह कोई समस्या नहीं होगी।

गांगुली ने स्वीकार किया कि 2021/22 सीजन में होने वाली रणजी ट्रॉफी को कराना चुनौती थी, क्योंकि तीसरी लहर ने इसे 13 जनवरी से स्थगित कर दिया था।

उन्होंने कहा, जाहिर है, हम रणजी ट्रॉफी के एक साल से चूक गए।